शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 151 | गुवाहाटी | गुरुवार, 22 दिसंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सिलचर आईएसबीटी से दो पिस्तौल और कारतूस जब्त — पेज 3
भारत-चीन टकराव के बाद तवांग सेक्टर में बेहतर कनेक्टिविटी के लिए... — पेज 4
चीन से कोरोना की नई आहट मिलते ही सतर्क हुई योगी सरकार — पेज 5
यात्रा से विकास होता हो तो मैं भी साथ चलूंगा — पेज 8

सत्रों की भूमि को लेकर बेदखली अभियान जारी रहेगा : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान राज्य के विभिन्न जिलों में सरकार द्वारा अतिक्रमण के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान को लेकर विपक्ष द्वारा किए गए हंगामे पर बुधवार को अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व शर्मा ने बेदखली पर कड़ा रुख अपनाया। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन आज मुख्यमंत्री ने महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की जन्मभूमि बटद्रवा को अतिक्रमण मुक्त कराए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि जब तक भाजपा की सरकार है, अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी रहेगा। डॉ. शर्मा ने कहा कि जो लोग सत्र (मठ) की भूमि पर कब्जा कर रहे हैं, उन्हें उसे खाली करना चाहिए, मैं विनम्रतापूर्वक कह रहा हूं कि सत्र से दूर जाओ। उधर जब कांग्रेस विधायक रकिबुल हुसैन ने सरकार से बटाद्रवा में बेदखल लोगों की पीने के पानी और भोजन जैसी बुनियादी जरूरतों के इंतजाम की अपील की तो मुख्यमंत्री ने कहा कि बेदखल लोगों को पानी देने की कोई नीति नहीं है। उन्होंने जमीन पर कब्जा करके कानून तोड़ा है, इसलिए हम उनके लिए शिविर नहीं लगा सकते। यह गैर सरकारी संगठनों का काम है। अंतर्राज्यीय सीमा मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने दोहराया कि असम पुलिस ने मिजोरम सीमा पर अत्यधिक बलिदान दिया है और एक पुलिस अधीक्षक का अभी भी मुंबई में इलाज चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम पूर्वोत्तर को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, हम बातचीत के लिए आगे बढ़ रहे हैं, मेघालय के साथ बातचीत चल रही है, अरुणाचल के साथ बातचीत आगे बढ़ रही है, नगालैंड के साथ सौहार्दपूर्ण ढंग से चर्चा आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि जिन मुद्दों पर हमें सख्त होना चाहिए, उन पर हम सख्त रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जिनके पास पट्टा नहीं है, उन्हें हमने बेदखल किया है, कांग्रेस ने उन्हें 75 साल में पट्टा नहीं दिया, कांग्रेस ने उन्हें असुरक्षा की बात कहते हुए राजनीति की, अब बटद्रवा पहुंचकर कांग्रेस रो रही है, उन्हें पहले रोना नहीं चाहिए था, कांग्रेस ने क्षेत्र में एक अच्छा स्कूल भी नहीं दिया। मुख्यमंत्री ने अतिक्रमण के खिलाफ मुहिम से प्रभावितों के संबंध में कहा कि हमें उनके वोटों की जरूरत नहीं है, हमने चुनावी घोषणापत्र में कहा था कि मैं डेढ़ साल में सबकुछ नहीं कर सकता, उपायुक्त से उन लोगों को जमीन देने के लिए कह रहा हूं जिनके पास वास्तव में बटद्रवा में जमीन नहीं है। हमने केवल उन लोगों को बेदखल किया है जो पट्टे के बिना हैं और भूमि पर अतिक्रमण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि ग्वालपाड़ा में उच्च न्यायालय ने बेदखली अभियान चलाने का आदेश दिया था, मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर परिवार की योजना नहीं बनाई गई तो निचले असम के लोगों को 50 साल बाद इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। अदालत ने कहा है कि जमीन की व्यवस्था करें, मैं जमीन को कहां जन्म दूंगा, ग्वालपाड़ा के कांग्रेस विधायक बेदखली अभियान को रोकने के लिए उच्च न्यायालय में अपील दायर करें, ताकि अभियान रुक सके। उन्होंने कहा कि नियमों के अनुसार अतिक्रमण हटाओ

कोरोना का बढ़ता संक्रमण

5टी प्लान लागू कर सकती है सरकार

नई दिल्ली। दुनिया के कई देशों में कोरोना वायरस एक बार फिर कहर बरपा रहा है। खासकर चीन में यह अपना रौद्र रूप धारण कर चुका है। कोरोना की चपेट में आने वाले मरीजों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही हैं। लगातार बढ़ते संक्रमण के बीच भारत में भी कोरोना वायरस से निपटने के लिए अभी से पूरी सख्ती बरतने और सभी कोविड नियमों का पालन कराने के लिए रणनीति बनाना शुरू कर दी है। कोरोना महामारी को लेकर बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने उच्च स्तरीय बैठक की। इसमें चीन व अन्य देशों में कोरोना की स्थिति को देखते हुए एहतियाती उपायों पर मंथन किया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री डॉ. भारती पवार ने बताया कि इस बैठक में देश के प्रमुख स्वास्थ्य विशेषज्ञ शामिल रहे। सरकार ने मंगलवार को जीनोम सीक्वेंसिंग को लेकर गाइडलाइन जारी की गई थी। इस बैठक में नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल, कोविड-19 वर्किंग ग्रुप एनटीएजीआई के प्रमुख डॉ. एन.के. अरोड़ा, डीजी-आईसीएमआर डॉ. राजीव बहल, जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ. राजेश गोखले और डीजीएचएस स्वास्थ्य एवं परिवार -शेष पृष्ठ दो पर

सेना-पुलिस का अल्फा (स्वा.) के खिलाफ अभियान : चार गिरफ्तार, एक घायल

गुवाहाटी। ऊपरी असम के तिनसुकिया जिले में मंगलवार रात से जारी सेना और पुलिस के एक संयुक्त अभियान में चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। उग्रवादियों की ओर से की गई गोलीबारी में एक आम नागरिक घायल हुआ है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि पूरे इलाके को सेना ने घेर लिया है। तलाशी अभियान जारी है। रक्षा पीआरओ ने बुधवार को जारी बयान में कहा है कि मंगलवार -शेष पृष्ठ दो पर

सौ रोहिंग्याओं से भरी नाव समंदर में फंसी

मुंबई। म्यांमार के दो रोहिंग्या समूहों ने कहा है कि कम से कम 100 रोहिंग्या भारत के अंडमान द्वीप समूह में एक नाव में फंसे हुए हैं। इनमें 16-20 लोग प्यास, भूख या डूबने से मर सकते हैं। हर साल कई रोहिंग्या जो मुस्लिम अल्पसंख्यक हैं म्यांमार में हिंसा से बचने के लिए और बांग्लादेश शरणार्थी शिविरों में गंदगी से बचने के लिए अपने जीवन को खतरे में डालते हैं। इनमें से कई मलेशिया पहुंचने का प्रयास करते हैं। एक सूत्र ने रॉयटर्स को बताया कि फंसी हुई नाव ने मंगलवार देर रात भारतीय जहाजों से संपर्क किया था। भारतीय नौसेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि उनके पास इस बारे में साझा करने के लिए कोई जानकारी नहीं है। इस बीच अनुमान के मुताबिक, संभव है कि 20 से अधिक लोग मारे गए हैं, कुछ भूख और प्यास से और अन्य हताशा में पानी में कूद गए। मानवाधिकार समूह *द अराकान प्रोजेक्ट* की निदेशक क्रिस लेवा ने कहा कि ये भयानक और अपमानजनक है। एशिया पैसिफिक रिफ्यूजी राइट्स नेटवर्क के रोहिंग्या वर्किंग ग्रुप ने कहा कि समूह दो सप्ताह से अधिक समय से भटक रहा था। कल देर रात कुछ -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

अफगान में यूनिवर्सिटी में नहीं पढ़ेंगी लड़कियां : तालिबान

काबुल। तालिबान ने अफगानिस्तान में लड़कियों की यूनिवर्सिटी की पढ़ाई पर पूरी तरह बैन लगा दिया है। तालिबान के हायर एजुकेशन मिनिस्टर नेदा मोहम्मद नदीम ने सभी सरकारी और प्राइवेट यूनिवर्सिटीज को एक लेटर लिखा है। इसमें कहा गया है कि अगला नोटिस जारी किए जाने तक यह नियम लागू रहेगा। इस फैसले को लेकर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने चिंता जताई है। सेक्रेटरी जनरल एंटोनियो गुटेरेस ने बुधवार को कहा कि ये लड़कियों और महिलाओं के मानव अधिकारों का हनन है। वहीं, अमेरिका के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि तालिबान को इंटरनेशनल -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में दो स्कूल बस दुर्घटनाग्रस्त, 15 की मौत, 40 जख्मी

इंफाल। मणिपुर के नोनी जिले में बुधवार को दो स्कूल बस के पलट जाने से 15 छात्रों की मौत हो गई। इस दौरान 40 अन्य घायल भी हुए हैं। दुर्घटना इंफाल से करीब 55 किलोमीटर दूर पहाड़ी जिले के लोंगसाई इलाके के पास ओल्ड कछार रोड पर हुई। जानकारी के मुताबिक, थम्बलनू हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र दो बसों में नोनी जिले के खौपुम के वार्षिक स्कूल अध्ययन दौरे पर गए। जिस बस में छात्राएं सफर कर रही थीं, चालक के नियंत्रण खो देने के बाद वह पलट गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर संभव मदद और सहायता प्रदान की जाएगी। मृतक छात्रों के परिवारों को मुख्यमंत्री राहत कोष से पांच-पांच लाख रुपए दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि आज ओल्ड कछार रोड पर स्कूली बच्चों को ले जा रही एक बस के दुर्घटनाग्रस्त होने के बारे में सुनकर गहरा दुख हुआ। एसडीआरएफ, मेडिकल टीम और विधायक बचाव अभियान के समन्वय के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। घायल छात्रों को इलाज के लिए राज्य की राजधानी ले जाया जा रहा है। इस बीच मणिपुर सरकार के शिक्षा निदेशालय ने कहा कि सुबह के कोहरे-धुंध के कारण स्कूल बस दुर्घटना के मद्देनजर, किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए स्कूलों को 10 जनवरी 2023 तक भ्रमण नहीं करना चाहिए।

Door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

चीन में संभवत: 80 करोड़ कोरोना संक्रमित, सामूहिक अंतिम संस्कार शुरू

बीजिंग। चीन में अगले कुछ महीनों में 80 करोड़ लोग कोरोना संक्रमित हो सकते हैं। लंदन की ग्लोबल हेल्थ इंटेलिजेंस कंपनी एयरफिनिटी ने कहा कि चीन में जीरो कोविड पॉलिसी खत्म होने के बाद 21 लाख मौतें हो सकती हैं। एयरफिनिटी ने इसकी वजह चीन में कम वैक्सीनेशन और एंटीबॉडीज में कमी को बताया है। चीन में संक्रमण के हालात 2020 की याद दिला रहे हैं। अस्पतालों में सभी बेड भरे हुए हैं। मेडिकल स्टोर्स में दवाएं खत्म हो रही हैं। मरीज इलाज के लिए डॉक्टर के सामने गिरगिराते देखे जा सकते हैं। बच्चों को बुखार आ रहा है तो मांएं आलू से उतारने की कोशिश कर रही हैं। बीजिंग के सबसे बड़े -शेष पृष्ठ दो पर

चार्ल्स शोभराज को रिहा करने का आदेश

काठमांडु। नेपाल की सुप्रीम कोर्ट ने फ्रेंच सीरियल किलर चार्ल्स शोभराज को रिहा करने के आदेश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट के जज सपना प्रधान मल्ला और तिल प्रसाद श्रेष्ठ की बेंच ने रिहाई के निर्देश दिए हैं। कोर्ट के आदेश के बाद शोभराज करीब 19 साल बाद जेल से बाहर आएगा। सुप्रीम कोर्ट के प्रवक्ता बिमल पौडेल ने बताया कि शोभराज द्वारा जेल से रिहा होने के लिए याचिका दायर की गई थी, चूंकि वह निर्धारित अवधि से ज्यादा समय -शेष पृष्ठ दो पर

ड्रग्स कारोबार पर केंद्र की जीरो टॉलरेंस की नीति : अमित शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि उनकी सरकार ड्रग्स के कारोबार और उससे होने वाली कमाई को लेकर *जीरो टॉलरेंस* की नीति रखती है। भारत को नशा मुक्त रखने के लिए हम कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई केंद्र और राज्य दोनों की है और इसमें वांछित परिणाम के लिए बहुआयामी प्रयास आवश्यक है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में आज नियम 193 के तहत नशीले पदार्थों के दुरुपयोग पर हुई चर्चा का जवाब दिया। चर्चा की शुरुआत कल लोकसभा में हुई थी। शाह ने कहा कि केंद्र सरकार ने ड्रग्स के कारोबार के नेटवर्क की मैपिंग की है। अपराधी कितना भी बड़ा क्यों न हो अगले दो साल में ऐसी स्थिति आएगी कि वह सलाखों के पीछे होगा। शाह ने कहा कि नशे का कारोबार एक गंभीर समस्या है, जो नई पीढ़ी को बर्बाद कर रहा है। ड्रग्स के कारोबार से होने वाले मुनाफे का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों में किया जा रहा है। सभी राज्य मिलकर इसके -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
कठोर वाणी अग्नि दाह से भी अधिक तीव्र दु:ख पहुंचाती है।
– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

सहमति से संबंध को लेकर कोई विचार नहीं : केंद्र सरकार

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार सहमति से यौन संबंध बनाने की आयु को 18 वर्ष से घटाकर 16 वर्ष किए जाने के किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रही है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने बुधवार को राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में इसकी जानकारी दी। प्रश्न में पूछा गया था कि क्या सरकार किशोरों के बीच सहमति से बने संबंधों के अपराध ठहराए जाने की स्थिति को रोकने के लिए अधिनियम बदलाव के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। इसके उत्तर में कहा गया कि इस -शेष पृष्ठ दो पर

कोरोना : भारत जोड़ो यात्रा को लेकर केंद्र बनाम कांग्रेस

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राहुल गांधी से यात्रा रोकने की अपील की है। इसके लिए कोरोना महामारी बढ़ने का हवाला दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने राहुल को लेटर लिखा है। उन्होंने कहा कि देश में एक बार फिर से कोरोना का खतरा बढ़ता जा रहा है, हेल्थ इमरजेंसी के हालात हैं। देश को बचाने के लिए भारत जोड़ो यात्रा रोक दें। सरकार की अपील पर कांग्रेस ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा से मोदी सरकार बौखलाई हुई है। क्या गुजरात चुनाव में पीएम मोदी मास्क लगाकर गए थे? इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया का भी बयान आया। मंडाविया ने कहा कि किसी खास परिवार के लिए सबको खतरे में नहीं डाला जा सकता। मैं तो सिर्फ स्वास्थ्य मंत्री होने का कर्तव्य निभा रहा हूं। कोई ये सोचता है कि कोई मंत्री उनसे सवाल कैसे कर सकता है तो हम उनकी मानसिकता का क्या कर सकते हैं? इस पर मुझसे सवाल करना मेरे काम में बाधा डालने जैसा है। स्वास्थ्य मंत्री ने राहुल को लिखे लेटर में कहा कि कई सांसदों ने चिंता जाहिर की है कि भारत जोड़ो यात्रा से कोरोना फैल रहा है। अपील की गई कि भारत जोड़ो यात्रा में कोविड गाइडलाइन का सख्ती से पालन हो। यात्रा में जो लोग भी शामिल हो रहे हैं, सभी ने वैक्सीन जरूर लगवाई हो। इतनी बढ़ी यात्रा में कोविड प्रोटोकॉल का पालन करना संभव नहीं है। ऐसे में पब्लिक -शेष पृष्ठ दो पर

बूस्टर डोज लगवाएं और भीड़ वाली जगहों पर मास्क पहनें : डॉ पॉल

नई दिल्ली। दुनिया के कई हिस्सों में कोरोना वायरस के मामलों में अचानक तेजी के मद्देनजर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को देश में कोविड-19 स्थिति की समीक्षा की। बैठक में स्वास्थ्य विभाग, औषध विभाग, जैवप्रौद्योगिकी विभाग और आयुष विभाग के सचिवों के अलावा भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक राजीव बहल, नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वी. के. पॉल और राष्ट्रीय टीकाकरण तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) के अध्यक्ष डॉ. एनके अरोड़ा भी शामिल हुए। नीति आयोग के सदस्य डॉ वीके पॉल ने कहा कि केवल 27-28 फीसदी लोगों ने -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य : मुर्मू

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास के लिए वनों को आवश्यक बताते हुए कहा कि प्रकृति ने हमें भरपूर उपहार दिए हैं और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील व जिम्मेदार बनना हममें से प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। भारतीय वन सेवा (आईएफएस) अधिकारियों को वन क्षेत्र को अवैध गतिविधियों से बचाने में प्रभावी भूमिका निभानी चाहिए। राष्ट्रपति मुर्मू से बुधवार को राष्ट्रपति भवन में भारतीय वन सेवा के प्रोबेशनरों ने मुलाकात की। अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि वन पृथ्वी पर सभी के जीवन के लिए जरूरी है। जंगल दुनिया की कई लुप्तप्राय प्रजातियों का घर हैं। लघु वनोपज हमारे देश में 27 करोड़ से अधिक लोगों की आजीविका के सहायक हैं। वनों का उच्च औषधीय महत्व भी है। उन्होंने कहा कि वन में रहने वाले समुदायों के अधिकारों पर भारत विशेष ध्यान दे रहा है। जनजातीय समुदायों सहित वनवासियों के वनों के साथ सहजीवी संबंध को अब व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है और हमारे विकास विकल्पों में शामिल है। भारतीय वन सेवा के अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे इन समुदायों को जैव-विविधता के संरक्षण और संरक्षण के प्रति उनके अधिकारों व कर्तव्यों के बारे में जागरूक करें। राष्ट्रपति ने कहा कि हम भारत और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जंगल में आग लगने की कई घटनाओं के बारे में सुनते हैं। हमारे सामने न केवल वनों के संरक्षण की, बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने की भी बड़ी चुनौती है। आज हमारे पास शहरी वानिकी, वन जोखिम शमन, डेटा संचालित वन प्रबंधन और जलवायु-स्मार्ट वन अर्थव्यवस्थाओं की नई प्रौद्योगिकियां और अवधारणाएं हैं। राष्ट्रपति ने भारतीय वन सेवा के अधिकारियों से आग्रह किया कि वे भारत के वन संसाधनों के सतत प्रबंधन के लिए नवाचार करें और नए तरीके खोजें। यह स्मरण कराया कि उन्हें हमारे वनों को अवैध गतिविधियों से बचाने में प्रभावी भूमिका निभानी चाहिए, जिसका नकारात्मक आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभाव पड़ता है। राष्ट्रपति ने कहा कि देश के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास के लिए वन आवश्यक हैं। हमें अपने वनों को जीवित और स्वस्थ रखना चाहिए। प्रकृति ने हमें भरपूर उपहार दिए हैं और यह हममें से प्रत्येक का कर्तव्य है कि हम पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार बनें। हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों को पुनर्जीवित प्राकृतिक संसाधनों और स्थायी पारिस्थितिक तंत्र के साथ एक सुंदर देश का उपहार देना होगा।

पांच पुलिसकर्मियों को आजीवन कारावास तो चार को पांच-पांच साल जेल

गाजियाबाद। एटा में 16 साल पहले फर्नीचर कारीगर राजाराम की हत्या कर मुठभेड़ का रूप देने के मामले में दोषी पांच पुलिसकर्मियों को बुधवार को सीबीआई की अदालत ने आजीवन कारावास और 38-38 हजार रुपए अर्थदंड और चार पुलिसकर्मियों को पांच-पांच साल जेल व 11-11 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। एक आरोपी पुलिसकर्मी की मुकदमे की सुनवाई के दौरान मौत हो चुकी है। एटा में 16 साल पहले फर्जी मुठभेड़ में व्यक्ति की हत्या करने के दोषी तत्कालीन थाना प्रभारी पवन सिंह, एसआई पाल सिंह ठेनुआ, सरनाम सिंह, राजेंद्र प्रसाद और जीप चालक मोहकम सिंह को विशेष सीबीआई कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। पांचों पर अदालत ने हत्या के मामले में 33-33 हजार और साक्ष्य मिटाने के मामले में 11-11 हजार रुपए का अर्थदण्ड लगाया है। इसके अलावा चार पुलिसकर्मियों- बलदेव प्रसाद, अजय कुमार, अवधेश रावत और सुमेर सिंह को हत्या के आरोप से बरी कर दिया, लेकिन साक्ष्य मिटाने और झूठी सूचना देने के मामले में 5-5 साल की सजा और 11-11 हजार रुपए का अर्थदण्ड लगाया है। वर्ष 2009 में आरोप पत्र दाखिल होने के बाद 13 साल चली सुनवाई में 202 लोगों की गवाही के बाद साबित हुआ कि सिपाही राजेंद्र ने राजाराम से अपने घर की रसोई में काम कराया था। राजाराम ने मजदूरी के पैसे मांग लिए थे। सिपाही ने मना किया तो राजाराम अड़ गया था। इसी पर सिपाही ने साजिश रच ली। राजाराम पर एक भी केस दर्ज न होने के बावजूद सिढ़पुरा थाने की पुलिस ने उसे लुटेरा बताया। उसका शव परिवारवालों को देने के बजाय खुद ही अज्ञात में दाह संस्कार कर दिया था। सीबीआई के विशेष लोक अभियोजक अनुराग मोदी ने अदालत को बताया कि हाईकोर्ट में दर्ज परिवाद में राजाराम की पत्नी संतोष कुमारी ने बताया था कि उसके पति को थाना सिढ़पुरा जिला एटा के पुलिसकर्मी पवन सिंह, पालसिंह ठेनुवा, अजंट सिंह, सरनाम सिंह और राजेंद्र प्रसाद ने 18 अगस्त 2006 को दोपहर तीन बजे उठा लिया था। उस समय वह पति राजाराम, जेठ शिव प्रकाश, देवर अशोक के साथ अपनी बीमार बहन राजेश्वरी देवी को पहलोई गांव में देखने जा रही थी। उसने बताया कि उसने पति को पुलिस से छुड़ाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिसकर्मियों ने कहा कि पूछताछ के लिए ले जा रहे हैं, अगले दिन छोड़ देंगे। 28 अगस्त 2006 को थाना सिढ़पुरा की पुलिस ने एक लुटेरे की मुठभेड़ में मौत बताई। उसके शव को अज्ञात में जला देने के बाद बताया कि वह राजाराम था। संतोष ने बताया कि वे पहले केस दर्ज कराने के लिए थाने गए तो पुलिस ने भगा दिया। जिला अदालत में प्रार्थना पत्र दिया तो अर्जी खारिज हो गई। इसके बाद वे लोग हाईकोर्ट गए। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सीबीआई जांच के आदेश दिए। 2007 में जांच शुरु कर सीबीआई ने 2009 में सिढ़पुरा के तत्कालीन थाना प्रभारी पवन कुमार सिंह सहित दस पुलिसकर्मियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। सुनवाई के दौरान आरोपी दरोगा अजंट सिंह की मृत्यू हो गई। नौ पुलिसकर्मी हत्या और साक्ष्य मिटाने के दोषी सिद्ध हुए।

नगरपालिका कर्मचारियों की हड़ताल जारी

बजाली (हि.स.)। अखिल असम कर्मचारी संघ के आह्वान पर बजाली जिला के पाठशाला नगरपालिका कर्मचारियों की तीन दिवसीय हड़ताल आज तीसरे दिन भी जारी रही। यह हड़ताल प्रदेश के अन्य नगरपालिका कर्मचारियों के साथ-साथ बजाली जिला के पाठशाला नगरपालिका कर्मचारियों द्वारा की जा रही है। 19 दिसबंर से शुरू हुए नागरिक कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन का आज तीसरा दिन था। नगरपालिका कर्मचारियों को छह महीने से लेकर 37 महीने तक वेतन नहीं मिला है। नगरपालिका कर्मचारी अपनी आठ सूत्री मांगों के समर्थन में राज्य भर में हड़ताल पर हैं।

छह दिवसीय कार्यक्रम के साथ चौथा ढकुआखाना पुस्तक मेला शुरू

लखीमपुर (हि.स.)। युवा पीढ़ी को पुस्तकों में रुचि जगाने और विभिन्न लेखकों की पुस्तकों की ढकुआखाना में उपलब्धता के उद्देश्य से पिछले तीन वर्षों से आयोजित होने वाले ढकुआखाना पुस्तक मेले का आयोजन इस बार छह दिवसीय कार्यक्रम के साथ किया गया है। पुस्तक मेला ढकुआखाना सार्वजनिक मैदान में 21 से 26 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है। बुधवार को कार्यक्रम के अनुसार 10 बजे ध्वजारोहण, रात 10.30 बजे स्मृति तर्पण के बाद सुबह 11 बजे पुस्तक मेला आम लोगों के लिए ढकुआखाना के महापौर राजीव दास ने खोला। इस बीच, सुबह 11.30 बजे असम के पूर्व मंत्री और ढकुआखाना के विधायक नब कुमार दलै चौथे ढकुआखाना पुस्तक मेले का उद्घाटन किया। दोपहर 12 बजे से छात्रों के बीच ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजित की गयी, दोपहर 3 बजे पुस्तक विमोचन बैठक शुरू हुई। ढकुआखाना स्थित कैजेन अकादमी, हारही अकादमी, जातीय स्कूल और हारही हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र रात में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देंगे।

चिराग एनफील्ड ने किया सहयोगियों को सम्मानित

गुवाहाटी। किसी भी संस्थान व कार्यस्थल की नीव उसके सहयोगी व कर्मचारी होते हैं। ऐसे में कर्मचारियों एवं सहयोगीयों को उनके योगदान के लिए चिराग एनफील्ड द्वारा 7वीं वर्षगांठ के मौके पर सम्मानित किया गया। मालीगांव स्थित चिराग एनफील्ड परिसर में वर्षगांठ के मौके पर शोरूम के प्रमुख संजय गुप्ता, गौरव गुप्ता, आदित्य आर्य के अलावा कंपनी की ओर से असम और पूर्वोत्तर के उप प्रबंधक (बिक्री) सुभजीत कुमार, क्षेत्रीय विपणन प्रमुख (पूर्वोत्तर) मधुरज्य प्रोतिम बोरा, सहित शोरूम के सेल्स प्रतिनिधि व कर्मचारी मौजूद थे। इस मौके पर गुप्ता ने कहा कि 7वी वर्षगांठ के मौके पर हम अपने शोरूम तथा सर्विस सेंटर से जुड़े कर्मचारियों को सम्मानित कर उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिनके सहयोग से सात वर्ष का सफर हमने सफलतापूर्वक तय किया। उन्होंने आशा जताई कि आगे भी अपने सेल्स टीम व कर्मचारियों के सहयोग से संस्थान नई ऊंचाई पर पहुंचेगा। उन्होंने अपने सभी ग्राहकों को भी के प्रति भी आभार व्यक्त किया, जिनके विश्वास एवं सलाह से चिराग एनफील्ड ने 7 वर्ष का सफर सफलतापूर्वक तय किया। इस मौके पर सभी योग्य सेल्स एंड सर्विस से जुड़े सहयोगियों को उपहार देकर मान्यता देते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। वर्षगांठ के मौके पर सभी ने सामूहिक रूप से केक काटकर जश्न मनाया। अंत में उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवा देना है। हमारे लिए सभी ग्राहक बराबर हैं ऐसे में ग्राहकों द्वारा मिलने वाले सुझाव पर भी हम तत्काल अमल करते हैं ताकि भविष्य में उन्हें और बेहतर सेवा दी जा सके।

पृष्ठ एक का शेष

5टी प्लान लागू ...

कल्याण मंत्रालय डॉ. अतुल गोयल शामिल थे। विश्वस्त सूत्र से मिली जानकारी के अनुसार, भारत सरकार एक बार फिर देशभर में कोरोना वैक्सीनेशन के अभियान को और तेजी के साथ शुरू करने की रणनीति तैयार कर रही है। वर्तमान में कोरोना वैक्सीन की पहली, दूसरी और तीसरी यानी बूस्टर डोज लगाने का काम किया जा रहा है। 15 साल तक के बच्चों को भी कोरोना वैक्सीन की पहली और दूसरी डोज दी जा रही है। इसके अलावा केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को निर्देशित किया है कि जापान, अमेरिका, कोरिया, ब्राजील और चीन में अचानक मामलों में तेजी के मद्देनजर, सार्स-कोव के माध्यम से वैरिएंट को ट्रैक करने के लिए सकारात्मक मामलों के नमूनों के पूरे जीनोम अनुक्रमण को तैयार करना आवश्यक है। सभी राज्य सरकार जहां तक संभव हो, सभी सकारात्मक मामलों के नमूने दैनिक आधार पर जीनोम सीक्वेंसिंग लेबोरेटरीज को भेजें। इससे देश में चल रहे नए वैरिएंट का समय पर पता लगाने में सक्षम होगी और इसके लिए आवश्यक सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों की सुविधा प्रदान करेगी। सूत्र ने बताया कि केंद्र सरकार कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए फिर से 5टी पर काम शुरू करेगी। इसमें पूरे देश में बड़े पैमाने पर टेस्ट, कोरोना संक्रमितों की ट्रेसिंग, कोरोना पीड़ितों का ट्रीटमेंट, कोरोना के खिलाफ टीम वर्क और कोरोना संक्रमित की ट्रेकिंग और मॉनिटरिंग करने के निर्देश केंद्र सरकार ने राज्यों को दिए हैं। इसके अलावा विदेश से आने वाले लोगों की भी ट्रेसिंग की जाएगी। सरकार तैयारी में जुटी है कि जो भी व्यक्ति कोरोना संक्रमण वाले देशों से भारत आ रहे हैं, उनकी टीकाकरण की रिपोर्ट के साथ-साथ पिछले तीन से चार दिन में कोरोना नेगेटिव होने की रिपोर्ट मांगने पर भी विचार रही है। चीन में जहां कोरोना हाहाकार मचाए हुए है, वहीं एशिया, यूरोप समेत कई देशों में कोरोना के मामले तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। कोरोना के वैश्विक मामलों में बड़ा उछाल रिकॉर्ड किया जा रहा है। 18 दिसंबर को कोरोना के आंकड़ों ने डेढ़ माह के भीतर 55 फीसदी उछाल मारा है। यह आंकड़ा अब 3.3 लाख से बढ़कर 5.1 लाख पहुंच गया है, जो आने वाले समय में दुनिया के लिए बेहद ही चिंताजनक बन सकता है।

अफगान में यूनिवर्सिटी ...

कम्युनिटी का मेंबर नहीं माना जा सकता। बातचीत में अफगानिस्तान की यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करने वाली एक छात्रा ने कहा कि तालिबान ने उस एकमात्र पुल को नष्ट कर दिया, जो मुझे मेरे भविष्य से जोड़ता था। मुझे भरोसा है कि मैं पढ़ाई कर अपनी जिंदगी बदल सकती हूं, लेकिन तालिबान ने मेरी उम्मीदें तोड़ दीं। बता दें कि तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद लड़कियों की शिक्षा पर एक बयान जारी किया था। इसमें कहा गया था कि लड़कों के स्कूल में लड़कियां नहीं पढ़ सकेंगी। उन्हें केवल महिला टीचर या बूढ़े पुरुष ही पढ़ा सकते हैं। तालिबान ने स्कूल में लड़के और लड़कियों के एक साथ बैठने पर भी पाबंदी लगा दी थी। उनकी सेकेंडरी स्कूल की पढ़ाई पर भी बैन लगा दिया गया था। तालिबान ने 3 महीने पहले ही महिलाओं को यूनिवर्सिटी के एंट्रेंस एग्जाम में बैठने की इजाजत दी थी। हजारों युवतियों और महिलाओं ने अफगानिस्तान के कई राज्यों में एग्जाम दिए थे। हालांकि, यूनिवर्सिटी में विषयों के चयन को लेकर तालिबान ने प्रतिबंध लगाए थे। महिलाएं इंजीनियरिंग, इकोनॉमिक्स, साइंस और एग्रीकल्चर जैसे विषय नहीं पढ़ सकती थीं। इंटरनेशनल कम्युनिटी में तालिबान को आतंकी संगठन माना जाता है। दुनिया के कई देश इसे सरकार का दर्जा नहीं देते हैं। तालिबान ने देश में इस्लामी कानून लागू किया हुआ है। महिलाओं पर हिजाब पहनने; पार्क, जिम और स्विमिंग पूल जैसी जगहों पर न जाने जैसे प्रतिबंध लगाए हुए हैं। अब वह लड़कियों की शिक्षा को बैन करना चाहता है।

सेना-पुलिस का ...

को खुफिया जानकारी के आधार पर एक संयुक्त अभियान चलाया गया। इसमें चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। इनके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर अपर दिहिंग रिजर्व फॉरेस्ट (पेंगरी-डिग्बोई मार्ग पर स्थित डेकियाजान) के जंगलों में बुधवार सुबह एक और अभियान शुरू किया गया। इस दौरान असम पुलिस के जवानों के साथ आतंकियों की मुठभेड़ हुई, जिसमें आतंकियों की ओर से की गई फायरिंग में एक आम नागरिक घायल हो गया। बताया जा रहा है कि घायल व्यक्ति को पहले तिनसुकिया के एक अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। बाद में उसे डिब्रूगढ़ रेफर कर दिया गया। सेना और पुलिस का सर्च अभियान अभी जारी है। सूत्रों के मुताबिक घटना की जानकारी मिलने के बाद तिनसुकिया जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पेंगेरी के लिए रवाना हो गए हैं।

सौ रोहिंग्याओं से ...

भारतीय जहाज नाव की ओर आ रहे थे इसलिए हम मदद का इंतजार कर रहे हैं। एशिया पैसिफिक रिफ्यूजी राइट्स नेटवर्क के रोहिंग्या वर्किंग ग्रुप की अध्यक्ष लिलियन फैन ने कहा कि हमें उम्मीद है कि भारतीय नौसेना या तटरक्षक जल्द से जल्द नाव को बचाने का प्रबंध करेंगे। फैन ने कहा कि ये लोग 2 सप्ताह से अधिक समय से बिना भोजन और पानी के एक क्षतिग्रस्त नाव पर भटक रहे हैं। हमने सुना है कि 16 लोग पहले ही मर चुके हैं। हाल ही में श्रीलंका की नौसेना ने सौ से अधिक रोहिंग्या को ले जा रही एक अन्य नाव को बचाया था।

चीन में संभवतः ...

श्मशान में 24 घंटे अंतिम संस्कार हो रहे हैं। सामूहिक अंतिम संस्कार शुरू हो गए हैं और इनकी तस्वीरें भी आ रही हैं। हालांकि कोरोना से मौतों के सरकारी आंकड़े रोजाना 5-10 ही बताए जा रहे हैं। एक्सपर्ट का दावा है कि असल आंकड़ा काफी ज्यादा है। नया वैरिएंट बीए.5.2.1.7 यानी बीएफ.7 भी मिला है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक यह ओमिक्रॉन का सबसे खतरनाक म्यूटेशन है। एक मरीज 18 लोगों को संक्रमित कर रहा है। वर्ल्डमिटर्स.इनफो के डेटा के मुताबिक, एक हफ्ते में दुनिया में कोरोना के 34 लाख 84 हजार मामले सामने आए हैं। वहीं 9 हजार 928 लोगों की मौत हुई है। चीन में 7 दिन में 15 हजार 548 केस और 7 मौतें रिपोर्ट की गई हैं। हालांकि एक्सपर्ट्स को आशंका है कि सही आंकड़ा छुपाया जा रहा है। मरीजों की संख्या कई गुना ज्यादा हो सकती है। जापान, दक्षिण कोरिया और फ्रांस में एक हफ्ते में सबसे ज्यादा केसेस सामने आए हैं। इन देशों में मरीजों की संख्या 10 लाख 65 हजार, 4 लाख 61 हजार और 3 लाख 58 हजार है। भारत में 7 दिन में 1,081 मामले सामने आए हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि चीन में फैल रहा बीएफ.7 ओमिक्रॉन का सबसे शक्तिशाली वैरिएंट है। यह पहले संक्रमित हो चुके लोगों, फुली वैक्सीनेटेड लोगों या दोनों को ही बीमार बना रहा है। ये जल्दी ट्रांसफर होता है और लक्षण भी पुराने कोरोना वैरिएंट्स के मुकाबले जल्दी सामने आ जाते हैं। बीएफ.7 का रिप्रोडक्शन नंबर (आरओ) 10-18.6 है। इसका मतलब कि इससे संक्रमित होने वाला एक मरीज औसतन 10 से 18.6 लोगों को एक बार में इन्फेक्ट करने में सक्षम है। आमतौर पर ओमिक्रॉन वैरिएंट का औसतन आरओ 5.08 पाया गया है। शायद यही वजह है कि चीन में कोरोना केसेस दिनों में नहीं, बल्कि घंटों में दोगुने हो रहे हैं। बीएफ.7 के लक्षणों में सर्दी, खांसी, बुखार, गले में खराश, हरारत, उल्टी और डायरिया शामिल हैं। कमजोर इम्यूनिटी वाले मरीजों के लिए यह घातक साबित हो सकता है। चूंकि चीन में सख्त प्रतिबंधों का पालन किया जा रहा था, इसलिए लोगों में वायरस के खिलाफ इम्यूनिटी मजबूत हो ही नहीं पाई। अमेरिका के इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मैट्रिक्स एंड इवेलुएशन (आईएचएमआई) ने एक हालिया रिपोर्ट में कहा है कि चीन में अप्रैल की शुरुआत में कोरोना का पीक आएगा। उस समय तक मौतों की संख्या 3 लाख 22 हजार तक पहुंचने की आशंका है। वहीं, अमेरिकी साइंटिस्ट एरिक फेगल-डिंग ने चेतावनी देते हुए कहा कि 90 दिन में चीन की 60 फीसदी आबादी यानी करीब 80 करोड़ लोग लोग कोरोना से संक्रमित होंगे। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगले 3 महीनों में कोरोना की 3 लहरें आएंगी। महामारी विशेषज्ञ वू जुनयू की मानें तो अभी चीन में संभावित तीन लहरों में से पहली लहर चल रही है। इसके बाद दूसरी लहर जनवरी माह के बीच आएगी। इस वक्त देश में एक हफ्ते का लूनर ईयर सेलिब्रेशन चलता है, जिससे लाखों लोग देश में आते-जाते हैं। ऐसे में मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है। तीसरी लहर फरवरी के आखिर से मार्च के बीच आ सकती है। इस समय सभी लोग अपनी छुट्टियां मानकर वापस लौटते हैं। ऐसे में ज्यादा लोग इन्फेक्शन रिपोर्ट कर सकते हैं। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में प्रोफेसर और इंटरनेशनल हेल्थ एडवाइजर डॉ. रामशंकर उपाध्याय ने दैनिक भास्कर से बातचीत में बताया कि चीन में अब तक वैक्सीनेशन 38 फीसदी ही हुआ है। 65 की उम्र से अधिक के लोगों में ये 10 फीसदी ही है। जीरो कोविड पॉलिसी के कारण लोगों में कोरोना से लड़ने के लिए इम्यून सिस्टम भी डेवलप नहीं हो पाया। ऐसे में अब लोगों के एक साथ बाहर निकलने के कारण वहां कोरोना विस्फोट तो होना ही था। हालांकि चीन का दावा है कि उसकी 90 फीसदी आबादी फुली वैक्सीनेटेड है।

चार्ल्स शोभराज को ...

तक जेल में बंद था, तो उसी आधार पर जेल से रिहा करने का आदेश दिया गया है। शोभराज चार्ल्स पर दो अमेरिकी पर्यटकों की हत्या करने का आरोप लगा था। जिसके बाद कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी। वह 2003 से नेपाली जेल में बंद है। अदालत ने रिहाई के 15 दिनों के भीतर उनके निर्वासन का भी आदेश दिया है।

ड्रग्स कारोबार पर ...

खिलाफ काम कर सकते हैं। हमें अपनी सीमाओं, पोर्ट्स और एयरपोर्ट पर ड्रग्स के प्रवेश पर रोक लगानी होगी। राजस्व विभाग एनसीबी और एंटी नारकोटिक्स एजेंसी को एक साथ मिलकर काम करना होगा। गृह मंत्री ने कहा कि ड्रग्स का उपयोग करने वालों को लेकर सरकार की नीति बेहद स्पष्ट है। हमारे लिए वे पीड़ित हैं और हमें उनके साथ संवेदनशीलता से व्यवहार करना चाहिए और उन्हें पुनर्वास के लिए अनुकूल वातावरण मुहैया कराना चाहिए लेकिन ड्रग्स के कारोबार में लगे लोगों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। शाह ने कहा कि ड्रग्स की छोटी-छोटी जब्ती को अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। हवाई अड्डे, पोर्ट या छोटी दुकान तक ड्रग्स कैसे पहुंची, इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने खुशी जताई कि राज्यों के सहयोग से ऐसे मामलों की जांच दोगुनी हो गई है। सरकार के प्रयासों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2019 से विभिन्न चरणों में चार स्तरीय एन-कोड समिति की स्थापना की है, जिसमें जिले से लेकर केंद्र तक समन्वय स्थापित किया गया है। जब तक जिला स्तर पर इस विषय की मीमांसा नहीं की जाएगी, तब तक हमारी लड़ाई सफल नहीं होगी। भारत की तरफ से इंटरपोल से आग्रह किया गया है कि नारकोटिक्स और आतंकवाद के गठजोड़ का रियल टाइम इन्फॉर्मेशन का सिस्टम बनाया जाए। इससे विभिन्न देशों के बीच समन्वय बढ़ेगा। एनसीबी के तहत 419 पदों का सृजन किया गया है। हमने 472 जिलों में ड्रग्स मैपिंग कर ड्रग्स की सप्लाई के रूट्स आइडेंटिफाई किए हैं और इसके तहत बड़ी मात्रा में जब्ती भी की गई है। आने वाले दो साल में कितना भी बड़ा अपराधी हो, वो जेल की सलाखों के पीछे होगा। शाह ने कहा कि साल 2006 से 2013 के बीच में 22 लाख 41 हजार किलो ड्रग्स पकड़ी गई जबकि 2014 से 2022 तक 62 लाख 60 हजार किलो ड्रग्स पकड़ी गई। कीमत में देखें तो तब 23 हजार करोड़ रुपए की ड्रग्स पकड़ी गई थी जबकि अब 97 हजार करोड़ की ड्रग्स पकड़ कर जला दी गई है। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर हमने एक लक्ष्य लिया था कि हम 60 दिन में 75 हजार किलो ड्रग्स को जलाएंगे। उन्होंने कहा कि यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि हमने 1 लाख 60 हजार किलो से अधिक ड्रग्स को जलाया है। गृह मंत्री ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकार बढ़ाए जाने पर विपक्ष द्वारा की जा रही राजनीति की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सीमा केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है, इसीलिए बीएसएफ को अधिकार दिए गए हैं। सीमा सुरक्षा बल सीमा से ड्रग्स पकड़ती है लेकिन उसके पास केस दाखिल करने का अधिकार नहीं है। उनका मानना है कि इस मुद्दे का राजनीति करने वाले असल में ड्रग्स के कारोबार को बढ़ावा दे रहे है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियां अधिकारों के बिना काम नहीं कर सकती। उन्हें अधिकार देने होंगे और हम सभी को उन पर विश्वास करना होगा।

कोरोना : भारत जोड़ो ...

हेल्थ इमरजेंसी के हालातों को देखते हुए यात्रा रोक देना ही सही रहेगा। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा से मोदी सरकार बौखलाई हुई है। आम लोगों का ध्यान भटकाने के लिए भाजपा तरह-तरह के सवाल उठा रही है। उन्होंने भाजपा से सवाल किया कि क्या चुनाव के समय पीएम मोदी मास्क लगाकर गुजरात गए थे? वहीं कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि मैंने अभी तक लेटर नहीं देखा है, लेकिन अभी तक तो प्रोटोकॉल को लेकर कोई नियम नहीं आया है। उन्होंने कहा कि मुझे ये नहीं समझ आ रहा है कि अचानक भारत जोड़ो यात्रा पर इतना ध्यान क्यों दिया जा रहा है? उधर टीएमसी सांसद दोला सेन ने कहा कि संसद अभी चल रही है। कोविड प्रोटोकॉल को लेकर कोई सर्कुलर जारी नहीं हुआ है। केंद्र सरकार का यह कर्तव्य नहीं है कि राज्य सरकारों पर हावी हो, बल्कि उनकी जिम्मेदारी जनता के प्रति है। हालांकि, सरकार अपनी जिम्मेदारियों के प्रति हमेशा विफल रही है। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि 21 दिसंबर की सुबह राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा पर उमड़ी भारी भीड़ से मोदी सरकार इतनी घबरा गई है। उनकी तरफ से लेटर लिखने का मतलब है कि भाजपा का मकसद यात्रा को डिस्टर्ब करने का है। उन्होंने आगे कहा कि दो दिन पहले प्रधानमंत्री ने त्रिपुरा में रैली की थी, जहां किसी भी कोविड प्रोटोकॉल की पालना नहीं हुई। कोविड की दूसरी लहर में पीएम ने बंगाल में बड़ी रैलियां की थीं? केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को सबसे पहला लेटर पीएम को लिखना चाहिए था।

बूस्टर डोज लगवाएं ...

एहतियाती खुराक ली है। हम अन्य लोगों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों से अपील करते हैं कि वे एहतियाती खुराक लें। एहतियाती खुराक अनिवार्य है और सभी के लिए निर्देशित है। साथ ही उन्होंने कहा कि भीड़भाड़ वाली जगह पर मास्क जरूर लगाए। उन्होंने कहा कि खासकर अधिक आयु वाले लोग मास्क जरूर पहने। उन्होंने बताया कि देश में कोरोना टेस्टिंग पर्याप्त मात्रा में हो रही है। बीच-बीच मे स्वास्थ्य मंत्रालय निर्णय लेगा कि क्या और कदम उठाए जाने हैं और इशके लिए बैठकें होती रहेंगी। डॉ. पॉल ने बताया कि जोनोमिक सर्विलांस के बाद सितंबर में बीएफ.7 वेरिएंट तीन बार भारत में पाया गया था। उन्होंने कहा कि पैनिक होने की जरूरत नहीं है पर सतर्कता जरूरी है। डॉ. पॉल ने कहा कि अभी देश में 18 साल से ऊपर के केवल 28 फीसदी लोगों को ही बूस्टर डोज लगाया गया है। सभी लोगों को बूस्टर डोज लगवा लेना चाहिए. इसके साथ ही सभी राज्यों को केंद्र सरकार के आदेश का पालन करना होगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने देश में कोविड-19 स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सजग रहने और निगरानी तंत्र मजबूत करने का निर्देश दिया। मांडविया ने एक ट्वीट में कहा कि कुछ देशों में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर विशेषज्ञों और अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की। कोविड अभी खत्म नहीं हुआ है। मैंने सभी संबंधित लोगों को सजग रहने और निगरानी बढ़ाने के लिए कहा है। हम किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। जापान, अमेरिका, कोरिया गणराज्य, ब्राजील और चीन में मामलों में वृद्धि के मद्देनजर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आग्रह किया कि वे कोविड के सकारात्मक नमूनों के पूरे जीनोम अनुक्रमण को उभरते स्वरूपों पर नजर रखने के लिए तैयार करें।

सहमति से संबंध को ...

तरह का कोई प्रश्न ही नहीं उठता। इरानी ने कहा कि भारत सरकार पोस्को अधिनियम 2012 बच्चों को यौन दुरुपयोग और यौन अपराधों के संरक्षण प्रदान करने के लिए पारित किया गया था इस अधिनियम में बालक को 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया गया है पोस्को अधिनियम अपराध की गंभीरता के अनुसार दंड निर्धारित करता है। इस अधिनियम में अपराधियों के मन में भय पैदा करने और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों को रोकने की दृष्टि से बच्चों पर यौन अपराध करने वालों के लिए मृत्युदंड सहित और भी अधिक कठोर दंड का प्रावधान करने के लिए 2019 में संशोधन किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि किसी बालक द्वारा इस अधिनियम के अंतर्गत कोई अपराध किए जाने की स्थिति में, उक्त बालक की सुनवाई किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2000 के प्रावधानों के अंतर्गत की जाएगी। यदि किसी विशेष न्यायालय के समक्ष किसी कार्यवाही के दौरान यह प्रश्न उत्पन्न होता है कि यह व्यक्ति बालक है या नहीं तो इसका निर्धारण विशेष न्यायालय द्वारा उस व्यक्ति आयु के बारे में संतोष कर लेने के पश्चिात किया जाएगा। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम (पीसीएमए), 2006 के तहत पंजीकृत बाल विवाह के मामलों की संख्या में पिछले वर्षों में इजाफा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2019, 2020 एवं 2021 में दर्ज बाल विवाह के मामलों की संख्या क्रमशः 523, 785 एवं 1050 है। उत्तर में कहा गया है कि मामलों की अधिक रिपोर्टिंग बाल विवाह के मामलों की संख्या में वृद्धि को आवश्यक रूप मे नहीं दर्शाती है, किंतु मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) महिला हेल्पलाइन (181) और चाइल्डलाइन (2098) जैसी पहलों और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा कानून के बेहतर प्रवर्तन के कारण नागरिकों में ऐसी घटनाएं सूचित करने की बढ़ती जागरुकता के कारण ऐसा हो सकता है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **षष्ठ अध्याय**

(वैराग्य)

विषय भोग विष जानिये, जग राखन के हेत।
बाढ़त अधिक अज्ञान है, पतन न होहु सचेत॥ 17॥

शब्दार्थ : (विषय भोग) इंद्रिय-सुख (विष) जहर (जग राखन) संसार परंपरा (बाढ़त) बढ़ाव, विशेष (पतन) गिरना (सचेत) सजग, सचेष्ट।

भाष्य : भौतिक इंद्रिय-सुख विषय के समान है। आत्मा इसी विषय-प्रलोभन में पड़कर अनादि काल से त्रिताप दुःख को सहकर अत्यंत कष्ट पा पा रही है इसलिए पुत्रोप्तप्ति संसार-परंपार की रक्षा के लिए इंद्रिय-भोग का व्यवहार करें। अज्ञान एवं मोह के कारण विषयासक्ति से अधिक विषयों का बढ़ाव होता है। आत्मसंयम करके इंद्रिय विषय-सुख का उचित उपयोग होना संभालकर संसार-व्यवहार को चलाना चाहिए। यही उत्तम विवेक और उन्नति का सन्मार्ग है। जो अपनी इंद्रियों को विषय-राग से हटाकर चेतन प्रकाश को ओर ले चलता है, वही संसार या अध्यात्म के महान सुख को प्राप्त करते का अधिकारी होता है।

विषय विकार विलास में, चढ़त विकृत पसार।
अबल हीन नीचे चले, बाढ़ कुबुद्धि कुचाल॥ 18॥

शब्दार्थ : (विलास) सुख (अबल) बलहीन, संयमरहित (कुचाल) कुमार्ग।

भाष्य : इंद्रिय-विषय उपभोग-सुख में विकृति और अधिक बढ़ जाती है, इस कारण विषय-सुख-प्रलोभी नीचे पतन हो चलता है और मोहासक्त होने के कारण बुद्धि में अंधकार हो जाता है। कुविचार एवं कुप्रवृत्ति में जीवन और नीचे जाकर महान अधोगति को प्राप्त हो जाता है।

सिलचर आईएसबीटी से दो पिस्तौल और कारतूस जब्त

कछार (हि.स.)। कछार जिला मुख्यालय शहर सिलचर स्थित आईएसबीटी बस स्टेशन परिसर से बीती देर रात को एक नाइट सुपर बस से दो पिस्तौल और भारी संख्या में जिंदा कारतूस बरामद का गया है। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया है कि धर्मनगर से सिलचर के रामनगर स्थित आईएसबीटी पहुंची बस से दो प्वाइंट 22 बोर की पिस्तौल और जिंदा 40 राउंड कारतूस और कुछ अन्य सामान बरामद किया गया है। बस की 25वीं और 26वीं सीट के नीचे दोनों पिस्तौल और कारतूस को छुपाया गया था, जहां से पुलिस ने उन्हें जब्त कर लिया। ज्ञात हो कि बस के खलासी ने यात्रियों के उतरने के बाद सीट के नीचे संदिग्ध बैग देखा। दो बैग खोलने के बाद दिख कि बैग के अंदर दो पिस्तौल छिपाकर रखी गई है। पिस्तौल देखने के बाद पूरे आईएसबीटी इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पिस्तौल, गोलियों और अन्य सामानों से भरे दो बैग जब्त कर लिया। इस बीच, पुलिस घटना के संबंध में किसी को गिरफ्तार नहीं कर पाई है, लेकिन हथियारों को जब्त कर लिया गया है। वहीं, एक यात्री बस की सीट के नीचे से ऐसे हथियार मिलने से सिलचर में सनसनी फैल गई है। यह अभी भी एक रहस्य का विषय बना हुआ है कि सिलचर में दो पिस्तौल और 40 गोलियां कौन, किस उद्देश्य के लिए लाया था। पुलिस ने इस रहस्य से पर्दा उठाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय में दीक्षांत समारोह आयोजित

गोलाघाट (हि.स.)। गोलाघाट जिला के देरगांव स्थित असम पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय में बुधवार को दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 38 नवनियुक्त नागरिक सुरक्षा और होम गार्ड अधिकारियों ने भाग लिया। इनमें से 29 पुरुष और नौ महिला अधिकारी शामिल हैं। 24 सप्ताह के कठोर बुनियादी प्रशिक्षण से गुजरने के बाद, इन प्रशिक्षुओं को दीक्षांत समारोह के बाद से पूर्ण रूप में नागरिक सुरक्षा और होम गार्ड अधिकारी के रूप में मान्यता दी गई है। दीक्षांत समारोह में नागरिक सुरक्षा और होमगार्ड विभाग के पुलिस महानिरीक्षक अभिजीत बोरा समेत अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

कामरूप जिला सड़क-सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

रंगिया (निसं)। एकीकृत उपायुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में जिला आयुक्त एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति की अध्यक्ष कीर्ति जल्ली की अध्यक्षता में कामरूप जिला सड़क सुरक्षा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य-सचिव एवं उत्तर कामरूप क्षेत्रीय पथ समंडल रंगिया के कार्यवाहक अभियंता दीपक कुमार बैश्य ने गत 20 अक्तूबर को आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए कदमों के किर्यान्वय की प्रगति पर वक्तव्य प्रदान किया साथ ही बैठक में जिले में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या को कम करने के लिए पहले से किए गए उपायों और किए जाने वाले उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने विशेष रूप से आगन्तुक त्यौहारों के मौसम और पिकनिक स्थलों पर दुर्घटनाओं की रोकथाम पर भी चर्चा की गयी। उल्लेखनीय है कि जिला में वर्ष 2021 के जनवरी से नवंबर महीने से वर्ष 2022 में जिले के भीतर सड़क दुर्घटना दर में 7.09 प्रतिशत और मृत्यु दर में 13.14 प्रतिशत की कमी आई है। जिला उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने जिले में इस दर को और अधिक कम करने के लिए संबंधित विभागों को मिलकर काम करने का निर्देश दिया। इसलिए आगामी नववर्ष व त्योहारी सीजन में शराब के नशे में वाहन चलाने से होने वाले हादसों को रोकने के लिए पूरे जिले में निगरानी व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने पर जोर दिया। बैठक में राष्ट्रीय राजपथ के अधिकारियों को राष्ट्रीय राजमार्ग के पहले से चिन्हित दुर्घटना प्रवण क्षेत्रों में विशेष रूप से ब्लैक स्पॉट के रूप में पहचाने गए क्षेत्रों में दुर्घटना रोकथाम के उपाय करने के लिए कहा गया। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग पर पेट्रोलिंग, एंबुलेंस आदि की उपलब्धता को नियमित करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में चांगसारी स्थित भारतीय खाद्य निगम के गोदाम के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी वाहनों की पार्किंग के कारण होने वाली समस्या के समाधान के लिए उचित उपाय करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में बनभोज स्थली में अप्रिय स्थिति को रोकने के लिए उचित कार्रवाई करने के लिए संबंधित क्षेत्रों के राजस्व सर्किल अधिकारियों की देखरेख में बनभोज स्थली के प्रबंधन समितियों के साथ बैठक करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में कामरूप जिला पुलिस अधीक्षक हितेश चंद्र राय, अतिरिक्त उपायुक्त राहुल जाविर सुरेश, ध्रुवज्योति दास, प्रणब दत्त गोस्वामी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आसिफ अहमद, जिला परिवहन अधिकारी रूपज्योति कलिता सहित अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत, दो की हालत गंभीर

रंगिया (निसं)। कामरूप जिले के छयगांव क्षेत्र के अंतर्गत गरै के कान्हारा में कल रात करीब 12 बजे एक भयानक सड़क दुर्घटना हुई। हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्घटना तब हुई जब एक आपासी बाइक (नं-एएस 25 टी 8053) में तीन युवक सोनतली की ओर से गोरोईमारी की तरफ जा रहे थे इसी समय गरै के कान्हारा में बाइक का नियंत्रण खो गया और बाइक दुर्घनाग्रस्त हो गयी। जिसमें बाइक सवार गरै थाना क्षेत्र के सिंघीमारी गांव के साईफुल इस्लाम की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं अन्य दो बाइक सवार गरै आलीकासर के शुकुर अली और बिहापारा के शहीदुल इस्लाम गम्भीर रूप से घायल हो गए। घायलों को गरै सामुदायिक अस्पताल ले जाया गया तथा इसके बाद उन्हें आगे के इलाज के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्रेरण किया गया है। उधर पुलिस द्वारा साईफुल इस्लाम के शव को पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच भेजा गया।

बटद्रवा अभियान को सत्यरंजन ने बताया नाटक

नगांव (निसं)। कट्टर हिंदू नेता सत्यरंजन बोरा आज शाम नगांव नेहरुवाली में चल रहे पुस्तक मेला में उपस्थित हुए। बटद्रवा में चल रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के मामले में वे मिडिया से मुखातिब होते हुए मुख्यमंत्री मंत्री हिमंत विश्वशर्मा को राजनैतिक नाटकीय मंच का नेता करार दिया। उन्होंने कहा कि अवैध मुसलमानों को वैध करने के उद्देश्य से बटद्रवा में अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत राज्य सरकार एक राजनीतिक नाटक कर रही है। क्योंकि हटाए गए मुसलमानों को फिर से बटद्रवा में शरण देने के लिए राज्य सरकार की रवैया राज्य के हित में नहीं है। हिंदू नेता श्रीबोरा ने कहा कि बटद्रवा में अतिक्रमण हटाओ अभियान के पीछे राज्य सरकार के मुखिया हिमंत विश्वशर्मा की एक घोर चाल है, जिससे धींग के विधायक अमीनूल इस्लाम, राज्य सरकार के मंत्री पियुष हाजरिका के साथ ही क्षेत्रिय दल के नेता लुरिन ज्योति गोगोई की भूमिका भी रहस्यजनक है। मुख्यमंत्री स्वार्थ सिद्धि करने के लिए राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने असमिया जाति और भाषा के संदर्भ में कहा कि विधानसभा सभा के सदस्य के बच्चे अंग्रेजी विद्यालय में पढ़ते है, तो वे लोग असमिया भाषा को कैसे सुरक्षित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुसलमान बार-बार आततायियों का समर्थन करते आ रही है। मदरसा तोड़ते हैं और फिर राज्य सरकार उसे बनाती है। बदरुद्दीन अजमल असमिया जाति भाषा को सम्मान करने का नाटकीय रोल अदा करते हैं। लेकिन उनकी दिल की मंसा असम के हित में नहीं है। उन्होंने कोविड महामारी को लेकर कहा कि सरकार विफल होने के समय में ही कोविड महामारी फिर से जन्म ले लेता है।

प्रदेश भाजपा की सांगठनिक सभा

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), असम प्रदेश की पहल के तहत माछखोवा स्थित प्रागज्योतिष सांस्कृतिक परियोजना के सभागार में बुधवार को पार्टी के जिला अध्यक्षों, नगर निगमों, उपाध्यक्षों और पार्षदों की संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई। जिसमें पार्टी के संगठनात्मक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई और पार्टी के भविष्य के कदम पर विस्तार से चर्चा की गई। आज की बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा, महासचिव डॉ. पुरंदेश्वरी, प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता, प्रदेश संगठन महामंत्री फणींद्र नाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री दिप्लू रंजन शर्मा, पुलक गोहाई मौजूद थे। आज की बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने कहा कि नगरपालिका चुनाव वाले क्षेत्रों के लोग मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा किए गए मजबूत काम से आकर्षित हुए और भाजपा द्वारा किए गए उन क्षेत्रों के तेजी से विकास के वादे से आकर्षित होकर पार्टी के उम्मीदवारों को भारी संख्या में मत देकर विजयी बनाया। इसके मद्देनजर प्रदेश अध्यक्ष ने निर्वाचित प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे जनता से किए वादों को मन लगाकर पूरा करें। कलिता ने केंद्र और राज्य सरकारों की जन कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान किया। प्रदेश भाजपा के संगठन महामंत्री फणींद्र नाथ शर्मा ने निर्वाचित पार्षदों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में विकास गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ उन क्षेत्रों में पार्टी संगठन को मजबूत करें।

तेमम की दो दिवसीय क्षितिज कार्यशाला संपन्न

गुवाहाटी (नसं)। आचार्य श्री महाश्रमण की विदुषी शिष्या समणी निर्देशिका मधुर प्रज्ञा व उनकी सह वर्तनी समणी वृंद के सानिध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित तेरापंथ महिला मंडल गुवाहाटी के तत्वावधान में दो दिवसीय क्षितिज कार्यशाला अध्यक्ष मंजू भंसाली की अध्यक्षता में संपादित की गई। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलम सेठिया तथा उनके साथ राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्या सुमन नाहटा, मनीषा बोथरा, असम मेघालय प्रभारी सुचित्रा छाजेड़ उपस्थित थी। इस अवसर पर असम मेघालय से लगभग 15 क्षेत्रों से सदस्याए उपस्थित हुई। प्रथम सत्र का संचालन मंत्री सुशीला मालू ने किया।मंडल की सदस्याओ द्वारा मंगलाचरण किया गया। अध्यक्ष ने अपने स्वागत वक्तव्य में सभी का स्वागत किया।राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा बड़े ही सुंदर तरीके से बताया गया कि कैसे एक औरत असीम संभावना को छूते हुए क्षितिज तक पहुंच सकती है। स्थानीय संघीय संस्थाओं द्वारा अभातेमम की बहनों का स्वागत किया गया। दूसरे चरण में राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा ग्रो ग्रिटीट्यूड पर विचार रखे गए। सुचित्रा छाजेड़ ने प्रमुखाश्री के संदेश का वाचन किया। समणी ने भी अपने मंगल उद्बोधन से सभी का मार्गदर्शन किया। आभार ज्ञापन सह मंत्री ममता दुगड़ द्वारा किया गया। दूसरे सत्र का संचालन संध्या कोठारी ने किया तथा कल आज और कल पर सभी के विचारों का आदान-प्रदान हुआ। तीसरा सत्र खुला मंच था जिस का संचालन संगठन मंत्री विनीता सुराणा ने किया। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष और उनकी टीम ने सभी बहनों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यशाला के दूसरे दिन आई टी ए सेंटर में स्वरांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण की प्रस्तुति दी गई। सुमधुर गायिका अभिलाषा बांठीया ने अपने गीतों से बहुत सुंदर शमां बांधा। सभी अनु दानदाताओं को सम्मानित किया गया। सभी संघीय संस्थाओं व मंडल की सभी बहनों के सहयोग से यह दोदिवसीय कार्यशाला सफल हुई।

शांउतली चाय बागान में कर्मचारियों ने की भूख हड़ताल

गोलाघाट (हि.स.)। गोलाघाट जिला के खुमटाई में शाउताली चाय बागान में कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में भूख हड़ताल की है। मालिकों द्वारा जवाब नहीं दिए जाने पर असम चाय कर्मचारी संघ की गोलाघाट शाखा की पहल पर शाउताली में तीन दिवसीय धरने का आयोजन बुधवार को बागान के कर्मचारियों ने आठ घंटे की भूख हड़ताल शुरू की। कर्मचारियों के भविष्य निधि (पीएफ) का पैसा पूरे वेतन पर नहीं काटने के कारण विरोध प्रदर्शन किया गया। कर्मचारियों के भविष्य निधि की राशि पूरे वेतन की बजाय सिर्फ 15,000 रुपये पर ही कटौती की गई है। कर्मचारियों ने इसका कड़ा विरोध किया है। आज की भूख हड़ताल के बाद भी मालिकों ने उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया। कर्मचारियों ने 27 दिसंबर को 24 घंटे की भूख हड़ताल शुरू करने का ऐलान किया है। कर्मचारियों ने आने वाले दिनों में विरोध प्रदर्शन तेज करने की भी धमकी दी।

रनदिया साहित्य सभा के इस महीने के विशिष्ट अतिथि रहे गोपाल जालान और डिंबेश्वर पाठक

रंगिया (निसं)। रनदिया (शतदल) साहित्य सभा की तरह दूसरी शाखायें भी कार्य करे तो असम साहित्य सभा का खोया हुआ गौरव शीघ्र ही वापस आएगा-यह बात असम साहित्य सभा से जुड़े साहित्यकार तथा सांस्कृतिक कर्मी गोपाल जालान ने सोमवार को पूब रंगिया प्रगति संघ के सभाकक्ष में रनदिया (शतदल) साहित्य सभा के महीने के विशिष्ट अतिथि का आसन ग्रहण करते हुए कही। उन्होंने कहा कि आज उन्हें बड़े ही आनन्द की अनुभूति हो रही है जोकि उन्हें इस कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिला है। रनदिया (शतदल) साहित्य सभा द्वारा महीने के विशिष्ट अतिथि के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में जालान ने थिएटर की हॉलीवुड-प्रसिद्ध पाठशाला में कटाये अपने जीवन के सुनहरे दिनों को याद किया तथा इस मौके पर उन्होंने थिएटर और असमिया चलचित्र जगत के विद्वान व्यक्ति भवेंद्र नाथ शैकिया तथा असमिया फिल्म उद्योग की कई अन्य महान हस्तियों के सानिध्य की बात कही। उन्होंने कहा कि असमिया समाज के लोग प्राय: सरकारी नौकरी की ओर जाना चाहते है यह असमिया जाती के लिए एक दुर्भाग्य की बात है। वर्तमान समय मे छोटा ही क्यों न हो असम के लोगों को व्यवसाय प्रारम्भ कर स्वावलंबी होना चाहिए तथा इसके साथ अन्य दस को संस्थापन की ओर ले जाने से ही समाज आगे बढ़ेगा। कार्यक्रम में अभिभक्त कामरूप जिला साहित्य सभा के पूर्व सहायक सचिव तथा कामरूप (महानगर) जिला साहित्य सभा के पूर्व सचिव डिंबेश्वर पाठक भी आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे तथा इस मौके पर उन्होंने अपने मनोभावों को प्रकट किया। उल्लेखनीय हैकि कार्यक्रम के दौरान जालान ने शाखा को 30 ग्रन्थ उपहार स्वरूप दिये। आयोजित कार्यक्रम का संचालन शाखा के सचिव हेमंत कलिता द्वारा किया गया तथा अध्यक्ष प्रतुल भुइयां ने स्वागत भाषण प्रदान किया। वहीं उपाध्यक्ष जयन्तजीत कलिता ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में महीने के विशिष्ट अतिथि गोपाल जालान और डिंबेश्वर पाठक को शाखा द्वारा फुलाम गामोछा, मानपत्र और मुखपत्र रनदिया से सम्मानित किया गया।

पूसीरे शुरू कर रही जॉयराइड टॉय ट्रेन सेवाओं का परिचालन

गुवाहाटी (विभास)। पूर्वोत्तर सीमा रेल ने क्रिसमस, न्यू ईयर सीजन के दौरान दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) की टॉय ट्रेन सेवा के तहत चार स्पेशल जॉयराइड संचालित करने का निर्णय लिया है। जॉयराइड्स 22 दिसंबर, 2022 से 05 जनवरी, 2023 तक प्रतिदिन दार्जिलिंग और घुम के बीच दोनों दिशाओं से चलेगी। ट्रेन संख्या 02551 (दार्जिलिंग-घुम-दार्जिलिंग) जॉयराइड स्पेशल, दार्जिलिंग से 09:20 बजे रवाना होगी और घुम 10:05 बजे पहुंचेगी। वापसी में, यह ट्रेन घुम से 10:25 बजे रवाना होगी और दार्जिलिंग 10:55 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 02552 (दार्जिलिंग-घुम-दार्जिलिंग) जॉयराइड स्पेशल, दार्जिलिंग से 11:25 बजे रवाना होगी और घुम 12:10 बजे पहुंचेगी। वापसी में, यह ट्रेन घुम से 12:30 बजे रवाना होगी और दार्जिलिंग 13:00 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 02553 (दार्जिलिंग-घुम-दार्जिलिंग) जॉयराइड स्पेशल, दार्जिलिंग से 13:25 बजे रवाना होगी और घुम 14:10 बजे पहुंचेगी। वापसी में, यह ट्रेन घुम से 14:35 बजे रवाना होगी और दार्जिलिंग 15:05 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 02554 (दार्जिलिंग-घुम-दार्जिलिंग) जॉयराइड स्पेशल दार्जिलिंग से 15:30 बजे रवाना होगी और घुम 16:15 बजे पहुंचेगी। वापसी में, यह ट्रेन घुम से 16:35 बजे रवाना होगी और दार्जिलिंग 17:05 बजे पहुंचेगी। सभी जॉयराइड्स स्पेशल 03 फर्स्ट क्लास चेयरकार के संयोजन के साथ चलेंगी। प्रत्येक फर्स्ट क्लास चेयरकार कोच में 30 सीटें होंगी। इसके अलावा, शाम के वक्त पर्यटकों की सुविधा के लिए न्यू जलपाईगुड़ी और सुकना के बीच दोनों दिशाओं से एक स्पेशल डीजल सवारी ट्रेन संख्या 02555 चलायी जाएगी। डीजल स्पेशल ट्रेन संख्या 02555 (न्यू जलपाईगुड़ी-सुकना-न्यू जलपाईगुड़ी) 23 दिसंबर, 2022 से 02 जनवरी, 2023 तक 8 ट्रिपों के लिए शुक्रवार, शनिवार, रविवार और सोमवार को दोनों दिशाओं से चलेगी। ट्रेन संख्या 02555 न्यू जलपाईगुड़ी से 17:00 बजे रवाना होगी और सुकना 18:10 बजे पहुंचेगी। वापसी में, यह ट्रेन सुकना से 18:30 बजे रवाना होगी और न्यू जलपाईगुड़ी 19:35 बजे पहुंचेगी। यह स्पेशल ट्रेन 02 फर्स्ट क्लास चेयरकार के संयोजन के साथ चलेगी। पूसीरे के विभिन्न समाचारपत्रों और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर जानकारी उपलब्ध कराये जा रहे हैं तथा टिकट आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

एसएसबी ने शुरू किया 15 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर

कोकराझाड़ (हि.स.)। कोकराझाड़ जिला के रानीगुली सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 6वीं वाहिनी के दादगीरी स्थित जी समवाय के अंतर्गत भारत-भूटान सीमावर्ती दादगीरी क्षेत्र में जन कल्याण योजना के तहत 15 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ छठी वाहिनी कमांडेंट (पशु चिकित्सा) ई चोबा सिंह के नेतृत्व में बुधवार को किया गया। शिविर में सीमावर्ती क्षेत्रों के 20 ग्रामीण युवतियों एवं महिलाओं को सिलाई तथा बुनाई का प्रशिक्षण समुक्तला विद्यासागर सोसल वेलफेयर सोसाईटी के माध्यम से 21 से 04 जनवरी 2023 तक प्रशिक्षित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में वाहिनी कमाडिंग अधिकारी उप कमांडेंट संजीव कुमार, सहायक कमांडेंट सौरभ कुमार, दादगीरी कम्पनी कमाण्डर अर्पण कोटल, हतिसार के ग्राम प्रधान जितेन्द्र छेत्री, हतिसार एलपी स्कूल के प्रधानाध्यपक, समेत अन्य सम्मानित व्यक्ति, ग्रामीण, बच्चे उपस्थित रहे। संजीव कुमार ने सीमावर्ती क्षेत्रों की युवतियों तथा महिलाओं को अच्छी तरह से सिलाई-बुनाई प्रशिक्षण प्राप्त करने की सलाह दी। साथ ही कौशल विकास से एक सबल और सशक्त नागरिक बनकर देश एवं समाज के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। समूक्तला विद्यासागर सोसल वेलफेयर सोसाईटी के इंचार्ज को प्रशिक्षण आयोजित करने हेतु धन्यवाद दिया और प्रशिक्षण में भाग ले रहे प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं दी। एसएसबी की 6वीं वाहिनी समय-समय पर सीमावर्ती क्षेत्रों में निवासरत युवाओं एवं महिलाओं को इस तरह का व्यावसायिक प्रशिक्षण देती रहती है, ताकि ये लोग रोजगार के लिए तैयार हो सके तथा समाज की मुख्य धारा से जुड़े रहें।

भारत-चीन टकराव के बाद तवांग सेक्टर में बेहतर कनेक्टिविटी के लिए लगेंगे 23 मोबाइल टावर

- पूर्वी लद्दाख में 16 हजार फीट की ऊंचाई पर चोंगटाश में लगाया गया मोबाइल टॉवर
- सेना के साथ ही सीमावर्ती इलाकों के लोगों को भी मिलेगा संचार सेवाओं का फायदा

नई दिल्ली, (हि.स.)। तवांग सेक्टर में भारत और चीन सैनिकों के बीच हुई भिड़ंत के बाद अरुणाचल प्रदेश में एलएसी के पास कनेक्टिविटी में सुधार के लिए सरकार ने और मोबाइल टावर लगाने का फैसला किया है। यहां पर लगाये गए मौजूदा टावर वांछित सेवाएं नहीं दे रहे थे, जिससे न केवल रक्षा बलों, बल्कि सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले नागरिकों के लिए भी समस्याएं पैदा हो रही थीं। इसीलिए कनेक्टिविटी में सुधार के लिए बीएसएनएल और भारती एयरटेल के 23 नए मोबाइल टावर लगाए जाएंगे। भारतीय सेना की त्रिशूल सिग्नलर्स ने दुनिया के सबसे ऊंचे उन्नत लैंडिंग ग्राउंड दौलत बेग ओल्डी में 17,500 फीट पर बीएसएनएल मोबाइल सेवाओं को पहले ही सक्रिय किया है। पूर्वी लद्दाख में 16 हजार फीट की ऊंचाई पर चोंगटाश में सबसे ऊंचे मोबाइल टॉवर को बीएसएनएल और भारतीय सेना के संयुक्त प्रयास में चालू किया गया है। यह इलाका पूर्वी लद्दाख के सबसे दूरस्थ स्थानों में से एक है। इस टॉवर के स्थापित होने से सेना को संचार सेवाएं मिलने के साथ ही लद्दाख की स्थानीय आबादी को भी संचार बुनियादी ढांचे का फायदा मिल रहा है। तवांग सेक्टर के यांग्त्से में 9 दिसंबर को भारत-चीन संघर्ष के बाद

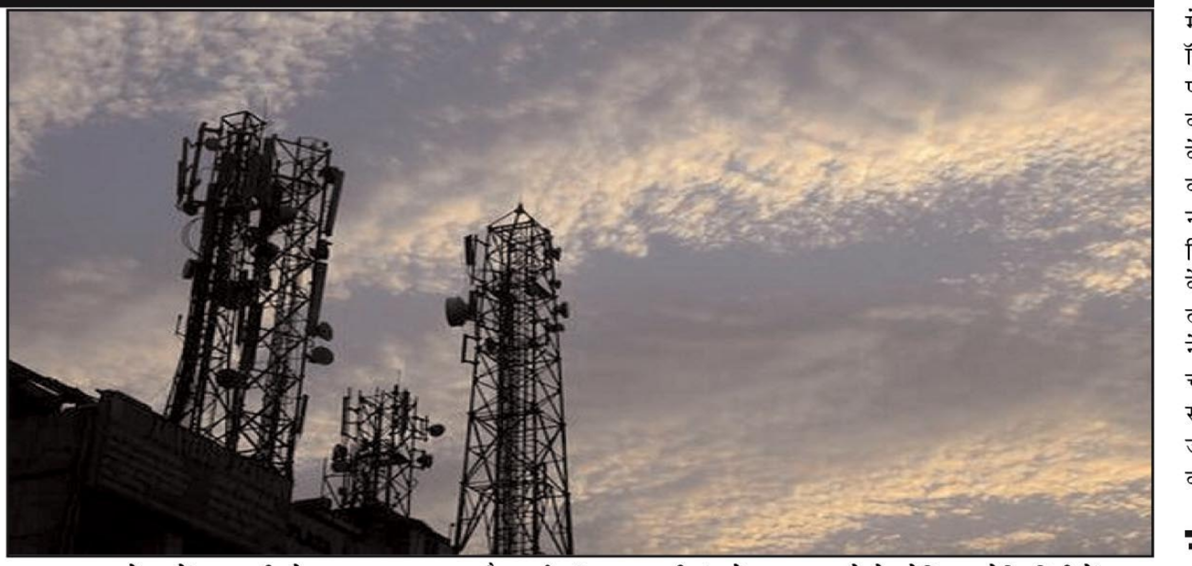

अरुणाचल प्रदेश में एलएसी के पास कनेक्टिविटी में सुधार के लिए सरकार ने और मोबाइल टावर लगाने का फैसला किया है। तवांग के उपायुक्त केएन दामो ने कहा कि मौजूदा टावर वांछित सेवाएं नहीं दे रहे थे, जिससे न केवल रक्षा बलों बल्कि सीमा पर रहने वाले नागरिकों के लिए भी समस्याएं पैदा हो रही थीं। उन्होंने कहा कि पहले सीमावर्ती इलाकों में मोबाइल नेटवर्क नहीं था, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। बुम-ला और वाई-जंक्शन पर भी इंटरनेट सेवा और मोबाइल कनेक्टिविटी उपलब्ध है, लेकिन इसमें और सुधार करने की जरूरत है।

दामो ने कहा कि मोबाइल टावर लगाने में रक्षा क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी, जबकि मागो, चूना और जेमिथांग के पास निलिया जैसे नागरिक क्षेत्रों को भी संचार सेवाओं से जोड़े जाने की योजना है। तवांग के जिला प्रशासन ने 43 नए टावर मांगे थे, लेकिन कनेक्टिविटी में सुधार के लिए बीएसएनएल और भारती एयरटेल के 23 नए मोबाइल टावर लगाए जाएंगे। नए टावर लगाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, लेकिन सर्दी के चलते इस प्रक्रिया में देरी हो सकती है। तवांग जिले के पहाड़ी इलाकों में हिमपात हो रहा है, मुख्यालय पर रविवार रात पहली बार हिमपात होने के बाद तापमान -3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है।

कांग्रेस सांसद के पेगासस का जिक्र करने पर गृहमंत्री ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के सदन में चर्चा के दौरान खुफिया सॉफ्टवेयर पेगासस का जिक्र करने पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सदन में गंभीरता से बहस के लिए आधारहीन बातें नहीं करनी चाहिए और स्वच्छंद आरोप नहीं लगाने चाहिए। लोकसभा में नियम 193 के तहत नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के विषय पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि इसके नियंत्रण के लिए सीमा सुरक्षा को कैसे मजबूत किया जा रहा है? इसी दौरान उन्होंने कहा कि सरकार पेगासस के

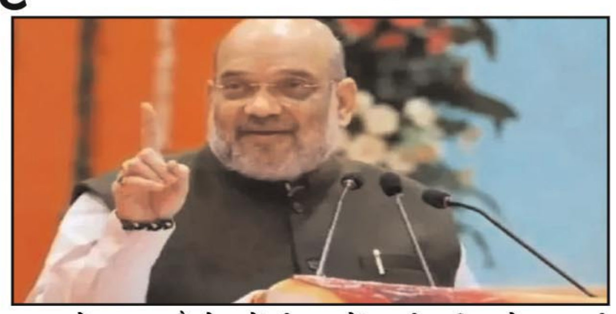

माध्यम से पत्रकार और नेताओं की जासूसी कर रही है, लेकिन ड्रग माफिया पर नियंत्रण के लिए कितना प्रयास कर रही है? यह बताए। गृहमंत्री ने उनकी बात पर आपत्ति जताई और कहा कि सदन में गंभीरता से बहस होनी चाहिए। स्वच्छंद आरोप नहीं लगाने चाहिए। हर सदस्य को केवल वही बातें रखनी चाहिए जो सदन की गरिमा के अनुरूप हो। आगे उन्होंने कहा कि चर्चा से उनकी यह बात हटाई जानी चाहिए। मामले में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि सदस्यों को तथ्यों और प्रमाणों के साथ बात रखनी चाहिए, इससे उनकी स्वयं की मान्यता बढ़ती है।

चीन मुद्दे को लेकर संसद में होनी चाहिए चर्चा : पी. चिदंबरम

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद पी. चिदंबरम ने कहा कि विपक्ष संसद में चीन से जुड़े मुद्दे पर चर्चा चाहता है। बुधवार को संसद परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि चीन आए दिन हमारी सीमा में घुसपैठ करता है। इसे सख्ती से रोका जाना चाहिए। पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम कहा कि विपक्ष यह जानना चाहता है कि चीन से लगी सीमा की सुरक्षा को लेकर हमारी तैयारियों का स्तर क्या है? चीनी सैनिकों के साथ 16 दौर की बातचीत हुई है। इससे क्या हासिल हुआ है? आगे उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने

बीते दिनों बाली में चीनी राष्ट्रपति से क्या बातचीत की थी? उन्हें देश को बताना चाहिए। उल्लेखनीय है कि अरुणाचल प्रदेश में भारत-चीन के बीच सीमा पर उपजे तनाव को लेकर विपक्ष संसद में चर्चा की मांग कर रहा है। इस मुद्दे को लेकर आज संसद भवन परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने विपक्षी सांसदों ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी भी मौजूद रहीं।

गोवा में क्रिसमस-न्यू ईयर मनाने पहुंचे रिकार्ड पर्यटक सारे होटल फुल नहीं मिल रही ठहरने की जगह

पणजी (ईएमएस)। कोरोना महामारी की वजह से टूरिज्म को काफी हद तक नुकसान हुआ लेकिन अब जीवन धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगा है। टूरिज्म को लेकर गोवा से एक अच्छी खबर आई है। गोवा में लोग क्रिसमस और नया साल मनाने के लिए अलग-अलग राज्यों और विदेश से आते हैं लेकिन इस बार की संख्या ने तो सबको चौंका दिया। गोवा का एयरपोर्ट एकदम व्यस्त है क्योंकि विदेशी पर्यटक भी इस साल खूब आ रहे हैं। यह जानकारी गोवा टूरिज्म ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से साझा की है। डाबोलिम में गोवा हवाईअड्डे से रविवार को 101 उड़ानें भरी गईं जो नए साल से पहले ही व्यस्त ट्रैवेलिंग स्पॉट बन गया। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने ट्विटर पर कहा रविवार 18 दिसंबर को गोवा अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर 31965 (16046 आगमन और 15919

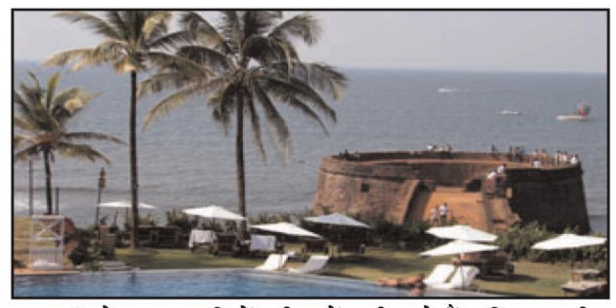

प्रस्थान) के कुल यात्रियों की संख्या के साथ 100 आगमन और 101 प्रस्थान दर्ज किए गए हैं। टूरिज्म एसोसिएशन ऑफ गोवा (टीटीएजी) के सदस्य जैक सुखिजा ने बताया कि। ह्यहम इस साल पर्यटकों की बहुत अच्छी संख्या देख रहे हैं और गोवा में फाइव स्टार होटल में कमरा मिलना बहुत मुश्किल हो गया है यहां तक कि छोटे होटल भी पूरी तरह से बुक है। उन्होंने बताया कि देश के भीतर दिल्ली मुंबई बैंगलोर और अन्य शहरों से अधिक संख्या में पर्यटक हैं। बता दें कि गोवा में क्रिसमस और नए साल के बीच भारी मात्रा में यात्री आते हैं। टूरिज्म का पीक इन्ही के बीच का सप्ताह होता है क्योंकि देश भर से लाखों यात्री राज्य में आते हैं। गोवा की यात्रा करने की इतनी मांग है कि आप इस बात से अंदाजा लगा सकते हैं कि गोवा सरकार को भी दिसंबर के अंत में आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम में मेहमानों के लिए कमरे खोजने में मुश्किल हो रही है। राज्य सरकार का अनुमान है कि इस साल गोवा में 81 लाख से अधिक पर्यटक आएंगे जो महामारी से पहले 2019 में भेजे गए 80 लाख के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ देगा।

सरकार की कोरोना की वजह से देशहित में भारत जोड़ो यात्रा स्थगित करने की अपील

अजय कुमार

नई दिल्ली। भारत ने चीन में हुए कोरोना विस्फोट को गंभीरता से लिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने बुधवार को आपात बैठक बुलाई है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से देशहित में भारत जोड़ो यात्रा स्थगित करने की अपील की है। डॉ. मनसुख मांडविया ने इस संबंध में राहुल गांधी और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को चिट्ठी भी लिखी है। पत्र में यात्रा के दौरान कोरोना के

दिशा-निदेर्शों का पालन करने और सिर्फ वैक्सीनेटेड लोगों को ही शामिल करने का आग्रह किया गया है। डॉ. मांडविया ने कहा है यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि यात्रा में शामिल लोगों को बाद में आइसोलेशन किया जाए। अगर नियमों का पालन करना संभव न हो तो यात्रा को स्थगित कर देना चाहिए।

भारत-चीन सीमा विवाद मुद्दे पर विपक्ष एकजुट, चर्चा की मांग

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत-चीन सीमा विवाद मुद्दे पर विपक्ष एकजुट दिख रहा है। विपक्षी दलों के सांसद कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में बुधवार को संसद भवन परिसर में गांधी प्रतिमा के सामने एकत्र हुए और सदन में इस मुद्दे पर चर्चा की मांग की। इस दौरान खड़गे ने कहा कि चीन पर चर्चा की मांग को लेकर आज समान विचारधारा वाले विपक्षी नेताओं को बुलाया गया है। विपक्ष भारत-चीन मुद्दे पर संसद में चर्चा चाहता है लेकिन सरकार इस मुद्दे पर बात नहीं कर रही। इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने तवांग में भारत-चीन फेसऑफ पर चर्चा की मांग की और केन्द्र सरकार के विरोध में नारेबाजी की। इस दौरान कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि विपक्ष संसद में भारत-चीन सीमा विवाद पर बातचीत की मांग लगातार करता रहा है। इस मुद्दे पर संवाद होना चाहिए। सरकार को देश के सामने सच बताना चाहिए।

देश में कोरोना के नए दिशा-निर्देश संभव

नई दिल्ली, (हि.स.)। चीन, ब्राजील, जापान और अमेरिका में कोरोना संक्रमण के तेजी से हो रहे प्रसार ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। सरकार ने मंगलवार को सभी राज्यों से जीनोम सीक्वेंसिंग पर जोर देने को कहा। बुधवार को इस मसले पर आपात बैठक शुरू हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर मनसुख मांडविया इसकी अध्यक्षता कर रहे हैं। माना जा रहा है कि बैठक में कुछ सख्त दिशा-निर्देश जारी करने का फैसला हो सकता है। केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री डॉ. भारती पवार ने बताया कि बैठक

में मौजूदा स्थिति की समीक्षा के साथ भारत में क्या कदम उठाए जाने की जरूरत है, इस पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि सभी राज्यों को कोरोना की जीनोम सीक्वेंसिंग करने के दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं, जिससे इसके नए वेरियंट का पता लगाया जा सके।

दिल्ली एम्स परिसर में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली एम्स ने अस्पताल परिसर में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। एम्स की तरफ से यह कदम राष्ट्रीय प्लास्टिक अपशिष्ट उत्पादन को कम करने के लिए उठाया गया है। इसके अलावा परिसर को नशीली दवाओं के दुरुपयोग से मुक्त बनाने के लिए एम्स दिल्ली प्रशासन ने स्टाफ सदस्यों और छात्रों को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट के विभिन्न दंडात्मक प्रावधानों के बारे में संवेदनशील बनाने के निर्देश जारी किए हैं। एम्स अस्पताल द्वारा जारी ज्ञापन के अनुसार यदि कोई बाहरी कर्मी या कोई दवाओं की बिक्री करता हुआ पाया जाता है तो सुरक्षा कर्मियों को अपराधी का वीडियो/फोटोग्राफ लेने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही ज्ञापन में कहा गया है कि उसे तुरंत पुलिस को सौंप दिया जाना चाहिए और

भविष्य में एम्स परिसर में प्रवेश करने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए।

इसके साथ ही अस्पताल परिसर में इस गतिविधि में लिप्त पाए जाने वाले किसी भी अनुबंधित कर्मचारी या सुरक्षा कर्मचारी को एम्स पुलिस चौकी को सौंप दिया जाएगा और उसे सेवा से समाप्त कर दिया जाएगा। एम्स नई दिल्ली द्वारा जारी एक ज्ञापन के अनुसार 21.8% की औसत वार्षिक वृद्धि के साथ भारत का प्लास्टिक कचरा उत्पादन साल 2015 के मुकाबले के दोगुने से भी अधिक बढ़ गया है। भारत सालाना 3.5 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करता है। भारत सरकार द्वारा 1 जुलाई 2022 को प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम 2021 के कार्यान्वयन में एकल उपयोग वाली प्लास्टिक (एसयूपी) वस्तुओं के उत्पादन आयात भंडारण बिक्री वितरण और उपयोग पर रोक लगाने की बात कही गई। एकल उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं के उपयोग पर प्रतिबंध लगाकर भारत ने समुद्री प्रदूषण को कम करने के तहत अपनी प्रगति में तेजी लाने का प्रयास किया है।

गांधी पुराने तो मोदी नए भारत के राष्ट्रपिता हैं : अमृता फडणवीस

नागपुर (ईएमएस)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस द्वारा दिए गए बयान ने हमेशा महाराष्ट्र का ध्यान खींचा है। वह अपने कई बयानों के कारण सोशल मीडिया पर ट्रोल भी हो चुकी हैं। लेकिन वो कहती है कि मैं किसी से नहीं डरती साधारण नागरिक मेरी आलोचना नहीं करते। अमृता फडणवीस ने खुलासा किया है कि वह अपने जीवन में किससे सबसे ज्यादा डरती हैं उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि विरोधियों की आलोचना का जवाब देना महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे देश में दो राष्ट्रपिता हैं। दरअसल मंगलवार को नागपुर में अभिरूप कोर्ट लगा. इस दरम्यान अमृता फडणवीस ने कहा कि उन्होंने संघ में मेरी शिकायत की है. उन्होंने कहा मुझे राजनीति पसंद नहीं है। मुझे इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है। इसलिए मैं बहुत कम राजनीतिक मुद्दों पर मत देती हूं। यह मेरे और देवेंद्र जी के लिए अच्छा है। उन्होंने कहा कि हमारे दो राष्ट्रपिता हैं। महात्मा गांधी पुराने भारत के और नरेंद्र मोदी नए भारत के राष्ट्रपिता हैं। अमृता ने मीडिया से बात करते हुए कहा। मैं बहुत शांत और शमीर्ला हुआ करती थी। लेकिन अब मैं अपने मन की बात बेबाकी से कहती हूं। लेकिन लोग किसी और के कंधे पर बंदूक रखकर मेरी बातों का फायदा उठा रहे हैं।

दिल्ली में भूलकर भी ना करें 31 दिसंबर को यह गलती

अजय त्यागी

नई दिल्ली। नए साल के स्वागत के जश्न में 31 दिसंबर की रात लोग डूबे रहते हैं लेकिन इस दौरान ऐसी तस्वीरें भी आती है जिसमें लोग नियमों को तार-तार करते हुए कानून की धज्जियां उड़ा देते हैं। इस बार 31 दिसंबर को लेकर दिल्ली पुलिस द्वारा विशेष तैयारी की गई है जिसमें दिल्ली के भीड़-भाड़ वाले क्षेत्र रेस्टोरेंट मॉल पार्क पब बार से लेकर सड़कों तक दिल्ली पुलिस की तैनाती रहेगी और उपद्रव करने वाले लोगों पर कार्रवाई भी की जाएगी। नए साल के जश्न के दौरान सड़कों से लेकर मॉल रेस्टोरेंट और बार में भी लोगों की भारी भीड़ देखी जाती है। कुछ लोग शराब पीकर इस अवसर पर उपद्रव और कानून का उल्लंघन करते भी नजर आते हैं।

दिल्ली पुलिस ने लोगों को विशेष हिदायत दी है कि शराब पीकर गाड़ी न चलाएं और नशे में किसी भी महिला से बदसलूकी या छेड़छाड़ करने का प्रयास भूलकर भी ना करें। पश्चिमी दिल्ली पुलिस द्वारा ऐसे लोगों के लिए विशेष योजना बनाई की गई है। सड़कों पर शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों को उनके परिजनों के साथ कैब बुक करके घर भेजा जाएगा। इसके साथ ही हर पब बार में एक महिला पुलिसकर्मी की भी तैनाती होगी जिसकी मदद से किसी भी व्यक्ति द्वारा महिला से छेड़छाड़ करने पर उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी। वहीं भीड़-भाड़ इलाके वाले मॉल रेस्टोरेंट बार और पार्कों के आसपास पेट्रोलिंग गतिविधियों को भी बढ़ा दिया जाएगा।

गुरुद्वारा के खिलाफ एसडीएम की नोटिस पर भड़के मनजिंदर सिंह सिरसा

नई दिल्ली (ईएमएस)। रोहिणी एसडीएम ने एक गुरुद्वारा को नोटिस जारी प्रशासन के आदेशों के अनुरूप ही अपनी गतिविधियां संचालित करने को कहा है। इस बात से नाराज बीजेपी नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी हैं। केजरीवाल सरकार के इस फरमान को तुगलकी करार दिया है। साथ ही आरोप लगाया है कि निकाय चुनाव में आम आदमी पार्टी को हराने की वजह से यह फरमान सुनाया गया है। सिरसा ने स्पष्ट लहजे में कहा है कि केजरीवाल चाहे लाख कोशिश कर लें लेकिन यह फैसला लागू नहीं होने देंगे। दरअसल दिल्ली के रोहिणी सेक्टर 21 स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में आने वाली संगतों की संख्या खुलने का समय और शोर प्रतिबंध के संबंध में रोहिणी के एसडीएम शहजाद आलम ने एक आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया है कि गुरुद्वारा साहिब में एक समय में 10 से अधिक व्यक्ति इकट्ठा नहीं होंगे साथ ही शाम को 7:15 से 8:15 बजे तक की सीमित समय सीमा के दौरान माइक के उपयोग के बिना सांगत गुरुद्वारा में जा सकती है। औरतों के लिए 3.30 से 5.30 बजे

तक ही अनुमति दी गई है। एसडीएम के इस फरमान पर अब सियासत शुरू हो मनजिंदर सिंह सिरसा ने एसडीएम शहजाद आलम के इस आदेश तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वे शहजाद आलम यह तय करने वाले कौन होते हैं कि सांगत कब जाएगी और कितने लोग जाएंगे। उन्होंने चेतावनी भर लहजे में कहा कि अब तो यह तय होगा कि शहजाद आलम इस कुर्सी पर रहेंगे की नहीं। उन्होंने कहा कि हमारे लोगों ने आप को हरा दिया जिसकी वजह से केजरीवाल सरकार इस हरकत पर उतर आई है।

दिल्ली मेट्रो में स्मार्ट कार्ड का चक्कर खत्म, अब सीधे बैंक अकाउंट से होगा किराए का भुगतान

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो के मुसाफिरों के सफर को आसान बनाने के लिए डीएमआरसी बड़े बदलाव कर रही है। इसमें अब किराये के भुगतान के लिए लगे आटोमेटिक फेयर क्लेक्शन (एएफसी) गेट के साफ्टवेयर और हार्डवेयर में बदलाव किया जा रहा है। अब इसमें सीधे यात्रियों के बैंक अकाउंट से ही किराया भुगतान की सुविधा का फीचर जोड़ा जा रहा है। इसके अलावा गेट पर क्यूआर कोड लगाए जा रहे हैं जिसे स्कैन करके किराए का भुगतान किया जा सके। इसके अलावा एनसीएमएस (नेशनल कामन मोबिलिटी कार्ड) से भी किराया भुगतान हो सकेगा दरअसल एनसीएमसी कार्ड के तौर पर रुपे डेबिट कार्ड का प्रयोग किया जाता है। अगले साल 2023 में मार्च के अंत तक मेट्रो में मोबाइल फोन और डेबिट कार्ड से भी किराया भुगतान करने की सुविधा शुरू कर दी जाएगी। इसका ट्रायल भी जल्द ही फेज तीन के स्टेशनों पर शुरू हो सकता है। इसके बाद फेज एक औ दो के स्टेशनों पर इसे लागू कर दिया जाएगा। आंकड़ों के मुताबिक

दिल्ली मेट्रो में करीब 70 प्रतिशत यात्री किराये का भुगतान करने के लिए स्मार्ट कार्ड का उपयोग करते हैं जिसे हमेशा रिचार्ज कराना पड़ता है। वहीं अब डेबिट कार्ड और मोबाइल से भुगतान शुरू होते ही स्मार्ट कार्ड से छुटकारा मिल जाएगा। बता दें कि फिलहाल दिल्ली में सिर्फ एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन की मेट्रो में ही एनसीएमसी और क्यूआर कोड से किराये का भुगतान किया जा सकता है। यहां 28 दिसंबर 2020 को यह सुविधा शुरू की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार 2023 के फरवरी में डीएमआरसी ने सभी कॉरिडोर पर एक साथ इस सुविधा को शुरू करने के लिए दो प्राइवेट कंपनियों के साथ कॉन्ट्रैक्ट किया है। इन कंपनियों को स्टेशनों पर लगे एएफसी गेट को अपडेट करने की जिम्मेदारी दी गई है। हालांकि पहले इसी साल दिसंबर के अंत तक एक साथ सभी मेट्रो कॉरिडोर पर यह सुविधा शुरू करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था जो पूरा नहीं हो सका।

चीन से कोरोना की नई आहट मिलते ही सतर्क हुई योगी सरकार

– उत्तर प्रदेश में कोरोना प्रोटोकॉल के साथ संचालित होंगे रैन बसेरे

लखनऊ, (हि.स.)। चीन में कोरोना संक्रमण के बढ़ रहे खतरे के मद्देनजर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार भी सतर्क हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसहारा, निराश्रित और कमजोर वर्ग के असुरक्षित लोगों को बढ़ती ठंड एवं शीतलहर के साथ-साथ कोरोना के संभावित खतरे से बचाव के लिए कोरोना गाइडलाइंस के अनुसार रैन बसेरों का संचालन करने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि रैन बसेरों में साफ-सफाई के साथ कोरोना प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित किया जाए। नियमित सेनेटाइजेशन हो और "दो गज की दूरी" का भी ध्यान रखा जाए। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय निदेशालय की निदेशक नेहा शर्मा की ओर से समस्त नगर आयुक्त एवं अधिशासी अधिकारियों को सर्वोच्च प्राथमिकता के अंतर्गत दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। इन दिशा निदेशों में कोविड प्रोटोकॉल के पालन को अनिवार्य बताया गया है। इसमें कहा गया है कि रैन बसेरों में नियमित रूप से सेनेटाइजेशन की कार्यवाही संचालित की जाए। कोरोना संक्रमण के दृष्टिगत दो गज की दूरी का भी अनुपालन कराया जाए। निदेशों का अनुपालन करते हुए निकाय में संचालित रैन बसेरों का विस्तृत विवरण निदेशालय के गूगल लिंक पर प्रतिदिन उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए हैं ताकि जिलों में संचालित समस्त रैन बसेरों में व्यवस्थाओं की राज्यस्तर पर निगरानी की जा सके। निदेशक नेहा शर्मा ने बताया कि रैन बसेरों में कोरोना प्रोटोकॉल के अनुपालन के निर्देश सामान्य हैं लेकिन चीन में जो कोरोना का आउटब्रेक देखने को मिल रहा है

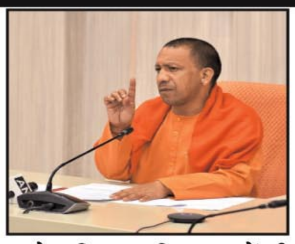

उसके दृष्टिगत एहतियातन हमें भी अब थोड़ा और सतर्क होने की जरूरत है। ये निर्देश सामान्य निदेशों के क्रम में ही थे लेकिन वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए इनका अनुपालन करना आवश्यक और अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि प्रोएक्टिव एक्शन के तहत ये निर्देश जारी किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग से आगे यदि कोई और निर्देश मिलता है तो उसके भी अनुपालन को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाएगा। कोरोना प्रोटोकॉल के अलावा जो दिशा निर्देश जारी किए गए हैं, उनमें कहा गया है कि नगरीय निकायों में सड़क, फुटपाथ एवं अन्य खुले स्थानों पर रात में सोने वाले निराश्रित असहाय एवं कमजोर वर्ग के असुरक्षित व्यक्तियों को राहत पहुंचाने के लिए रैन बसेरों को तत्काल शुरू किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि सार्वजनिक स्थानों सड़क, पटरी, अस्पताल, बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन, मंदिर और सार्वजनिक बाजार इत्यादि में कोई भी असहाय व्यक्ति खुले में न सोए। नगर आयुक्त अपने निकाय में भ्रमण कर यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी अवस्था में कोई भी आश्रयहीन व्यक्ति खुले में न सोए। यदि कोई व्यक्ति खुले में सोया हुआ पाया जाता है तो उसे निकटतम रैन बसेरे में रहने की उचित व्यवस्था प्रदान की जाए। रैन बसेरों में सुविधाएं अच्छी एवं गुणवत्तापूर्ण हों तथा इनमें साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल एवं प्रकाश की व्यवस्था की जाए। महिलाओं एवं पुरुषों के सोने एवं शौचालय की अगल व्यवस्था हो। नगर आयुक्त, एवं अधिशासी अधिकारी व्यापार मंडल, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं बैंकिंग संस्थाओं आदि से समन्वय स्थापित कर निराश्रित एवं कमजोर वर्गों को कंबल वितरण की व्यवस्था कराएं। साथ ही नगरीय क्षेत्रों में अलाव जलाने के लिए सार्वजनिक स्थानों का चिह्नीकरण कर अलाव जलाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। नगर आयुक्तों को ये भी निर्देश है कि वो रात में भ्रमण कर खुले में सोने वाले व्यक्तियों को रैन बसेरों में पहुंचाने की व्यवस्था कराएं, ताकि किसी भी व्यक्ति की खुले में सोने से मृत्यु न हो। साथ ही महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था भी सुनिश्चित कराई जाए।

बीएचयू में छात्रों ने मनाया काला दिवस, निलम्बित छात्रों के समर्थन में हुए लामबंद

–बीएचयू बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले छात्रों ने संकायों में जाकर किया सत्याग्रह

वाराणसी, (हि.स.)। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) परिसर में बुधवार को छात्रों के निलंबन, फीस वृद्धि सहित अन्य मांगो को लेकर काला दिवस मनाया गया। निलम्बित साथियों के समर्थन में बीएचयू बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले जुटे छात्रों ने बांहों पर काली पट्टी बांध विश्वविद्यालय के लंका स्थित सिंह द्वार सहित विभागों, संकायों, संस्थानों में जाकर विरोध जताया।विरोध प्रदर्शन में शामिल छात्रों ने साथी शोध छात्रों के निलंबन समेत अन्य कार्रवाई को गलत ठहरा कर विश्वविद्यालय प्रशासन पर लोकतांत्रिक मूल्यों के दमन का आरोप भी लगाया। लंका गेट पर छात्रों ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहे साथियों का निलंबन न्याय के विपरित है। विरोध प्रदर्श- में शामिल छात्रों ने

कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ साथी कुलपति कार्यालय में ज्ञापन देने गये थे। अनुशासनहीनता का आरोप लगाकर उन्हें निलम्बित कर दिया गया। छात्रों ने कहा कि कैग रिपोर्ट में भी उमंग फामेर्सी के तहत दो करोड़ 44 लाख रुपये का घोटाला हुआ है। 150 रुपये फीस में वृद्धि की गई है। छात्रों ने आरोप लगाया कि कुलपति छात्रों से मिलते ही नहीं है। ऐसे कुलपति जो महामना और विवि के मूल्यों की रक्षा नहीं कर सकते, उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। इसके पहले छात्रों ने निलंबित शोध छात्रों के समर्थन और विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ पर्चे भी बंटवाये थे। छात्रों ने चेताया कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो इसके बाद बड़े आंदोलन की रूपरेखा तय की जाएगी। उल्लेखनीय है कि बीएचयू में 12 दिसम्बर को पांच शोध छात्रों को 14 दिन के लिए निलंबित कर दिया गया था। उन पर आरोप था कि सुरक्षाधिकारियों के साथ धक्कामुक्की कर अनुशासनहीनता की थी। निलम्बित छात्रों में मृत्युंजय तिवारी, पालि और बौद्ध दर्शन में शोध छात्र वैभव कुमार तिवारी, अर्थशास्त्र विभाग के छात्र आशीर्वाद दूबे आदि शामिल हैं।

विद्यार्थी लंबे समय से कर रहे प्रदर्शन, इलाहाबाद विवि बना है संवेदनहीन : कांग्रेस

–इलाहाबाद विवि में फीस वृद्धि को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता अशोक सिंह ने सरकार व विवि प्रशासन को घेरा

लखनऊ, (हि.स.)। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्र 400 प्रतिशत बढ़ी हुई फीस को लेकर लगातार लंबे समय से प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके बावजूद सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेग रही है। यह सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन की संवेदनहीनता का प्रमाण है। ये बातें उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अशोक सिंह ने कही। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में हुए बवाल पर यह बयान दिया है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी के प्रदेश महासचिव विवेकानंद पाठक

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मिलकर उनसे बात कर रहे थे और उनके साथ धरने में शामिल होकर प्रशासन से बढ़ी हुई फीस को वापस लेने हेतु शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे। इसी बीच विश्वविद्यालय में सुरक्षा के नाम पर तैनात गार्ड (आपराधिक प्रवृत्ति) के लोगों ने उन पर जानलेवा हमला किया, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई। आननफानन में पाठक को इलाज हेतु अस्पताल ले जाया गया। इस घटना को लेकर कांग्रेसजनों में रोष है। घटना में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाये। अशोक सिंह ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार एवं केन्द्र की मोदी सरकार से मांग करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में 400 प्रतिशत की फीस वृद्धि को वापस लिया जाये एवं छात्रसंघ को बहाल किया जाये। साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय में तैनात सुरक्षा एजेंसी को तत्काल प्रभाव से ब्लैकलिस्ट करने की मांग की है क्योंकि विश्वविद्यालय में पठन पाठन हेतु छात्र आते है। अतः सुरक्षा की दृष्टि से आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के हाथों में सुरक्षा की जिम्मेदारी देना उचित नहीं है।

शीतलहर को देखते हुए कक्षा आठ तक के स्कूल सुबह 10 बजे से

लखनऊ, (हि.स.)। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सभी बोर्डों के विद्यालयों में कक्षा आठ तक की पढ़ाई सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक होगी। बढ़ती शीतलहर को देखते हुए जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने बुधवार को सभी विद्यालयों के समय में परिवर्तन के आदेश दिए हैं। साथ ही स्कूल प्रबंधकों को आदेश का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि शीतलहर के दृष्टिगत जिले में सभी बोर्डों के कक्षा एक से आठ तक के सभी परिषदीय, सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त विद्यालयों का समय परिवर्तन किया गया है। अब विद्यालयों का समय सुबह दस बजे से दोपहर तीन बजे तक रहेगा। इस आदेश का कढ़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। सभी विद्यालय प्रबंधन और अभिभावक आदेश को सरकारी वेबसाइड पर देख सकते हैं।

सपा विधायक इरफान सोलंकी महाराजगंज जेल भेजे गये, पुलिस से हुई नोकझोंक

कानपुर, (हि.स.)। शासन के आदेश पर बुधवार को कानपुर जेल में बंद सपा विधायक इरफान सोलंकी को महराजगंज जेल भेज दिया गया। कानपुर जेल से जब विधायक बाहर निकले तो उनके हाथ में कुरआन थी। जेल के बाहर मौजूद बच्चों और परिवार को देख उनके आंखों में आंसू आ गये। पुलिस ने किसी से मिलने नहीं दिया। मीडिया की तरफ बढ़ने पर पुलिस ने विधायक को गाड़ी की तरफ चलने के लिए कहा। इस पर विधायक नाराज हो गये और पुलिसकर्मियों से नोकझोंक हो गई। जाजमऊ निवासी विधवा बेबी नाज के प्लॉट पर कब्जा करने की कोशिश व आगजनी, फर्जी आधार कार्ड से हवाई यात्रा और बांग्लादेशी नागरिक रिजवान मोहम्मद को भारतीय बताने का प्रमाण पत्र देने के आरोप में सपा विधायक इरफान सोलंकी कानपुर जेल में बंद थे। मंगलवार को शासन से आदेश आया कि विधायक इरफान को स्थानीय यानी कानपुर की जगह से करीब चार सौ किमी दूर महाराजगंज जेल में

शिफ्ट किया जाये। इसके बाद से जेल प्रशासन तैयारियों में जुट गया और बुधवार को भारी फोर्स के साथ विधायक इरफान को महराजगंज जेल के लिए रवाना कर दिया गया। उनका काफिला गंगा बैराज होते हुए रवाना हुआ। इस दौरान काफिले में भारी फोर्स मौजूद रहा और रास्ते के जनपदों को भी अलर्ट कर दिया कि रास्ते में किसी तरह का व्यवधान न आये।

रो पड़े विधायक – जेल से जैसे ही विधायक बाहर निकले तो उन्होंने सामने मौजूद परिवारीजनों को हाथ हिलाकर अभिवादन किया और उनके आंखों में आंसू छलक पड़े। विधायक के हाथ में एक किताब थी, इस पर मीडिया कर्मियों ने पूछा कि क्या यह कुरआन है तो सिर हिलाकर इशारा किया कि हां। मीडिया की तरफ जैसे ही विधायक बढ़े तो पुलिस कर्मियों ने गाड़ी की तरफ चलने को कह दिया। इससे विधायक नाराज हो गये और कहा कि धक्का क्यों देते हो ? इस पर पुलिस और विधायक के बीच नोकझोंक हो गई। 10 मिनट के अंदर ही पुलिस गाड़ी में इरफान को बैठाकर महाराजगंज के लिए रवाना हो गई। पुलिस के काफिले के अलावा उनके परिवार के कुछ लोग और समर्थक भी महाराजगंज तक साथ गए हैं। पुलिस के काफिले में पांच गाड़िया शामिल की गई हैं।

संतों के नेतृत्व में विहिप ने शुरू किया धर्म रक्षा अभियान

लखनऊ, (हि.स.)। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने साधु-संतों के नेतृत्व में 10 दिवसीय देशव्यापी धर्म रक्षा अभियान शुरू किया है। विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता 21 दिसंबर से 31 दिसंबर तक सम्पूर्ण देश में अभियान चलाकर हिन्दू समाज को धर्मांतरण के खतरे से सावधान करेंगे। यह जानकारी विश्व हिन्दू परिषद पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र संगठन मंत्री गजेन्द्र सिंह ने हिन्दुस्थान समाचार को दी। उन्होंने बताया कि नैमिषारण्य के संतों की टोली नेपाल सीमा पर जाकर थारू जनजाति के बीच हवन-यज्ञ, कथा-प्रवचन व पद यात्राएं करेंगे। इसी प्रकार अयोध्या के आस-पास अयोध्या के संत शोभा यात्राएं, गोष्ठियाँ व प्रभात

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

फेरियों के माध्यम से धर्मजागरण करेंगे। विहिप के क्षेत्र संगठन मंत्री ने बताया कि स्वामी श्रद्धानन्द ने बड़े पैमाने पर घर-वापसी कराई थी। इसलिए 23 दिसंबर को स्वामी श्रद्धानंद जी के बलिदान दिवस को केंद्र में रखकर स्वधर्म में वापसी के अभियान परावर्तन को तेज किया जायेगा। गजेन्द्र सिंह ने बताया कि अभी तक 62 लाख हिन्दुओं को विश्व हिन्दू परिषद ने धर्मांतरण से बचाया है तथा नौ लाख को ससम्मान स्वधर्म में वापस लाकर उनका परावर्तन कराया है। लगभग 20 लाख गौवंश को काटने से तो वहीं 25 हजार बेटियों को लव जिहाद के चंगुल में फँसने से बचाया। उन्होंने कहा कि विहिप की स्थापना के दूसरे ही वर्ष में यानि 1966 के प्रथम विश्व हिन्दू सम्मेलन में 12 देशों के एक लाख से अधिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुई परावर्तन यानि स्वधर्म में वापसी की उद्घोषणा तथा उसके तीन वर्ष बाद ही 1969 में पू. जगद्गुरुओं द्वारा हिंदवारू सोदरा सर्वे, न हिन्दू पतितो भवेत की घोषणा ने समाज में नव ऊर्जा का संचार किया।

सोनभद्र में मालगाड़ी के दो इंजन और एक बोगी पटरी से उतरे

सोनभद्र, (हि.स.)। चोपन-गढ़वा रेल रूट पर दुद्धी रेलवे स्टेशन के पास बुधवार को अप लाइन पर रेनुकूट जा रही मालगाड़ी के दो इंजन व एक बोगी पटरी से उतर गए। मालगाड़ी के डिरेल होने की सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारियों में हड़कंप मच गया। गढ़वा रोड से 58 बोगी की मालगाड़ी रेनुकूट के लिए निकली थी। बुधवार सुबह 05 बजकर 55 मिनट पर दुद्धी नगर स्टेशन के पूर्वी होम पर पहुंची ही थी कि मालगाड़ी के दो इंजन व एक बोगी पटरी से उतर गए। स्टेशन के करीब व ट्रैक पर मोड़ होने के कारण ट्रेन की रफ्तार कम थी। इस कारण बड़ा हादसा टल गया। चालक और गार्ड डिरेल इंजन से नीचे की स्थिति देखकर घटना की जानकारी तत्काल कंट्रोल रूम को दिया। रेल बेपटरी होने की सूचना मिलते ही अधिकारी मौके पर पहुंचे। रेलवे अफसरों का कहना है कि स्टेशन के पूर्वी होम में ट्रेन डिरेल होने से ट्रैक का संचालन बाधित हो गया। मालगाड़ी के पीछे से इंजन बुलाकर महुली स्टेशन पर खड़ा कराया गया है। कार्य तेजी से किया जा रहा है। जल्द की गाड़ियों के संचालन के लिए रूट बहाल कर दिया जाएगा।

आखिर सड़क पर आने से क्यों रोके जा रहे लाखों युवा : भानु प्रताप

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन बुधवार को नियोजन नीति को लेकर विपक्षी विधायकों ने जमकर हंगामा किया। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा विधायक भानु प्रताप शाही ने कहा कि सूचना मिली है कि लाखों युवाओं को रोका जा रहा है। थानों में रोका जा रहा है। सड़क पर आने नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसा क्या हो गया है, जिसकी वजह से युवाओं को रोका जा रहा है। भानु प्रताप शाही ने कहा कि हमलोग सदन में सड़क-नाली पर चर्चा के लिए यहां आए नहीं हैं। युवा सड़क पर है। सरकार बताए कि राज्य में कौन सी नियोजन नीति लागू है। उन्होंने मांग किया कि सदन में नियोजन नीति पर चर्चा हो। भानु प्रताप ने आरोप लगाया कि विधि विभाग की आपत्ति के बाद भी जानबूझकर ऐसी नीति बनाई जा रही है। स-

रकार युवाओं से खिलवाड़ कर रही है। इसपर सूचना के माध्यम से ही सत्ता पक्ष के विधायक प्रदीप यादव ने भाजपा पर झारखंड विरोधी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह वक्त झारखंड के युवाओं के हितों की रक्षा की बात करने का है। मंगलवार को इसी संदर्भ में सभी पार्टियों के लोग राजभवन गए थे लेकिन भाजपा नहीं गयी जबकि पहले भाजपा की सहमति थी। प्रदीप यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा झारखंड को बेपटरी पर लाना चाहती है। युवाओं को भटका रही है। इस बीच नियोजन नीति, नौकरी और युवाओं के मुद्दे पर सदन में हंगामा जारी रहा। वेल में भाजपा के विधायक प्रदर्शन कर रहे। स्पीकर के आग्रह के बावजूद नारेबाजी जारी रही। प्रदीप यादव के बाद सूचना के माध्यम से भाजपा विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि सरकार सिर्फ राजनीति कर रही है। राजभवन जाने में भाजपा ने कोई सहमति नहीं दी थी। यह कहना सही नहीं है कि हमने सहमति दी थी। प्रदीप यादव ने कहा कि भाजपा के लोग हंगामा कर रहे हैं जबकि इनके द्वारा बनाई गई दो-दो नियोजन नीति रद्द हो चुकी है। ये लोग युवाओं का भविष्य सिर्फ झारखंड में ही नहीं पूरे देश में बर्बाद कर चुके हैं। ये लोग घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। झामुमो विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने आरोप लगाया कि नियुक्ति नीति के खिलाफ कोर्ट जाने वाला पिटीशनर रमेश हांसदा भाजपा के सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग झारखंड के युवाओं का हित नहीं देखना चाहते हैं। ये लोग सिर्फ राजनीति करते हैं।

स्थानीय नीति को सरकार के ही विधि विभाग ने किया खारिज, नहीं हो सकता लागू : अमित मंडल

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन बुधवार को भाजपा विधायक अमित मंडल ने 1932 आधारित स्थानीय नीति पर सवाल उठाया। उन्होंने विधि विभाग का हवाला देते हुए कहा कि राज्य में 1932 आधारित स्थानीय और नियोजन नीति लागू नहीं हो सकती। विधि विभाग ने साफ कहा है कि राज्य में तृतीय और चतुर्थ वर्ग की नियुक्ति में 1932 का खतियान लागू नहीं हो सकता। ऐसे में मुख्यमंत्री कैसे खातियानी जोहर यात्रा के क्रम में यह कह रहे हैं कि राज्य में 1932 का खतियान लागू है। वे कैसे जनता को दिग्भ्रमित करनेवाला बयान दे रहे हैं।

संसदीय कार्य मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि पिछले सत्र में 1932 आधारित स्थानीय नीति विधेयक पारित कर राज्यपाल से अनुमोदन के लिए भेजा गया है। इस मामले को लेकर सोमवार को सम्पन्न कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में भी मुख्यमंत्री ने सभी दलों से आग्रह किया था कि राज्यपाल से मिलकर जल्द इसपर सहमति देने का आग्रह किया जाय। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मंगलवार को भाजपा को छोड़ अन्य सभी दलों से राज्यपाल से मिलकर इस विधेयक पर जल्द सहमति देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जल्द ही इसका परिणाम आएगा। स्पीकर ने कहा कि विधि विभाग ने क्या टिप्पणी की है इसको देखकर सरकार सदन को सूचित करें।

आजाद हिंद फौज के लेफ्टिनेंट बाणेश्वर राय के परिवार को मिले सरकारी सुविधा : संजय सेठ

रांची, (हि.स.)। आजाद हिंद फौज के लेफ्टिनेंट रहे रांची के बाणेश्वर राय के परिवार सरकारी सुविधाएं मुहैया कराने से संबंधित मामला सदन में सांसद संजय सेठ ने नियम 377 के तहत रखा। सांसद ने कहा कि ऐसे महान व्यक्तित्व को अब तक की सरकारों ने सम्मान नहीं दिया। लेफ्टिनेंट बाणेश्वर राय ने आजाद हिंद फौज की इंटेलिजेंस विंग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सांसद ने कहा कि ऐसे समर्पित और बलिदानी देशभक्त का परिवार सरकारी सुविधाओं से वंचित है। ना ही उन्हें जमीन मिली है, ना ही किसी प्रकार की कोई राशि। आज उनके परिवार के पास रहने तक के लिए घर नहीं है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजादी के इतने साल बाद भी उन्हें सरकारी सुविधा नहीं दी गई। सांसद ने आग्रह किया कि आजादी की लड़ाई लड़ने वाले भारत मां के ऐसे सपूत को न्याय दिया जाए। आजादी के अमृत काल में ऐसे सभी स्वतंत्रता सेनानियों और वीरों का डेटाबेस तैयार हो। भारत सरकार उनकी समीक्षा कर, उन्हें सभी प्रकार की सुविधाएं मुहैया कराए।

देश में सबसे कम शराब जनित मौत बिहार में : नीतीश

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार दोपहर पटना सीटी ओपी साह सामुदायिक भवन सहित प्रकाश पुंज पर्यटक केंद्र में प्रदर्शों का लोकार्पण किया। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि देश में सबसे कम शराब जनित मौतें बिहार में होती हैं। हम हम जांच करा रहे हैं कि कौन लोग हैं जो यहां शराबबंदी का उल्लंघन करा रहे हैं। सीएम ने कहा कि सरकार लोगों को सुझाव दे रहे हैं कि ऐसा नहीं करना चाहिए। साथ ही शराब बेचने वाले तस्करों से ही मारे गए लोगों को मुआवजा देने का प्रावधान हमने बना रखा है। शराबबंदी मुद्दे पर विधानपरिषद सभागार में भाजपा के धरना देने पर आश्चर्य जताते हुए कहा कि वे जब सरकार में शामिल थे तब तक क्या राज्य में शराब पीने से लोगों की मौत नहीं हुई थी। चार से साढ़े चार महीने पहले भाजपा भी हमारे साथ सरकार में थी। तब ऐसी मौतों पर कुछ नहीं कर रहे थे। आज अलग हो गए हैं धरना दे रहे हैं। सीएम ने कहा कि शराबबंदी के मुद्दे पर विपक्ष का हंगामा अनुचित है। शराबबंदी राज्य में सबकी सहमति से लागू हुआ है। कोई गलत और गंदा शराब पीकर मरता है तो यह लोगों के बीच प्रसारित कराने के विषय है कि अगर इस तरीके से पिएंगे

तो मरेंगे। उन्होंने कहा कि देश के कौन से हिस्से में शराब पीकर लोगों की मौत नहीं होती है लेकिन बिहार में हुई मौतों के बाद यहां मानवाधिकार आयोग की टीम भेजने का कोई मतलब नहीं है। मानवाधिकार टीम की जांच को लेकर कहा कि उनको जरा संविधान को जानने की जरूरत है। हर चीज को अच्छे से समझने की जरूरत है उनको यह समझना चाहिए कि यह जो शराबबंदी कानून लागू है वो किसका अधिकार है। इसको लेकर संविधान में सबकुछ साफ है। यदि जांच की टीम यहां आयी है तो उसको अन्य राज्यों में भी जाना चाहिए। सीएम ने कहा कि उनको तो यह देखना चाहिए कि अन्य राज्यों की तुलना में यहां सबसे कम मौत हुई है। हमलोग तो खुद इस घटना की जांच कर रहे हैं। इसको लेकर लोगों को सुझाव देने का नहीं काम किया जा रहा है। सीएम ने केंद्र द्वारा कोरोना पर हाई लेवल मीटिंग के एक सवाल के जवाब में कहा कि देश में सबसे ज्यादा कोरोना की टेस्टिंग बिहार में हो रही है। हमारे यहां तो केवल तीन लोगों ही बीते सप्ताह में पॉजिटिव मिले थे। अब तो आंकड़ा शून्य हो रहा है। हालांकि, नीतीश ने सीधे नहीं लेकिन तंज कसते हुए कहा कि देश में कांग्रेस की भारत जोड़ो रैली से भाजपा घबराहट में आ गई है।

मोतिहारी में 24 दिसम्बर को आयोजित होगा सांस्कृतिक सम्मान समारोह

–समर्पित कलाकारों को दी जायेगी सम्मानार्थ राशि और प्रशस्ति-पत्र

मोतिहारी, (हि.स.)। आजादी का अमृत महोत्सव में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत यहां सम्पन्न हुए कार्यक्रम में देशभक्ति नाटक व गीत-संगीत के प्रतिभागी कलाकारों को सम्मानित करने के लिए सांस्कृतिक सम्मान समारोह का आयोजन किया जायेगा। उक्त जानकारी देते समारोह के संयोजक धर्मेंद्र कुमार मिश्र ने बुधवार को बताया कि अगामी 24 दिसम्बर को पूर्वाह्न 1 बजे मोतिहारी शहर के अगरवा स्थित ज्ञानसागर पब्लिक स्कूल के सभागार में कार्यक्रम आयोजित किये जायेंग। उन्होंने बताया कि इस दौरान भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के पूर्व क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (इजेडसीसी), कोलकाता के बोर्ड

MINISTRY OF CULTURE • GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते
संस्कृति मंत्रालय • भारत सरकार

ऑफ गवर्नर्स में बिहार से नामित सदस्य एवं प्रसिद्ध रंगकर्मी प्रसाद रत्नेश्वर रंगमंच एवं गीत-संगीत के समर्पित कलाकारों को सम्मानित करेगे।जिसमे चयनित सभी कलाकारों को इजेडसीसी की ओर से देय सम्मानार्थ राशि और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जायेगा।

संपादकीय

कांग्रेस में बदजुबानी की होड़ क्यों?

भारतीय राजनीति में बदजुबानी और अभद्र भाषा का बढ़ता प्रयोग चिंताजनक है? यह चिंता इसलिए भी अधिक है क्योंकि अभद्र भाषा का उपयोग वरिष्ठ नेताओं की ओर से हो रहा है। जब बड़े नेता ही गलत आचरण प्रस्तुत करेंगे तब छोटे कार्यकर्ताओं का आचरण कैसा होगा, सहज ही इसकी कल्पना की जा सकती है। कांग्रेस के नेताओं में तो अभद्र भाषा बोलने की होड़ लगी है। मानो वे किसी को खुश करना चाहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बहुत ही कम अंतराल में एक बार फिर अपनी अभद्र भाषा से विवाद खड़ा कर दिया है। कांग्रेस के अध्यक्ष खरगे को यह समझ लेना चाहिए कि उनके पास कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी किसी नेता को खुश करने के लिए नहीं बल्कि पार्टी को मजबूत करने के लिए आई है। अगर अपने नेता की तरह उन्हें भी लगता है कि कर्कश, कठोर और अपमानजनक भाषा में विपक्षी दलों पर हमला बोलने से पार्टी का जनाधार बढ़ेगा, पार्टी मजबूत होगी और खोयी हुई राजनीतिक जमीन प्राप्त होगी, तो यह भ्रम के अतिरिक्त कुछ नहीं। कांग्रेस चाहे तो सर्वेक्षण कराकर समाज की प्रतिक्रिया प्राप्त कर सकती है कि इस बदजुबानी से उसे लाभ हो रहा है या नुकसान। कांग्रेस अध्यक्ष का बयान केवल अभद्र भाषा का ही मसला नहीं है बल्कि राजनीतिक कपट का मामला भी है। कांग्रेस का यह कहना कि उनके नेताओं ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपनी जान दी, यह राजनीतिक क्षुद्रता से भरी हुई और राजनीतिक लाभ उठाने की दृष्टि से की जानेवाली बात है। एक बात सबको समझ लेनी चाहिए कि स्वतंत्रता के आंदोलन में हिस्सा लेनेवाले लोग सबके महापुरुष हैं। उन पर किसी एक राजनीतिक दल का एकाधिकार नहीं हो सकता। कांग्रेस अपनी संकीर्ण सोच से उन सब आम नागरिकों को भी कठघरे में खड़ा करती है, जिनका किसी राजनीतिक दल से संबंध नहीं है। तब क्या स्वतंत्रता के लिए आहूति देनेवालों से आम भारतीयों का कोई संबंध नहीं है? क्या स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करनेवाले महापुरुष सभी भारतीय नागरिकों के पुरखे नहीं हैं? आज के नेताओं को कांग्रेस का ही संपूर्ण इतिहास ठीक प्रकार से पढ़ना चाहिए। कांग्रेस का स्वरूप अलग-अलग समय में अलग-अलग रहा है। आज की कांग्रेस, पूर्व की कांग्रेस से सर्वथा भिन्न है। अपने राजनीतिक लाभ के लिए, वर्तमान कांग्रेस के नेता 1920 के बाद की कांग्रेस से अपना संबंध जोड़ते हैं लेकिन उस कांग्रेस का नाम लेने से भी बचते हैं जिसकी स्थापना एक अंग्रेज अफसर ने की और बाद में भी अंग्रेज जिसके अध्यक्ष रहे। क्या आज के कांग्रेसी इस बात का स्पष्टीकरण दे सकते हैं कि अंग्रेज अधिकारियों की अध्यक्षता में कांग्रेस किससे, किसकी और किस तरह की स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ रही थी? आज जब बात निकलती है तो फिर इतिहास में बहुत दूर तक जाती है। अब पहले की तरह कांग्रेस का एकाधिकार नहीं रहा कि वह जो बोलती थी, उसके समर्थक बुद्धिजीवी वैसा ही लिखकर समाज का मानस बना देते थे। अब सत्य को रखनेवाले स्वतंत्र लोग खड़े हो गए हैं। जैसे पिछले दिनों कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने स्वातंत्र्यवीर सावरकर के एक पत्र की भाषा-शैली को आधार बनाकर उनका अपमान करने का प्रयास किया, तब महात्मा गांधी से लेकर उस समय के अन्य महापुरुषों के पत्र सामने आ गए, जिनमें ठीक वही भाषा-शैली थी, जैसी कि वीर सावरकर के पत्र में थी। उसके बाद या तो कांग्रेसी नेता दाएं-बांए देखने लगे या फिर अभद्रता से कुतर्क करने लगे, जोकि इस समय कांग्रेस की पहचान बनती जा रही है। बहरहाल, स्वाधीनता के अमृत महोत्सव के कारण देश में इतनी जागृति तो आ ही गई है कि भारत की स्वतंत्रता के लिए किसी एक खास समूह ने संघर्ष नहीं किया अपितु यह समूचे देश का साझा संघर्ष था। इसलिए जो लोग भी केवल कुछ लोगों के बलिदान को ही सबसे बड़ा योगदान बताते हैं, वे लाखों स्वतंत्रता सेनानियों एवं क्रांतिकारियों के संघर्ष, योगदान और बलिदान की अवमानना करने का महापाप करते हैं।

> कांग्रेस चाहे तो सर्वेक्षण कराकर समाज की प्रतिक्रिया प्राप्त कर सकती है कि इस बदजुबानी से उसे लाभ हो रहा है या नुकसान। कांग्रेस अध्यक्ष का बयान केवल अभद्र भाषा का ही मसला नहीं है बल्कि राजनीतिक कपट का मामला भी है। कांग्रेस का यह कहना कि उनके नेताओं ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपनी जान दी, यह राजनीतिक क्षुद्रता से भरी हुई और राजनीतिक लाभ उठाने की दृष्टि से की जानेवाली बात है। एक बात सबको समझ लेनी चाहिए कि स्वतंत्रता के आंदोलन में हिस्सा लेनेवाले लोग सबके महापुरुष हैं। उन पर किसी एक राजनीतिक दल का एकाधिकार नहीं हो सकता। कांग्रेस अपनी संकीर्ण सोच से उन सब आम नागरिकों को भी कठघरे में खड़ा करती है, जिनका किसी राजनीतिक दल से संबंध नहीं है।

कुछ अलग

दायित्व के नए दायरे

सुशासन की पहली निशानी काम पर प्रशासन यानी दायित्व के दायरे में सरकारी मशीनरी अपनी पूरी क्षमता से काम करे, तो सत्ता के प्रयत्न कारगर सिद्ध होंगे। हिमाचल की नई सरकार को हम दिल्ली के दरबार में देखें या राहुल गांधी की भारत यात्रा में कदम ताल करते महसूस करें, लेकिन प्रदेश का घटनाक्रम बता रहा है कि बतौर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू ने अपने निर्देशों की परिपाटी सजा दी है। पद-पदक से हटकर और स्थानांतरण के दबाव को दरकिनार करके मुख्यमंत्री ने प्रशासन के व्यावहारिक पक्ष को अलंकृत करने का खाका बनाया है, वरना सरकार दिल्ली में और एतबार हिमाचल में कैसे पैदा होता। सबसे पहले सीमेंट संकट के हमले के बीच सरकार के प्रयास असरदार न होते। मुख्य सचिव के नेतृत्व में दोनों बंद उद्योगों के साथ सीधी, स्पष्ट और दो टूक बात न होती। यहां बिलासपुर व सोलन के जिलाधीश भी सीमेंट के हर पहलू पर नजर रखते हुए दिखाई दे रहे हैं। पहली बार सरकार अपने इरादों और मकसद को रेखांकित करते हुए प्रशासन को छूट और उसकी शैली को स्वतंत्र बना रही है और अगर इस मसले पर प्रशासनिक दखल के सार्थक नतीजे आते हैं, तो यह सरकार की कार्यशैली को नए सफर की बुलंदी तक पहुंचाने के कई विकल्प तराशने में मददगार साबित होंगे। मुख्यमंत्री, डिप्टी सीएम तथा तमाम कांग्रेसी विधायकों का टोला दिल्ली में जिन परिस्थितियों में अपनी सत्ता का राग अलाप रहा था, उससे कहीं भिन्न प्रदेश में सुशासन की प्रथम ताजपोशी हो रही थी। सरकार ने दो अहम फैसलों के प्रारूप में इलेक्ट्रिक वाहनों तथा हेलिपोर्ट के निर्माण से जुड़ी आधारभूत जरूरतों का पता लगाने के निर्देश दिए थे। इन दिनों कमोबेश हर जिलाधीश ने दो प्राथमिकताओं पर यथासंभव व यथाशीघ्र कार्य किया है। यानी सभी ने चार्जिंग स्टेशन व हेलिपोर्ट निर्माण के स्थल का लगभग चयन कर लिया है। खूबसूरत पहलू यह कि यह सारा कार्य बिना किसी सियासी दखल से पूरा हो रहा है। इससे सरकारी कार्यसंस्कृति का सुखद एहसास शुरू में ही हुआ है और अगर ऐसे फैसलों की व्यापकता में भी इसी तरह प्रशासनिक सूझबूझ को अहमियत मिलेगी, तो न केवल पारदर्शिता आएगी, बल्कि कई कार्य गैर राजनीतिक दृष्टि से प्रदेश की प्राथमिकताओं का ईमानदारी से निर्वहन भी करेंगे। सरकारें अकसर अपनी सियासी प्राथमिकताओं के कारण सुशासन, बजटीय अनुशासन, विकास संतुलन और वित्तीय आधार को खोखला कर देती हैं। ऐसे में अगर स्थायी रूप से प्रादेशिक योजनाओं-प्राथमिकताओं को सुशासन के ढांचे में विकसित किया जाए, तो राजनीतिक नेतृत्व अपने विजन की भूमिका में उल्लेखनीय कार्य कर पाएगा। सुक्खू सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ और रोजगार के लिए नए प्रयास की ओर इशारा करते हुए यह संकेत भी दिया है कि अनावश्यक ट्रांसफर नहीं होंगे। देखना यह होगा कि इन विषयों पर सरकार की दृष्टि कहां तक जाती है, लेकिन समूचे राज्य के लिए योजनाएं बनेंगी, ऐसा चार्जिंग स्टेशन और हेलिपोर्ट निर्माण के प्रारंभिक निर्देश बता रहे हैं।

> सरकार ने दो अहम फैसलों के प्रारूप में इलेक्ट्रिक वाहनों तथा हेलिपोर्ट के निर्माण से जुड़ी आधारभूत जरूरतों का पता लगाने के निर्देश दिए थे। इन दिनों कमोबेश हर जिलाधीश ने दो प्राथमिकताओं पर यथासंभव व यथाशीघ्र कार्य किया है। यानी सभी ने चार्जिंग स्टेशन व हेलिपोर्ट निर्माण के स्थल का लगभग चयन कर लिया है। खूबसूरत पहलू यह कि यह सारा कार्य बिना किसी सियासी दखल से पूरा हो रहा है।

संघ प्रमुख भागवत ऐसे ही विकास को चाहते हैं और मुंबई में उनके इन्हीं विचारों में ऐसी ही रोशनी प्रकट भी हुई

मोहन भागवत ने भारत के विकास की जो अवधारणा बताई, उसी पर आगे बढ़ना होगा

ललित गर्ग

> भारत के वर्तमान विकास को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके संघ प्रमुख मोहन भागवत निरंतर जागरूक हैं एवं अपने विचारों से यह विकास कहीं भटक न जाये, उसके लिये चेताते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने मुम्बई में यह बयान देकर भारत के जन-जन को अभिप्रेरित किया है कि इस देश का विकास अमेरिका या चीन की तर्ज पर नहीं हो सकता बल्कि इसका विकास भारतीय दर्शन और इसकी संस्कृति तथा सकल संसार के बारे में इसके सुस्थापित विचारों के अनुरूप ही किया जा सकता है। देश के विकास की प्राथमिक आवश्यकता है कि गरीब का संबोधन मिटे।

भारत दुनिया की एक उभरती हुई सशक्त आर्थिक व्यवस्था है, विकास के नये आयाम उद्घाटित करते हुए भारत ने दुनिया को चौंकाया है, अचंभित किया है। भारत की विकास अवधारणा न केवल आर्थिक संवृद्धि से जुड़ी है, अपितु यह एक सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक प्रक्रिया है जो लोगों को जीवन की मुख्यधारा में शामिल होने के लिए अभिप्रेरित करती है और विकास प्रक्रिया में उन्हें सहभागी बनाती है। यह विकास अंततः आत्मनिर्भरता, समानता, न्याय एवं संसाधनों का एकसमान वितरण को बल देती है जो राष्ट्रीयता एवं लोकतंत्र की मजबूती का भी आधार है। भारत के वर्तमान विकास को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके संघ प्रमुख मोहन भागवत निरंतर जागरूक हैं एवं अपने विचारों से यह विकास कहीं भटक न जाये, उसके लिये चेताते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने मुम्बई में यह बयान देकर भारत के जन-जन को अभिप्रेरित किया है कि इस देश का विकास अमेरिका या चीन की तर्ज पर नहीं हो सकता बल्कि इसका विकास भारतीय दर्शन और इसकी संस्कृति तथा सकल संसार के बारे में इसके सुस्थापित विचारों के अनुरूप ही किया जा सकता है। देश के विकास की प्राथमिक आवश्यकता है कि गरीब का संबोधन मिटे। गरीबी एवं अमीरी के बीच का दूरियों को समाप्त किया जाये। प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़े। संघ एक समतामूलक संतुलित समाज व्यवस्था का पोषक है। तभी वह गांव का विकास चाहता हैं और तभी ग्राम आधारित अर्थ-व्यवस्था को विकसित होते हुए देखना चाहता है। संघ प्रमुख भागवत ऐसे ही विकास को चाहते हैं और मुंबई में उनके इन्हीं विचारों में ऐसी ही रोशनी प्रकट भी हुई है। उनके विचारों में जहां विवेकानन्द का दर्शन है वहीं गांधीवाद भी समाया है। उनके विचार उन आर्थिक सिद्धान्तों से उपजे हैं जिनके बारे में राष्ट्रपति महात्मा गांधी जीवनभर समर्पित थे और ग्रामों के विकास को ही भारत के सर्वांगीण विकास का फार्मूला मानते थे। उनका विकास मन्त्र पाश्चात्य विकास सिद्धान्त से पूरी तरह भिन्न था और वह मानते थे कि गांवों के आत्मनिर्भर होने से भारत में आत्मनिर्भरता आयेगी। इसका मतलब यह कदापि नहीं था कि गांव व ग्रामीण जगत आधुनिक विकास प्रणाली से विमुख रहेगा बल्कि यह था कि औद्योगीकरण का पहिया गांवों से शहरों की तरफ घूमेगा तभी देश का समुचित और सम्यक विकास संभव होगा तथा गरीबी का प्रवाह

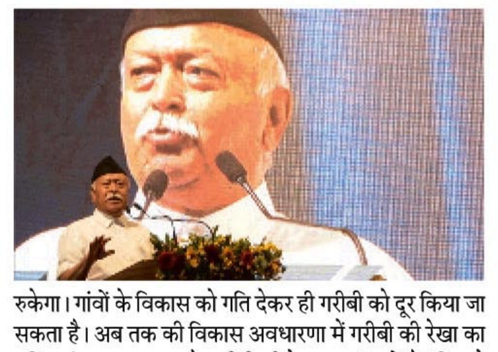

रुकेगा। गांवों के विकास को गति देकर ही गरीबी को दूर किया जा सकता है। अब तक की विकास अवधारणा में गरीबी की रेखा का महिमामंडन बहुत हुआ है। गरीबी की रेखा क्या? क्यों है? किसने खींची यह लक्ष्मण रेखा, जिसको कोई पार नहीं कर सकता। जिस पर सामाजिक व्यवस्था चलती है, जिस पर राजनीति चलती है, जिसको भाग्य और कर्म की रेखा मानकर उपदेश चलते हैं। वस्तुतः ये रेखाएं तथाकथित गरीबों ने नहीं खींचीं। यह रेखाएं अमेरिकी एवं चीनीवादी सोच ने खींची हैं। इस रेखा (दीवार) में खिड़कियां हैं, ईर्ष्या की, दम्भ की। पर दरवाजे नहीं हैं इसके पार जाने के लिए। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में यह रेखा नहीं होनी चाहिए। यह रेखा उन कर्णधारों के लिए "शर्म की रेखा" है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए। गांधी ने इसी रेखा को दूर करने का दर्शन दिया और अब भागवत उसी राह पर आगे बढ़ रहे हैं। भारत की वर्तमान विकास प्रक्रिया में अनेक चिन्तन के बिंदु हैं कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? जो शिष्य को अच्छे-बुरे का भेद न बता सके, वह गुरु कैसा? अगर तटस्थ दृष्टि से बिना रंगीन चश्मा लगाए देखें तो हम सब गरीब हैं। गरीब, यानि जो होना चाहिए, वह नहीं हैं। जो प्राप्त करना चाहिए, वह प्राप्त नहीं है। चाहे हम अज्ञानी हैं, चाहे भयभीत हैं, चाहे लालची हैं, चाहे निराश हैं। हर दृष्टि से हम गरीब हैं। जैसे भय केवल मृत्यु में ही नहीं, जीवन में भी है। ठीक उसी प्रकार भय केवल गरीबी में ही नहीं, अमीरी में भी है। यह भय है आतंक मचाने वालों से, सत्ता का दुरुपयोग करने वालों से जहां है वहां से नीचे उतर जाने का, प्रियजनों की सुरक्षा का। जब चारों तरफ अच्छे की उम्मीद नजर नहीं आती, तब मनुष्य नैतिकता की ओर मुड़ता है। यह वह सशक्त मोड़ है जो शर्म की रेखा को तोड़ने के लिए यत्न करता है। शर्मी और बेशर्मी दोनों मिटें। गरीबी का संबोधन मिटे। तब हम सूर्योदय के नजदीक होंगे। ऐसा सूर्योदय न तो चीन का अनुसरण करने से आयेगा और अमेरिका का। यह भारतीय दर्शन को, यहां की संस्कृति को मजबूती देकर ही आ सकेगा। भागवत भारतीय संस्कृति के प्रवक्ता हैं, भाष्यकार हैं, वे जितने दार्शनिक हैं, उतने ही व्यावहारिक भी हैं। सांस्कृतिक उत्थान के साथ वे स्वस्थ समाज निर्माण के सूत्रधार भी हैं। वे ऐसे धार्मिक हैं जिनका प्राथमिक धर्म राष्ट्रीयता है। तभी श्री भागवत ने कहा कि जो धर्म मनुष्य को सुविधा सम्पन्न और सुखासीन बनाता है मगर प्रकृति को नष्ट करता है, वह धर्म नहीं है। यहां धर्म का अर्थ मजहब नहीं बल्कि कर्त्तव्य या इंसानियत है। उपभोग एवं सुविधावादी धर्म की जड़ 'पाश्चात्य की उपभोग' संस्कृति में बसी हुई है। जबकि भारत की मान्यता 'उपयोग' की रही है, त्याग की रही है। इस बारे में भी महात्मा गांधी ने कहा था कि भारत में प्रत्येक रईस या सम्पन्न व्यक्ति को अपने उपभोग की अधिकतम सीमा तय करनी चाहिए और शेष सम्पत्ति को समाज के उत्थान मूलक कार्यों में लगाना चाहिए। वास्तव में यही गांधी का 'अहिंसक समाजवाद' था और ऐसा ही उनका ट्रस्टीशिप का सिद्धान्त था। इसी समाजवाद की स्थापना संघ का ध्येय है। प्रकृति का विनाश करके विकास खोजने वाले राष्ट्र भारत के आदर्श नहीं हो सकते। कोरोना जैसी महाव्याधियों को पैदा करने वालों को हम आदर्श मान भी नहीं सकते। क्योंकि कोरोना महामारी प्रकृति की उपेक्षा का ही परिणाम है। चीन व अमेरिका जैसे देशों में प्रकृति को बेजान मानते हुए उसकी कीमत पर किये गये विकास को उपलब्धि मान लिया गया है। चीन में तो विकास का पैमाना अमेरिका से भी और ज्यादा विद्रूप एवं त्रासद है क्योंकि इस देश की 'कम्युनिस्ट पूंजीवादी' सरकार ने मनुष्य को ही 'मशीन' में तब्दील कर डाला है जिसकी वजह से मनुष्य की संवेदनाएं भी मशीनी हो गई हैं। भारतीय संस्कृति में भौतिक सुख का अर्थ यह कदापि नहीं बताया गया कि व्यक्ति पूर्णतः स्वार्थी होकर समाज, संस्कृति और दैवीय उपकारों की उपेक्षा करने लगे बल्कि यहां 'दरिद्र नारायण' की सेवा को ईश्वर भक्ति का साधन माना गया। जब हम प्रकृति के संरक्षण की बात करते हैं तो इसमें सम्पत्ति के समुचित बंटवारे का भाव भी समाहित रहता है।

जबरदस्ती की 'जीएम' सरसों

> जीएम फसलों को अब दृढ़ता से खारिज कर देना चाहिए।' वैज्ञानिकों के मुताबिक इन फसलों से जुड़े खतरे का सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि जब वे पर्यावरण में फैलेंगे तो उन पर हमारा नियंत्रण नहीं रह जाएगा। जेनेटिक प्रदूषण का मूल चरित्र ही ऐसा है। वायु प्रदूषण या जल प्रदूषण के कारणों का पता लगाकर उन्हें नियंत्रित किया जा सकता है, पर पर्यावरण में पहुंचा जेनेटिक प्रदूषण हमारे नियंत्रण से बाहर हो जाता है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को केवल इसलिए परेशान किया गया या उनका अनुसंधान बाधित किया गया क्योंकि उनके अनुसंधान से जीएम फसलों के खतरे पता चलने लगे थे। इसके बावजूद निष्ठावान वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों से जीएम फसलों के गंभीर खतरों को बताने वाले दर्जनों अध्ययन उपलब्ध हैं। जैफरी एम. स्मिथ की पुस्तक 'जेनेटिक लरूेट : द गेम्बल ऑफ अवर लाइफ' के 300 से अधिक पृष्ठों में ऐसे दर्जनों अध्ययनों का सार-संक्षेप उपलब्ध है। किताब में चूहों पर हुए अनुसंधानों में पेट, लिवर, आंतों जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण अंगों के बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने, जीएम उत्पाद खाने वाले पशु-पक्षियों के मरने या बीमार होने और इनसे मनुष्यों में भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का वर्णन है।

हाल में जीएम (जेनेटिकली मॉडीफाइड) सरसों पर विवाद फिर तेज हुआ है क्योंकि इसके साथ भारत में इन फसलों की शुरुआत की जा रही है। जीएम फसलों के विरोध की एक मुख्य वजह यह रही है कि ये फसलें स्वास्थ्य व पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित नहीं हैं तथा उसका असर जेनेटिक प्रदूषण के माध्यम से अन्य सामान्य फसलों व पौधों में फैल सकता है। इस विचार को इंडिपेंडेंट साईंस पैनल ने बहुत सारगर्भित ढंग से व्यक्त किया है। इस पैनल में शामिल विश्व के अनेक देशों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों ने जीएम फसलों पर एक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज तैयार किया जिसके निष्कर्ष में उन्होंने कहा कि, 'जीएम फसलों के बारे में जिन लाभों का दावा किया गया था वे प्राप्त नहीं हुए हैं। अब इस बारे में व्यापक सहमति है कि इन फसलों का प्रसार होने पर ट्रान्सजेनिक प्रदूषण से बचा नहीं जा सकता। सबसे महत्त्वपूर्ण यह है कि जीएम फसलों की सुरक्षा प्रमाणित नहीं हो सकी है। इसके विपरीत पर्याप्त प्रमाण हैं जिनसे इन फसलों की सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं उत्पन्न होती हैं। यदि इनकी उपेक्षा की गई तो स्वास्थ्य व पर्यावरण की ऐसी क्षति होगी जिसे फिर ठीक नहीं किया जा सकता। जीएम फसलों को अब दृढ़ता से खारिज कर देना चाहिए।' वैज्ञानिकों के मुताबिक इन फसलों से जुड़े खतरे का सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि जब वे पर्यावरण में फैलेंगे तो उन पर हमारा नियंत्रण नहीं रह जाएगा। जेनेटिक प्रदूषण का मूल चरित्र ही ऐसा है। वायु प्रदूषण या जल प्रदूषण के कारणों का पता लगाकर उन्हें नियंत्रित किया जा सकता है, पर पर्यावरण में पहुंचा जेनेटिक प्रदूषण हमारे नियंत्रण से बाहर हो जाता है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को केवल इसलिए परेशान किया गया या उनका अनुसंधान बाधित किया गया क्योंकि उनके अनुसंधान से जीएम फसलों के खतरे पता चलने लगे थे। इसके बावजूद निष्ठावान वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों से जीएम फसलों के गंभीर खतरों को बताने वाले दर्जनों अध्ययन उपलब्ध हैं। जैफरी एम. स्मिथ की पुस्तक 'जेनेटिक रूलेट : द गेम्बल ऑफ अवर लाइफ' के 300 से अधिक पृष्ठों में ऐसे दर्जनों अध्ययनों का सार-संक्षेप उपलब्ध है। किताब में चूहों पर हुए अनुसंधानों में पेट, लिवर, आंतों जैसे विभिन्न महत्त्वपूर्ण अंगों के बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने, जीएम उत्पाद खाने वाले पशु-पक्षियों के मरने या बीमार होने और इनसे मनुष्यों में भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का वर्णन है। जब 2009-10 में भारत में बीटी बैंगन के संदर्भ में जीएम के विवाद ने जोर पकड़ा तो विश्व के 17 विख्यात वैज्ञानिकों ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस बारे में नवीनतम जानकारी उपलब्ध करवाई। पत्र में कहा गया कि जीएम प्रक्रिया से गुजरने वाले पौधे का जैव-रसायन बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाता है जिससे उसमें नए विषैले तत्त्वों का प्रवेश हो सकता है और उसके पोषक गुण कम या बदल सकते हैं। जीव-जंतुओं को जीएम खाद्य खिलाने पर आधारित अनेक अध्ययनों से गुर्दे (किडनी), यकृत (लिवर), पेट व निकट के अंगों (गट), रक्त-कोशिकाओं, रक्त-जैव-रसायन व प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी सिस्टम) पर नकारात्मक असर सामने आ चुके हैं। जीएम फसल बीटी कपास या उसके अवशेष खाने या ऐसे खेत में चरने के बाद अनेक भेड़-बकरियों के मरने व अनेक पशुओं के बीमार होने के समाचार मिले हैं। डा. सागरी रामदास ने इस मामले पर विस्तृत अनुसंधान किया है। उनके मुताबिक ऐसे मामले विशेषकर आंध्रप्रदेश, हरियाणा व तेलंगाना में सामने आए हैं, पर अनुसंधान तंत्र ने इस पर बहुत कम ध्यान दिया है। भेड़-बकरी चराने वालों ने स्पष्ट बताया कि सामान्य कपास के खेतों में चरने पर ऐसी स्वास्थ्य समस्याएं पहले नहीं देखी गईं, जीएम फसल के आने के बाद ही ये समस्याएं देखी गई हैं। हरियाणा में दुधारू पशुओं को बीटी काटन बीज व खली खिलाने के बाद उनमें दूध कम होने व प्रजनन की गंभीर समस्याएं सामने आई हैं। कृषि व खाद्य क्षेत्र में जेनेटिक इंजीनियरिंग मात्र छह-सात बहुराष्ट्रीय कंपनियों (व उनकी सहयोगी या उप-कंपनियों) के हाथ में केंद्रित है। ये कंपनियां पश्चिमी देशों, विशेषकर अमेरिका की हैं। इनका उद्देश्य जेनेटिक इंजीनियरिंग के माध्यम से विश्व कृषि व खाद्य व्यवस्था पर ऐसा नियंत्रण स्थापित करना है जैसा विश्व इतिहास में आज तक नहीं हुआ है। हाल ही में देश के महान वैज्ञानिक प्रोफेसर पुष्प भार्गव का निधन हुआ है। वे सेंटर फॉर सेल्यूलर एंड मॉलीक्यूलर बॉयलाजी, हैदराबाद के संस्थापक निदेशक व नेशनल नॉलेज कमीशन के उपाध्यक्ष रहे। सुप्रीम कोर्ट ने प्रो. पुष्प भार्गव को जेनेटिक इंजीनियरिंग एप्रूवल कमेटी (जीईएसी) के कार्य पर निगरानी रखने के लिए नियुक्त किया था। प्रो. पुष्प भार्गव ने प्रखरता के साथ जीएम फसलों का बहुत स्पष्ट और तथ्य आधारित विरोध किया। बिजनेस लाईन (नवंबर 5, 2015) में 'द केस फॉर बैनिंग जीएम क्राप्स' या 'जीएम फसलों पर प्रतिबंध लगाना क्यों जरूरी है' शीर्षक से उन्होंने एक महत्त्वपूर्ण लेख लिखा था। इसमें उन्होंने लिखा, 'आज संदेह से परे बहुत से प्रमाण हैं कि जीएम फसलें मनुष्यों व अन्य जीवों के स्वास्थ्य के लिए, पर्यावरण व जैव विविधता के लिए हानिकारक हैं।' इसी लेख में उन्होंने कहा, 'यदि हम सही विज्ञान के प्रति प्रतिबद्ध हैं व अपने नागरिकों को स्वस्थ भोजन उपलब्ध करवाना चाहते हैं तो हमने जैसे जीएम बैंगन पर प्रतिबंध लगाया था वैसे ही हमें जीएम सरसों पर भी प्रतिबंध लगा देना चाहिए। हमें सभी जीएम फसलों को 'नहीं' कह देना चाहिए, जैसा कि यूरोपियन यूनियन के 17 देशों ने कह दिया है।' उन्होंने आगे कहा कि कृषि पर स्थाई संसदीय समिति व सुप्रीमकोर्ट द्वारा नियुक्त तकनीकी विशेषज्ञ समिति ने भी सैद्धांतिक तौर पर ऐसी ही संस्तुति की है। एक अन्य लेख (हिंदुस्तान टाईम्स, 7 अगस्त 2014) में प्रो. भार्गव ने लिखा कि लगभग 500 अनुसंधान प्रकाशनों ने जीएम फसलों के मनुष्यों, अन्य जीव-जंतुओं व पौधों के स्वास्थ्य पर हानिकारक असर को स्थापित किया है। ये सभी प्रकाशन ऐसे वैज्ञानिकों के हैं जिनकी ईमानदारी के बारे में कोई सवाल नहीं उठा सकता। ट्रिब्यून में प्रकाशित अपने लेख में प्रो. भार्गव ने देश को चेतावनी दी थी कि चंद शक्तिशाली व्यक्तियों द्वारा अपने व बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हितों को जीएम फसलों के माध्यम से आगे बढ़ाने के प्रयासों से सावधान रहें। उन्होंने इस चेतावनी में आगे कहा है कि इस प्रयास का अंतिम लक्ष्य भारतीय कृषि व खाद्य उत्पादन पर नियंत्रण प्राप्त करना है। इस षडयंत्र से जुड़ी एक मुख्य कंपनी का कानून तोडने व अनैतिक कार्यों का चार दशक का रिकार्ड है। जीएम खाद्यों से जो अनेक स्वास्थ्य समस्याएं जुड़ी हैं वे विशेषकर तिलहन फसलों के संबंध में और भी गंभीर हैं क्योंकि इनसे प्राप्त खाद्य तेलों का उपयोग लगभग सभी तरह के भोजन में होता है। सरसों की तो पत्तियां खाई जाती हैं व इसका औषधीय उपयोग भी होता है। जीएम सरसों का प्रवेश बहुत ही खतरनाक होगा। अनेक विशेषज्ञ पहले ही बता चुके हैं कि जीएम सरसों के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाने के दावे निराधार हैं।

नागरिक बोध

रैगिंग का रोग, क्यों खामोश हैं लोग?

शिक्षण संस्थाओं में रैगिंग के मामलों पर लगाम नहीं लग रही। नोएडा के एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज के हॉस्टल में रैगिंग के दौरान बीटैक अंतिम वर्ष के चार छात्रों द्वारा प्रथम वर्ष के एक छात्र के साथ इस कदर मारपीट की गई कि उसके कंधे की हड्डियां टूट गईं। घटना के बाद से चारों छात्र फरार हैं और पुलिस उनकी तलाश में छापेमारी कर रही है। कुछ ही दिन पहले असम में सिलचर के राजकीय डेंटल कॉलेज के प्रथम वर्ष के कुछ छात्रों द्वारा नेशनल एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन पर सीनियर्स के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के बाद कॉलेज प्रशासन द्वारा 14 सीनियर छात्रों को छात्रावास से निष्कासित किया गया था। असम में ही डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी में भी एक जूनियर छात्र की रैगिंग करने के आरोप में यूनिवर्सिटी ने 18 छात्रों को निष्कासित तथा तीन हॉस्टल वार्डन को निलंबित किया। एमकॉम प्रथम वर्ष के छात्र ने हॉस्टल में अपने सीनियर्स की रैगिंग से बचने के लिए अपने हॉस्टल की दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी थी, जिसके बाद उसके हाथ और रीढ़ में फ्रैक्चर हो गया था। उड़ीसा के संबलपुर में सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज वीर सुरेंद्र साई यूनिवर्सिटी ऑफ टैक्नोलॉजी में सामने आए रैगिंग के एक मामले में पीड़ति छात्र के मुताबिक चौथे वर्ष के करीब 15 छात्रों ने उसे रोककर आंखें नीची करने को कहा, गालियां देने लगे और रैगिंग के दौरान उसकी पिटाई की गई। तमिलनाडु के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज में रैगिंग का वीडियो वायरल होने के बाद 7 सीनियर छात्रों को सस्पेंड किया गया। वायरल वीडियो में देखा गया था कि कैसे रैगिंग के नाम पर जूनियर मेडिकल छात्रों के कपड़े उतरवाकर सभी को कैंपस में स्ट्रिप कराया गया और उनके साथ अश्लील हरकतें की गई। उन पर पानी के पाइपों से पानी डालते हुए सामान फैंका गया और कुछ छात्रों को तो टेस्टिकल्स तक पर मारा गया। उड़ीसा के गंजम जिले में एक सरकारी कॉलेज में एक छात्रा के साथ अश्लील रैगिंग में शामिल 12 छात्रों को संस्थान से निष्कासित किया गया और पुलिस ने घटना में शामिल होने के आरोप में पांच छात्रों को गिरफ्तार किया। हैदराबाद के एक बिजनेस स्कूल के आठ छात्रों को भी पिछले दिनों कथित रूप से रैगिंग करने और एक छात्र की पिटाई के मामले में पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। मामले में कार्रवाई करने में कथित तौर पर नाकाम रहने के लिए बिजनेस स्कूल प्रबंधन के नौ सदस्यों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया। रैगिंग के ऐसे ही एक अन्य मामले में उत्तराखण्ड के वीर चंद्र सिंह राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों की रैगिंग करने पर सात सीनियर छात्रों को तीन माह के लिए निलंबित किया गया और सभी को स्थायी रूप से हॉस्टल से निष्कासित किया गया।

देश दुनीया से

दहेज किसी अभिशाप से कम नहीं

हमारे देश भारत में आज के युग में भी दहेज प्रथा बहुत प्रचलित है। दहेज का अर्थ वर पक्ष के द्वारा वधु पक्ष से वस्तुओं के रूप में या नकद राशि के रूप में प्राप्त करना है। हालांकि दहेज निषेध अधिनियम 1961 के अनुसार किसी भी प्रकार का दहेज लेना चाहे वह वस्तुओं के रूप में प्राप्त करना हो या नकद राशि, सभी पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध है और दहेज लेना या इसके लिए प्रोत्साहित करना कानूनी रूप से अपराध है, जिसके लिए 5 वर्ष की कैद और 15000 रुपए जुर्माने का प्रावधान है। लेकिन फिर भी यह प्रथा रुकने का नाम नहीं ले रही है। कई मामलों में देखा गया है कि बहुओं को शादी के बाद भी अपने मायके से धन या कोई और वस्तु लाने के लिए दबाव बनाया जाता है और इसके लिए उन्हें प्रताड़ित भी किया जाता है। एक अनुमान के अनुसार हमारे देश भारत में औसतन हर एक घंटे में एक महिला इस कुप्रथा की भेंट चढ़ जाती है। यह प्रथा सबसे अधिक समाज के निम्न वर्ग में फैली हुई है। समाज के पढ़े लिखे लोग भी दहेज देना बहुत आवश्यक समझते हैं और इसे अपनी मान प्रतिष्ठा से जोडक़र देखते हैं जो कि एक बहुत ही गलत बात है। हिमाचल प्रदेश जैसा राज्य भी इस कुप्रथा से अछूता नहीं है। कानून के डर से आजकल लोग शादी से पहले ही दहेज को दुकान से उठाकर लडक़े वाले के घर पहुंचा देते हैं। कई लोग इस प्रथा को अपनी शान से जोडक़र देखते हैं तो कई यह सोचते हैं कि यदि हमने दहेज नहीं दिया तो हमारा समाज क्या कहेगा। इस कुप्रथा को केवल सरकार ही नहीं मिटा सकती। सरकार ने तो कानून बना दिया है, लेकिन इसे लागू करने के लिए प्रशासन और लोगों को आगे आना होगा। हमें यह नहीं सोचना होगा कि समाज क्या कहेगा और प्रशासन को भी इसके विरुद्ध सख्त कदम उठाने होंगे। कई गरीब लोग जिनके पास दहेज देने के लिए पैसा नहीं होता वे लोग अपनी जमीन जायदाद गिरवी रखकर या बेचकर भी दहेज देते हैं और कंगाली के कगार पर पहुंच जाते हैं जिससे उनका जीवनस्तर बहुत बुरे दौर से गुजरना शुरू हो जाता है। आज भी हमारे देश में करोड़ों लोग गरीबी रेखा से नीचे अपना जीवनयापन कर रहे हैं। उनके लिए अपनी लडक़ी की शादी में दहेज देना एक अभिशाप से कम नहीं है। यही कारण है कि लोग चाहते हैं कि हमारे घर में बेटा ही पैदा हो। लेकिन वे यह नहीं सोचते कि बेटियां घर, समाज और देश की शान हैं और आजकल तो लड़कियां हर क्षेत्र में लडक़ों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। इसी बात को ध्यान में रखकर हमारे देश भारत की सरकार ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान चलाया हुआ है और इसके सार्थक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। यह अभियान तभी तेजी से आगे बढ़ेगा जब हम सब मिलकर इस अभियान को आगे बढ़ाने में मदद करेंगे। इससे लड़कियों के प्रति हमारी नकारात्मक सोच बदलेगी। देश की लगभग आधी आबादी की हम उपेक्षा नहीं कर सकते। जितने भी विकसित राष्ट्र हैं उनके निर्माण में महिलाओं का बहुत अधिक योगदान है तो फिर हम पीछे क्यों रहें। जब तक हम महिलाओं का पूर्ण सम्मान नहीं करेंगे तब तक हमारी पुरुष प्रधान मानसिकता नहीं बदलेगी। हमारे देश में बेटी या महिला को लक्ष्मी का दर्जा दिया गया है तो फिर इस प्रकार का भेदभाव क्यों। कोई समय था जब हमारे देश में सती प्रथा प्रचलित थी, जिसे राजाराम मोहन राय ने अपने अथक प्रयासों से बंद करवाया।

> कानून के डर से आजकल लोग शादी से पहले ही दहेज को दुकान से उठाकर लडक़े वाले के घर पहुंचा देते हैं। कई लोग इस प्रथा को अपनी शान से जोडक़र देखते हैं तो कई यह सोचते हैं कि यदि हमने दहेज नहीं दिया तो हमारा समाज क्या कहेगा। इस कुप्रथा को केवल सरकार ही नहीं मिटा सकती। सरकार ने तो कानून बना दिया है, लेकिन इसे लागू करने के लिए प्रशासन और लोगों को आगे आना होगा। हमें यह नहीं सोचना होगा कि समाज क्या कहेगा और प्रशासन को भी इसके विरुद्ध सख्त कदम उठाने होंगे। कई गरीब लोग जिनके पास दहेज देने के लिए पैसा नहीं होता वे लोग अपनी जमीन जायदाद गिरवी रखकर या बेचकर भी दहेज देते हैं और कंगाली के कगार पर पहुंच जाते हैं जिससे उनका जीवनस्तर बहुत बुरे दौर से गुजरना शुरू हो जाता है। आज भी हमारे देश में करोड़ों लोग गरीबी रेखा से नीचे अपना जीवनयापन कर रहे हैं। उनके लिए अपनी लडक़ी की शादी में दहेज देना एक अभिशाप से कम नहीं है। यही कारण है कि लोग चाहते हैं कि हमारे घर में बेटा ही पैदा हो।

संक्षिप्त समाचार

अब अमेरिका की भावी पीढ़ियां एक ऐसे राष्ट्रपति के बारे में भी पढ़ेंगी

वाशिंगटन। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर आपराधिक मुकदमा चलाए जाने का रास्ता साफ हो गया है। छह जनवरी 2021 की घटना की जांच करने वाली अमेरिकी कांग्रेस (संसद) की कमेटी ने उन्हें 'लोकतंत्र के खिलाफ अपराध' करने का दोषी ठहराया है। छह जनवरी 2021 को ट्रंप के समर्थकों ने कैपिटॉल हिल (संसद भवन) पर उस समय हमला बोल दिया था, जब वहां 2020 में हुए राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे को प्रमाणित करने की प्रक्रिया चल रही थी। ट्रंप समर्थकों का मकसद चुनाव परिणाम को पलट कर ट्रंप को विजयी घोषित करवाना था। कांग्रेस की जांच समिति के इस फैसले के राजनीतिक परिणामों पर अब कयास लगाए जा रहे हैं। कुछ टीकाकारों की राय यह है कि इससे ट्रंप के पक्ष में उनके समर्थकों की नए सिरे से गोलबंदी हो सकती है। यह अंदेशा भी है कि ट्रंप समर्थक धुर दक्षिणपंथी गुट 'पूर्व राष्ट्रपति को सताए जाने' से नाराज होकर हिंसक गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं। ट्रंप की पहचान पूर्व राष्ट्रपति के साथ-साथ एक धनी व्यापारी, गोल्फ खिलाड़ी और डिजिटल मीडिया के स्टार भी है। अभी भी उनके समर्थकों की एक मजबूत जमात है, जिनके बीच उनकी देवता जैसी छवि है। कांग्रेस की जांच समिति ने ट्रंप को दोषी पाते हुए अब यह मामला न्याय मंत्रालय को भेजने का फैसला किया है। इस समिति ने छह जनवरी की घटना के बाद जांच शुरू की थी। इस दौरान 10 सार्वजनिक सुनवाइयां हुईं। उसके अलावा हजारों लोगों से पूछताछ की गई और लाखों दस्तावेजों की जांच समिति ने कराई। अमेरिकी सियासी हलकों में पहले से आम चर्चा थी कि समिति ट्रंप के खिलाफ निष्कर्ष पर पहुंचेगी।

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान का अश्लील ऑडियो लीक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के मुखिया इमरान खान का एक ऑडियो लीक हुआ है, जिसमें वह कथित तौर पर एक महिला के साथ फोन सेक्स करते सुनाई दे रहे हैं। यह ऑडियो क्लिप इन दिनों सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। पाकिस्तानी पत्रकार शयद अली हैदर ने दो हिस्सों में इस क्लिप को जारी किया है। वायरल हो रहा एक ऑडियो क्लिप पुराना बताया जा रहा है।

वहीं, महिला के साथ इमरान की कथित बातचीत का दूसरा ऑडियो हाल के दिनों का प्रतीत हो रहा है। इसमें इमरान खान महिला को पास आने के लिए कह रहे हैं, जिसे वह लगातार ठुकरा रही है। यह सिलसिला काफी देर तक चलता है। वायरल ऑडियो में महिला यह कहते हुए सुनाई दे रही है कि, इमरान तुमने मेरे लिए क्या किया? मैं तुम्हारे पास नहीं आ सकती हूं।' इसी ऑडियो क्लिप में महिला इमरान खान को अगले दिन आने के लिए कहती है। इस पर इमरान कहते हैं, 'अगले दिन के लिए वह अपना कार्यक्रम बदलेंगे।' इसी ऑडियो क्लिप में महिला कहती है कि वह उनसे नहीं मिल सकती हैं, क्योंकि उसके प्राइवेट पार्ट में दर्द है। तबीतय ठीक होने के बाद ही वह उनसे मिलने की कोशिश करेंगी। इसके बाद इमरान खान कहते हैं, 'मेरा परिवार और मेरे बच्चे आ रहे हैं। मैं देखता हूं कि क्या संभव हो सकता है। मैं उनके दौरे को कुछ समय के लिए टालने की कोशिश करूंगा। मैं तुम्हें कल बताऊंगा।' इमरान खान का यह कथित ऑडियो इन दिनों वायरल है। इस क्लिप ने पाकिस्तान की राजनीति में नया बखेड़ा कर दिया है। इससे पहले भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय का एक ऑडियो क्लिप लीक हुआ था। सोशल मीडिया में लोग इसे शेयर कर रहे हैं।

पाकिस्तानी पत्रकार नाएला इनायत लिखती हैं, 'इस सेक्स कॉल लीक के बाद इमरान खान इमरान हासमी बन गए हैं।

ब्रिटेन में स्कारलेट फीवर ने मचाया कोहराम, 19 बच्चों की मौत

लंदन। चीन में कोरोना विस्फोट ने एक बार फिर से पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया है। इस बीच ब्रिटेन से भी एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। ब्रिटिश मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, देशभर में स्कारलेट फीवर (बुखार) ने कोहराम मचाया हुआ है। अब तब इस जानलेवा बुखार से 19 बच्चों की मौत हो चुकी है। स्कारलेट फीवर के मामले इंग्लैंड में बढ़कर अब 17,695 हो गए हैं। एक साल पहले इसी समय इनकी संख्या महज 2,538 थी। स्कार्लेट फीवर एक बैक्टीरियल इन्फेक्शन (जीवाणु संक्रमण) है। यह ग्रुप ए स्ट्रेप बैक्टीरिया से फैलता है। दुर्लभ मामलों में, यह बैक्टीरिया व्यक्ति के खून में पहुंच सकता है और एक घातक जानलेवा बीमारी का कारण बन सकता है। ब्रिटेन में इस फीवर को स्कारलेटिना भी कहते हैं। भले ही यह फीवर कोरोना के जितना तेजी से न फैल रहा हो लेकिन यह एक ऐसा इंफेक्शन है जो एक व्यक्ति से दूसरे में फैल सकता है। स्कारलेट फीवर के पहले लक्षण फ्लू यानी तेज बुखार के समान दिखाई दे सकते हैं। बुखार की तरह इसमें भी बॉडी टेम्परेचर बढ़ जाता है। गले में खराश और गर्दन की नशों में सूजन के साथ-साथ दाने भी निकल सकते हैं। इस बीमारी के होने से पूरे शरीर पर लाल और उभरे हुए चकत्ते पड़ जाते हैं। शुरू में ये सनबर्न की तरह दिखते हैं। ये चकत्ते पहले चेहरे पर फिर गले और फिर पूरे शरीर में फैल जाते हैं। यही बैक्टीरिया अन्य व कम गंभीर बीमारियों का भी कारण बन सकता है, जिसमें स्ट्रेप थ्रोट, टॉन्सिलिटिस, त्वचा संक्रमण इम्पेटिगो और सेल्युलाइटिस शामिल हैं।

यूक्रेन युद्ध ने दे दी है तुर्की और ईरान को हथियार निर्यातक की खास पहचान

अंकारा।

रूस-यूक्रेन युद्ध से ईरान और तुर्की को हथियार निर्यातक देश की खास पहचान मिली है। इसे साल 2022 की एक प्रमुख घटना समझा जा रहा है। दशकों तक इन दोनों देशों की छवि हथियारों के आयातक की थी। लेकिन इस वर्ष उन्होंने हथियारों का बड़े पैमाने निर्यात शुरू किया, जिस घटनाक्रम ने दुनिया का ध्यान खींचा है।

जानकारों के मुताबिक दोनों देश काफी समय से हथियार उत्पादन में निवेश कर रहे थे। इसके जरिए उन्होंने देश के अंदर ड्रोंस और अन्य मारक हथियारों के निर्माण का एक ढांचा खड़ा कर लिया है। यूक्रेन युद्ध ने उन्हें हथियारों के निर्यात का मौका दिया।

अमेरिकी पत्रिका फॉर्ब्स में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध के कारण रूस और यूक्रेन दोनों को भारी नुकसान हुआ है। उनके हजारों टैंक, दर्जनों लड़ाकू विमान और सैकड़ों हेलीकॉप्टर नष्ट हो गए हैं। अब दोनों देशों के

सामने अपनी सेनाओं के लिए नए हथियार जुटाने की चुनौती है। उनका यह संकट तुर्की और ईरान के लिए एक अवसर की तरह आया। भौगोलिक रूप से तुर्की और ईरान रूस और यूक्रेन के करीब हैं।

रूस पर पश्चिमी देशों ने प्रतिबंध लगा रखे हैं। इसलिए उसके लिए हथियारों के स्रोत सिकुड़ गए हैं। इस कारण भी ईरान को मौका मिला है। ईरान पर भी पश्चिमी देशों ने प्रतिबंध लगाए हुए हैं, इसलिए दुनिया के कई हिस्सों में उसके लिए निर्यात करना संभव नहीं है। जबकि उसके विमान और जहाज कैस्पियन सागर को पार कर सीधे रूस पहुंच जाते हैं।

तुर्की ने अब ड्रोन निर्यातक के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर ली है। उसकी बेयकर कंपनी को लगभग 20 देशों से टीबी-2 अटैक ड्रोन्स की सप्लाई के ऑर्डर मिल चुके हैं। उसके खरीदारों में यूक्रेन भी है। मौजूदा युद्ध में यूक्रेन की सेना ने दूर-संचालित इन ड्रोंस का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया है।

दूसरी तरफ ईरान ने रूस की जरूरतों को पूरा किया है। उसने अपनी क्रूज मिसाइलें भी रूस को बेची हैं। इन मिसाइलों की खूबी यह है कि यह धीमी गति से उड़ान भरती हैं, इसलिए इन्हें रोक पाना कठिन बना हुआ है। कुछ मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक ईरान ने लगभग दो हजार शाहेद-136 ड्रोन भी रूस को बेचे हैं। साथ ही कुछ जासूसी ड्रोन भी ईरान ने रूस को दिए हैं। रूस ने ईरान से मिले हथियारों का गुजरे महीनों में यूक्रेन के खिलाफ इस्तेमाल किया है।

रूस दुनिया के सबसे बड़े हथियार निर्यातकों में शामिल रहा है। उसे हथियार बेचने में मिली सफलता से ईरान की हथियार निर्माता के रूप में प्रतिष्ठा बढ़ी है। फॉर्ब्स पत्रिका के मुताबिक हथियारों की बिक्री अब ईरान और तुर्की दोनों के लिए आमदनी का एक बड़ा जरिया बन गई है। इसलिए संभावना है कि दोनों देश हथियार निर्माण और अस्त्र व्यापार पर अब और ज्यादा ध्यान केंद्रित करेंगे।

एक अनुमान के मुताबिक तुर्की को इस वर्ष हथियार निर्यात से चार बिलियन डॉलर की आय होगी। पिछले वर्ष की तुलना में यह आंकड़ा 42 प्रतिशत अधिक है। रक्षा विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस वर्ष बनी छवि का फायदा तुर्की और ईरान दोनों को आने वाले वर्षों में भी मिलेगा। दोनों के हथियारों की दुनिया में अब मांग बढ़ने की संभावना है।

चीन में कोरोना से मचे हाहाकार के बीच डराने वाला दावा

महामारी की वजह से जा सकती हैं 15 लाख जानें

लंदन।

कोरोना महामारी को लेकर भारत सरकार भी अलर्ट हो गई है। इसी सिलसिले में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को समीक्षा बैठक की है। वहीं, विभिन्न डेटा मॉडलिंग सेट संकेत दे रहे हैं कि जीरो कोविड नीति को हटाने के बाद चीन मामलों में भारी वृद्धि का सामना कर सकता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, इसके मॉडल के आधार पर करीब 15 लाख चीनी नागरिकों की जान जा सकती है। यह मॉडल लोगों के संक्रमित होने, बीमार होने, ठीक होने या मरने की दर के अनुमानों के आधार पर प्रकोप की गणना करता है। इसे एसईआईआर मॉडल कहा जाता है।

ये आंकड़े अन्य हालिया डेटा मॉडलों के साथ मेल खाते हैं। एक रिपोर्ट भी शामिल है। इस रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि चीन में लॉकडॉउन खुलने के बाद कोविड-19 से 1.3 (13 लाख) से 2.1 (21 लाख) मिलियन लोगों की मौत हो सकती है।

लांसेट ने कहा, मौतों की संख्या का अनुमान लगाया मुश्किल है। बुजुर्गों और कमजोर लोगों के बीच कोविड-19 टीकों के कवरेज और एंटी वायरल की उपलब्धता पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। इसने कहा, ब्रिटेन के सीरोलॉजिकल अध्ययनों से पता

चलता है कि देश में लगभग सभी में सार्स-सीओवी-2 के खिलाफ एंटीबॉडी है। चीन के लिए इसी तरह का डेटा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। लेकिन नैचुरल इम्युनिटी का स्तर निश्चित रूप से कम होगा। देश ने कोविड -19 महामारी के दौरान दो मिलियन (20 लाख) से कम मामले दर्ज किए हैं।

चाइनीज सेंटर फॉर डिजिज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के पूर्व उप निदेशक फेंग जिजियान ने सुझाव दिया है कि देश की साठ फीसदी आबादी सार्स-सीओवी-2 वायरस से संक्रमित हो सकती है।

ये हैं दुनिया के देश जहां कोरोना ने फिर से मचाया कोहराम

चीन समेत दुनियाभर के कई देशों में कोरोना एक बार फिर से पांव पसारने लगा है। रोज पांच से छह लाख नए मरीज मिल रहे हैं। 1,500 से 2,000 लोगों की मौत भी हो जा रही है। चीन और उसके आसपास के देशों में हालत खराब है। रिपोर्ट्स के अनुसार चीन में एक से डेढ़ लाख लोग संक्रमित मिल रहे हैं। ये दुनिया के किसी भी दूसरे देश से कहीं अधिक है। जापान बीते सात हफ्ते से संक्रमितों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। इस वक्त रोजाना 70 हजार से एक लाख मरीज मिल रहे हैं। दक्षिण कोरिया में एक दिन के अंदर 87 हजार 559 लोग संक्रमित पाए गए हैं, जबकि 56 मरीजों की मौत हो गई। फ्रांस में मंगलवार को 71 हजार 212 नए मरीज मिले। 130 लोगों की मौत भी हो गई। फ्रांस में अब तक 3.89 करोड़ से ज्यादा लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। जर्मनी में हर रोज 50 से 60 हजार नए मरीज मिल रहे हैं। मंगलवार के आंकड़े देखें तो यहां 52 हजार 528 नए मरीज पाए गए। 201 लोगों की मौत भी हो गई। अमेरिका में रोज 20 से तीस हजार संक्रमित हर रोज मिल रहे हैं। मंगलवार को 25 हजार 714 नए मरीज मिले हैं। 308 लोगों की मौत हो गई। अमेरिका में अब तक 10 करोड़ 18 लाख से ज्यादा लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। ताइवा में हर रोज 15 से 30 हजार लोग संक्रमित पाए जा रहे हैं। मंगलवार को 17 हजार 117 कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। 18 मरीजों की मौत हो गई, जबकि 17 हजार लोग ठीक भी हुए। हॉन्गकॉन्ग में प्रशासनिक दायरे में आने वाले इस देश में हर रोज 12 से 20 हजार लोग संक्रमित पाए जा रहे हैं। मंगलवार को यहां कुल 14 हजार 982 लोग संक्रमित पाए गए हैं। मंगलवार को पेरू में आठ हजार कोरोना संक्रमित पाए गए। 15 मौतें भी हुईं। अब तक यहां कुल 44 लाख से ज्यादा लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। रूस में रोज पांच से दस हजार लोग संक्रमण की चपेट में आ रहे हैं। मंगलवार को 57 मरीजों की मौत भी हो गई। रूस में 2.17 करोड़ से ज्यादा लोग अब तक संक्रमित हो चुके हैं। इनमें 2.11 करोड़ लोग ठीक हो गए, जबकि 3.93 लाख से ज्यादा मरीजों की मौत हो गई। अभी 2.11 लाख मरीज ऐसे हैं।

बोल्सोनारो समर्थकों को संभाल पाए, तभी तो ब्रिक्स को समय दे पाएंगे लूला

ब्रासीलिया।

ब्राजील के निर्वाचित राष्ट्रपति लुइज इनेसियो लूला दा सिल्वा ने मंगलवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन से फोन पर बातचीत की। इस बारे में जानकारी खुद लूला ने एक ट्विट के जरिए दी। इसमें उन्होंने बताया कि पुतिन के साथ उनकी ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) समूह में नई जान भरने के बारे में बातचीत हुई। लूला राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान ब्रिक्स के संस्थापक सदस्य थे। इस बार राष्ट्रपति चुनाव से पहले उन्होंने कहा था कि नए कार्यकाल में उनका एक प्रमुख एजेंडा ब्रिक्स को दुनिया के एक प्रमुख मंच के रूप में स्थापित करना होगा। लूला अक्तूबर में ब्राजील के राष्ट्रपति चुने गए। वे अगले एक जनवरी को कार्यभार संभालेंगे। लेकिन यहां कई राजनीतिक पर्यवेक्षकों की राय है कि इस बार लूला के लिए स्थितियां अनुकूल नहीं हैं। देश के अंदर उन्हें कई बड़ी चुनौतियों से जूझना होगा। इसके बीच वे ब्रिक्स या किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी के लिए कितना वक्त निकाल पाएंगे, यह सवाल कायम है।

लूला के सामने सबसे बड़ी चुनौती निवर्तमान राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के उग्र समर्थकों को संभालने की होगी। बोल्सोनारो के समर्थकों ने अभी तक यह नहीं माना है कि उनके नेता चुनाव हार चुके हैं। चुनाव परिणाम आने के बाद से लगातार वे सेना मुख्यालय में प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान सेना से मांग की गई है कि वह लूला को राष्ट्रपति बनने से रोकने के लिए खुद सत्ता संभाल ले। बोल्सोनारो के एक बुजुर्ग समर्थक ने कहा- 'बोल्सोनारो की चुनाव सभाओं में भारी भीड़ जुटी। जबकि चुनाव दूसरा व्यक्ति चुनाव जीत गया। यह कैसे संभव है यह धोखाधड़ी है, जो साबित हो चुकी है।' लूला के चुनाव जीतने के बाद यह उम्मीद जगी अब ब्राजील एक बार फिर से पर्यावरण संरक्षण की नीतियों को महत्त्व देगा, देश में गैर-बराबरी बढ़ाने वाली नीतियों को पलटा जाएगा और विदेशी मोर्चे पर अपनी पुरानी भूमिका को वापस हासिल कर पाएगा। पुतिन के साथ बातचीत में लूला ने कहा कि अब ब्राजील विश्व मंच पर फिर से लौट आया है और वहां अपनी जिम्मेदारियों को निभाएगा।

आतंकवाद की गिरफ्त में पाकिस्तान, आतंकियों ने फिर पुलिस चौकी पर किया हमला

पेशावर।

पाकिस्तान के पेशावर में बुधवार तड़के एक पुलिस चौकी पर आतंकवादियों ने हमला किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि तोपों से लैस आतंकवादियों ने पेशावर के अचिनी इलाके में पुलिस चौकी पर हमला किया। हालांकि, हमले में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई के बाद आतंकवादी मौके से फरार हो गए।

बीते दिन ही दर्जनों हथियारबंद आतंकवादियों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के दक्षिण वजीरिस्तान जिले में एक पुलिस थाने पर हमला किया। आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकियों ने अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हमले तेज कर दिए हैं। टीटीपी के पुलिस थानों पर हमलों के बाद पूरे प्रांत में पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रांत में स्थिति की निगरानी की जा रही है। पुलिस पर इस तरह के हमलों को रोकने के लिए सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

गौरतलब है कि मंगलवार को कम से कम 50 आतंकवादियों ने दक्षिण वजीरिस्तान के वाना में पुलिस थाने पर धावा बोल दिया। आतंकवादी गोला-बारूद और हथियार उठा ले गए थे। सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में एक आतंकवादी मारा गया था, जबकि एक पुलिसकर्मी घायल हुआ था। बाकी आतंकी भागने में सफल रहे। फिलहाल इलाके में तलाशी अभियान जारी है। इससे पहले, सोमवार को इस अशांत क्षेत्र में एक सैन्य वाहन को निशाना बनाकर आत्मघाती हमला किया गया था, जिसमें कम से कम चार सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। इसी तरह, रविवार को आतंकवादियों ने दक्षिण वजीरिस्तान जिले की सीमा से सटे लाकी मरवत में बरगई पुलिस थाने पर हमला किया, जिसमें कम से कम चार पुलिसकर्मी मारे गए थे।

पंजाब प्रांत की सियासी रस्साकशी के नतीजे से तय होगी देश की सियासत

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान की सियासत में फिलहाल सबका ध्यान पंजाब प्रांत पर टिका हुआ है। समझा जाता है कि वहां चल रही सियासी और संवैधानिक रस्साकशी का जो नतीजा होगा, उससे पूरे देश की राजनीति प्रभावित होगी। पंजाब की प्रांतीय असेंबली के स्पीकर सिबतै खान ने गवर्नर के निर्देश का उल्लंघन कर वहां एक बड़ा संवैधानिक संकट खड़ा कर दिया है। पंजाब के गवर्नर ने मुख्यमंत्री परवेज इलाही के खिलाफ पेश किए गए अविश्वास प्रस्ताव पर बुधवार को मतदान कराने का निर्देश दिया था। लेकिन सिबतैन खान ने इसे मानने से इनकार कर दिया। उन्होंने गवर्नर के कदम को गैर-कानूनी बताया। उन्होंने दावा किया कि सदन का सत्रावसान नहीं हुआ है, इसलिए गवर्नर का नया सत्र बुला कर अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान करने का निर्देश देना असंवैधानिक है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाले सत्ताधारी गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक एलायंस (पीडीएम) ने इलाही सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। इलाही पाकिस्तान मुस्लिम लीग (क्यू) के नेता हैं, जो

इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थन से सरकार चला रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपनी सरकार वाली दो राज्यों की असेंबलियों को 23 दिसंबर को भंग कराने का एलान कर रखा है। पीडीएम की रणनीति उसके पहले इलाही सरकार को गिरा देना है। इस वर्ष अप्रैल में इमरान खान की सरकार गिर गई थी। तब से वे तुरंत आम चुनाव कराने की मांग को लेकर आंदोलन चला रहे हैं।

इसी मांग पर जोर डालने के लिए उन्होंने अपनी दो प्रांतीय सरकारों को गिराने और वहां की असेंबलियों को भंग कराने की रणनीति अपनाई है। दूसरी प्रांतीय सरकार खैबर पख्तूनवा प्रांत की है। इमरान खान ने मंगलवार को संविधान विशेषज्ञों के साथ बैठक की। संविधान विशेषज्ञों के एक हिस्से की राय है कि अगर स्पीकर अपने रुख पर अड़े रहे, तो गवर्नर इलाही सरकार को बर्खास्त कर असेंबली को नया मुख्यमंत्री चुनने का निर्देश दे सकते हैं।

देउबा के नेता बनने से एक अनिश्चय टला, लेकिन दहल के रुख पर कयास जारी

काठमांडो।

प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के नेपाली कांग्रेस संसदीय दल का नेता चुन लिए जाने से सत्ताधारी गठबंधन में एक अनिश्चिय खत्म हुआ है। लेकिन गठबंधन में शामिल दूसरे सबसे बड़े दल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) के नेता पुष्प कमल दहल के रुख को लेकर कयासों का दौर अभी जारी है।

नेपाली कांग्रेस में अनिश्चिय मंगलवार को उस समय बढ़ गया था, जब पार्टी महासचिव गगन थापा ने संसदीय नेता पद के चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी का पर्चा भर दिया। हालांकि थापा उन नेताओं में हैं, जो पहले से इस पद पर दावा जता रहे थे, लेकिन वे सचमुच प्रधानमंत्री देउबा को चुनौती देंगे या नहीं, इसको कर पहले कयास लगाए जा रहे थे। थापा के पर्चा भर देने के कारण बुधवार को संसदीय दल में मतदान करना पड़ा।

मतदान से यह जाहिर हुआ है कि नेपाली कांग्रेस में देउबा की जड़ें फिलहाल मजबूत हैं। 89 सदस्यीय संसदीय दल में देउबा को 64 वोट मिले। गगन थापा सिर्फ 25 वोट हासिल कर पाए। इस चुनाव परिणाम के साथ यह साफ हो गया है कि अब देउबा ही नेपाली कांग्रेस की तरफ से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार हैं।

अब सारी निगाहें दहल पर टिक गई हैं। खबरों के मुताबिक दहल इस बात पर अड़े हुए हैं कि पांच दलों के गठबंधन की तरफ से सरकार का नेतृत्व करने का मौका पहले उन्हें दिया जाए। नेपाली कांग्रेस और माओइस्ट सेंटर में इस बात पर सहमति बनी है कि दोनों पार्टियां पांच साल के कार्यकाल में ढाई-ढाई साल तक सरकार का

नेतृत्व करेंगी। लेकिन पहले यह मौका किसको मिलेगा, इस पर अभी तक मतभेद बना हुआ है। जबकि राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने राजनीतिक दलों या गठबंधनों से कहा है कि वे अधिकतम 25 दिसंबर तक सरकार बनाने का अपना दावा पेश कर दें।

पर्यवेक्षकों की निगाह प्रमुख विपक्षी दल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के नेता केपी शर्मा ओली के रुख पर भी टिकी हुई है। बताया जाता है कि पूर्व प्रधानमंत्री ओली की प्राथमिकता सत्ताधारी गठबंधन को तोड़ना है। इसके लिए यह संभव है कि वे दहल को प्रधानमंत्री बनाने की पेशकश कर दें।

यूएमएल के संसदीय दल के नेता पद का चुनाव भी बुधवार सुबह हुआ। ओली सर्व सम्मति से नेता चुन लिए गए। बीते 20 नवंबर को हुए संसदीय आम चुनाव में यूएमएल को 78 सीटें मिली हैं। इस तरह अगली संसद में वह दूसरी सबसे बड़ी पार्टी होगी। माओइस्ट सेंटर को 32 सीटें मिली हैं।

विश्लेषकों के मुताबिक सिर्फ यूएमएल और माओइस्ट सेंटर के पास उतनी सीटें नहीं हैं, जिससे वे सरकार बना सकें। उनकी सरकार तभी बन पाएगी, जब वे कुछ और दलों को अपने पाले में लाने में सफल रहें। माओइस्ट सेंटर के अंदरूनी सूत्र मीडिया से बातचीत में यह दावा कर चुके हैं कि कुछ छोटे दलों ने दहल को सरकार बनाने के लिए समर्थन देने का वादा किया है। इस बीच एक कयास यह है कि ओली और दहल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड सोशलिस्ट) के नेता माधव कुमार नेपाल को राष्ट्रपति बनाने की पेशकश कर उनकी पार्टी का समर्थन हासिल कर सकते हैं। उस स्थिति में वे 'कम्युनिस्ट एकता' कायम करने का दावा भी अपने समर्थकों के सामने पेश कर पाएंगे।

राहुल की गहलोत कैबिनेट को पैदल चलने की नसीहत पर कटारिया बोले

यात्रा से विकास होता हो तो मैं भी साथ चलूंगा

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सीएम गहलोत को महीने में एक बार कैबिनेट के साथ 15 किलोमीटर पैदल चलने की नसीहत पर भाजपा ने निशाना साधा है। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि राहुल गांधी यात्रा निकाल रहे हैं, वो ईमानदारी से बताएं कि इस लवाजमे में कितने आम लोग उनसे मिल कर अपनी समस्या बता पा रहे हैं। पैदल यात्रा निकालने से विकास नहीं होता। पैदल चलने से विकास हो तो मैं भी उनके साथ पैदल चलूंगा। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि राहुल गांधी को पहली बार पैदल चलने का आनंद आया होगा। लेकिन, इस भीड़ में कितने आम लोग राहुल गांधी तक अपनी समस्या लेकर पहुंचे होंगे। सरकारी लवाजमे के बीच जब कांग्रेस के कार्यकर्ता और नेता ही उनसे मिलने तक नहीं पहुंच पा रहे थे, ऐसे में आम जनता कैसे अपनी समस्या राहुल गांधी तक पहुंचा रही है, जरा राहुल गांधी बताएं? कटारिया ने कहा कि राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से अपनी कैबिनेट के साथ महीने में 15 दि पैदल चलने के लिए कहा है, लेकि क्या पैदल चलने से विकास होगा? आम जनता से मिलना है और अगर उनकी समस्या का समाधा करना है तो सीधे जनता से संवाद करने की जरूरत है। इस तरह से सरकारी लवाजमे और लाखों के खर्चों के बीच यात्रा निकालने से आम जनता को कोई लाभ नहीं होगा और ना ही विकास होगा। कटारिया ने कहा कि अगर पैदल चलने से विकास होता है तो मैं भी राहुल गांधी के साथ पैदल चलता हूं। यह सब बेकार की बातें हैं। अगर सच्चे म से चलो जनता की समस्याओं को समझने के लिए तो फिर सरकारी लवाजमे को छोड़ो और बिना लवाजमे के चलो तो कई चीजों की जानकारी वास्तविकता में सामने आती है। उन्होंने कहा कि यह तो सिर्फ एक तरह से दिखावा मात्र है और जहां पर सरकार है वहां तो सरकारी लवाजमे पर करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। कॉरपेट पर जरूर घुमा दिया, लेकि इससे आम जनता की पीड़ा का समाधा नहीं हुआ। अलवर में जहां पर राहुल गांधी ने यात्रा की वहां पर सबसे ज्यादा नाबालिग बच्चियों के साथ में दुष्कर्म की घटनाएं हुईं और वहां पर पुलिस ने एफआर लगाई। वहां पर कौ सा दुष्कर्म पीड़िता का पिता आकर राहुल गांधी से मिला और उनसे कह दिया कि मेरी बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ। सीएम गहलोत की 500 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर देने की घोषणा पर नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि पहले गहलोत ये बताए जो घोषणा उन्होंने पहले की उनका क्या हुआ। ये सिर्फ सिर्फ चुनावी घोषणा है। सीएम अब तक 4 बजट पेश कर चुके हैं। ऐसी क्या मजबूरी रही है कि 4 वर्ष बाद चुनावी साल नजदीक आते ही अब जाकर गरीबों की चिंता सताई? क्या ये फैसला दो साल पहले नही लिया जा सकता था। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि पिछले 4 साल में गहलोत लगातार ऐसी घोषणाएं कर रहे हैं। इसी क्रम में 500 रुपए में बीपीएल परिवारो को सिलैंडर देने की घोषणा की। जनता इ 4 सालों में गहलोत की तकनीक को भी पहचा गई है। इसमें यह स्पष्ट नहीं किया गया कि केंद्र की 200 रुपए की सब्सिडी शामिल है या इसके अतिरिक्त है। गौरतलब है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को अलवर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्था मंत्रिमंडल के मंत्रियों को सड़कों पर देखा जाना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से यह सुनिश्चित करने करने के लिए कहा कि उनके मंत्रिमंडल के सदस्य लोगों की समस्याओं को बेहतर ढंग से समझने और उनकी शिकायतों के निवारण के लिए राज्य के 33 जिलों में महीने में एक बार कम से कम 15 किमी पैदल चलें। उन्होंने राजस्था सरकार से यात्रा का अनुकरण करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा था कि महीने में एक बार पूरे मंत्रिमंडल को राजस्था की सड़कों पर चलना चाहिए। आप सभी ने दिखा दिया है कि आप एक दि में 25 किमी तक चल सकते हैं। 25 किमी नहीं, कम से कम 15 किमी पैदल चलें, तभी आप जनता की समस्याओं और मुद्दों से रू-ब-रू होंगे।

भाजपा-कांग्रेस दोनों ने लूटा देश को : वृंदा करात

उदयपुर (हिंस)। माकपा पोलित ब्यूरो सदस्य एवं पूर्व सांसद वृंदा करात ने कहा है कि देश को आजाद हुए 75 वर्ष पूरे होने पर अमृत काल महोत्सव मनाया जा रहा है, लेकि अमृत देश के पूंजीपतियों, लुटेरों, भ्रष्टाचारियों, दलालों, अपराधियों के हिस्से में आ रहा है और आम जनता, मजदूर, किसान, आदिवासी, नौजवान, महिलाओं के हिस्से में विष आ रहा है। वे बुधवार को उदयपुर के शिराली भव में पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों ने मिलकर देश को लूटा है। उन्होंने कहा कि लाल झंडा चुनावी ताकत में कमजोर हो सकता है, लेकि देश में आज भी उम्मीद लाल झंडा ही है। उन्होंने कहा कि माकपा उदयपुर, डूंगरपुर जिले में अभिया चला कर आम जनता, किसानों, आदिवासियों के मुद्दे पर आंदोल खड़ा करेगी।

ग्रामीण क्षेत्रों की जमीनी हकीकत से अनभिज्ञ है एलजी प्रशासन : अमित कपूर

जम्मू (हिंस)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और जम्मू प्रांत के उपाध्यक्ष अमित कपूर ने बुधवार को एलजी प्रशास पर जम्मू-कश्मीर में जमीनी हकीकत से अनभिज्ञ होने का आरोप लगाते हुए कहा कि नौकरशाही केंद्र शासित प्रदेश में भारत सरकार की विकासात्मक नीतियों को लागू करने में पूरी तरह से विफल रही है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित कपूर ने जम्मू में एक संवाददाता सममेल को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने शहरी क्षेत्रों सहित ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की धीमी गति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आजादी के सात दशकों के बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों में उचित सड़क संपर्क, बिजली की नियमित आपूर्ति, स्वच्छ पेयजल की अपूर्ति का अभाव है। इसके अलावा आदिवासी और अनुसूचित जाति की आबादी अधिकारियों के पक्षपाती दृष्टिकोण का सामना कर रही है जिन्हें ग्रामीण क्षेत्रों के विकास का काम सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं है और समूचे राज्य में लोग अघोषित बिजली कटौती का सामना करने को विवश हैं। उन्होंने कहा कि लोग पारंपरिक राजनीतिक दलों की लापरवाही और अहंकारी नौकरशाही के कारण परेशा हैं और कई समस्याओं का उनको सामना करना पड़ रहा है। वहीं नौकरशाही का जमीनी स्तर पर लोगों से कोई संबंध नहीं है जिससे लोगों में एलजी प्रशास के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है। अमित कपूर ने आगे कहा कि इस स्थिति में सरकार में लोगों के खोए हुए विश्वास को बहाल करने के लिए जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराना आवश्यक है। कपूर ने कहा कि जो अधिकारी दावा करते हैं कि विकास हर नुक्कड़ पर पहुंच गया है उन्होंने एलजी को गुमराह किया है।

पुलिस ने रोका, फिर से मूसेवाला के परिजनों से मिले पूर्व सीएम चन्नी

चंडीगढ़ (हिंस)। विदेश से लौटे पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने गायक सिद्धू मूसेवाला के परिजनों के साथ मुलाकात की है। इस मुलाकात से पहले ही मानसा पुलिस ने उन्हें कहा कि अगर वह यहां आते हैं तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जिसे लेकर मानसा में रातभर तनाव की स्थिति बनी रही। मानसा पुलिस ने उन्हें एक पुराने केस में समन किया है। चरणजीत सिंह चन्नी ने मूसेवाला के पिता के साथ एक फोटो पोस्ट की है। उन्होंने परिवार को आश्वास दिया कि वह हमेशा परिवार के साथ हैं। मूसेवाला को इंसाफ दिलवाने के लिए वह हरसंभव कोशिश और संघर्ष करेंगे। चन्नी ने कहा कि जब वह मानसा आ रहे थे तो उन्हें मानसा पुलिस का फो आया कि वह मानसा आएं, उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। यदि मानसा आना है तो मूसेवाला के घर रात को नहीं रुकेंगे। चन्नी ने कहा कि वह रात मूसेवाला के परिजनों के पास ही रुके हैं। चन्नी ने कहा कि जब वह सिद्धू मूसेवाला के साथ विधानसभा चुनाव के दौरा मौजूद थे तो आम आदमी पार्टी ने चुनाव आयोग में झूठी शिकायत दर्ज करवाई थी। जो मामला उ पर दर्ज किया गया था, वह झूठा है। मूसेवाला की मौत के बाद अब पुलिस चाला पेश कर रही है। यह चाला सिद्धू मूसेवाला और उ पर है।

पंजाब के स्कूलों में 25 दिसंबर से होंगी सर्दी की छुट्टियां

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में घने कोहरे के चलते सरकार ने जहां बुधवार से स्कूलों के समय में बदलाव कर दिया है। वहीं, अब राज्य के सभी स्कूलों में 25 दिसंबर से सर्दी की छुट्टियों का ऐला कर दिया गया है। यह छुट्टियां एक जनवरी 2023 तक रहेंगी। इस संबंध में सभी समूह जिला शिक्षा अधिकारियों, स्कूल प्रिंसिपल समेत वेबसाइट के माध्यम से भी सूचना दी गई है। आदेशों के अनुसार पंजाब में सभी सरकारी, प्राइवेट, एडिड और मान्यता प्राप्त स्कूलों में अवकाश रहेंगे। बीते 5 दि से पंजाब में बड़ी घनी धुंध के चलते विभिन्न जिलों में जानलेवा सड़क हादसे हुए हैं।

विकास-कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं : डीसी नेहा सिंह

कार्य में देरी करने वाले ठेकेदारों को दिए जाएं नोटिस

पलवल (हिंस)। जिला सचिवालय के द्वितीय तल पर स्थित अपने कार्यालय में हथी खंड के गांवों के खेतों में जलभराव को लेकर बुधवार को जिला उपायुक्त नेहा सिंह ने समीक्षा बैठक की। डीसी नेहा सिंह ने विभिन्न एजेंडा बिंदुओं पर की गई प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त नेहा सिंह ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से कार्यसूची में शामिल हथी खंड के गांव स्यारौली, कानौली, मंडकौला, मढनाका, जनचौली, बीघावली आदि विभिन्न गांवों के खेतों से भरे हुए पानी की निकासी के संबंध में अब तक की गई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए कड़ निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वे कार्य में देरी करने वाले ठेकेदारों को नोटिस दिए जाएं। विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि वे आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि किसानों के खेतों जल भराव की समस्या को जल्द से जल्द दूर किया जाए। सभी लंबित कार्यों को समयबद्ध तरीके से शीघ्र पूरा करें। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे मंडकोला से शिलानी तथा स्यारौली से कानौली के सड़क मार्ग को बनाने में आ रही बाधाओं को दूर कर शीघ्र कार्य शुरू करें। इसके अलावा पलवल-हथी मार्ग के कार्य में बिजली के खम्भों के कारण आ रही रूकावट को भी अतिशीघ्र दूर कर कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता को निर्देश दिए कि वे हथी में बनाए जा रहे विश्राम गृह के निर्माण कार्य को जल्द पूरा करवाएं। उन्होंने बिजली विभाग व सिंचाई विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही कर पानी निकालने के उद्देश्य से स्थापित नलकूपों के लिए विद्युत कनेक्श प्रदा करने के कड़े निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम लक्ष्मीनारायण, सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता एसपी गर्ग, एसडीओ राजेश कुमार, नसीम अहमद, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के कार्यकारी अभियंता संदीप दलाल, लोक निर्माण विभाग (बी एंड आर) के कार्यकारी अभियंता नरेंद्र यादव, बीडीपीओ नरेश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

ईडी ने फ्यूचर मेकर कंपनी की 81 करोड़ 70 लाख की संपत्ति की अटैच

हिसार (हिंस)। ईडी ने हिसार में निवेशकों से धोखाधड़ी करने वाली फ्यूचर मेकर कंपनी की 81 करोड़ 70 लाख की चल और अचल संपत्ति अटैच की है। इस संपत्ति में बैंक बैलेंस, लैंड, फ्लैट, शॉप, जवेलरी शामिल है। यह संपत्ति प्रांजिल बत्रा से संबंधित है जो कि फ्यूचर मेकर लाइफ केयर प्राइवेट लिमिटेड हिसार का सॉफ्टवेयर मैनेजर था। सूत्रों के मुताबिक इस केस में अब तक 343 करोड़ 60 लाख रुपए की प्रोपर्टी अटैच हो चुकी है। प्रांजिल बत्रा ने अपने जानकारों के खाते में पैसा ट्रांसफर किया था। कंपनी का सीएमडी हिसार के गांव सीसवाल का राधेश्याम था। फ्यूचर मेकर कंपनी निवेश करने और दो नए लोगों को जोड़ने पर 24 महीने तक 1500-1500 रुपए देने का वादा करती थी। इसमें निवेश करने की राशि 7500 रुपए थी। इसके बदले कंपनी जुड़े हुए मेंबर को 10 हजार रुपए के प्रोडक्ट देने का वादा करती थी। फ्यूचर मेकर का शुरुआती दावा ही झूठा साबित हुआ। यह कंपनी हर्बल खेती, वज बढ़ाने, त्वचा संबंधी रोगों सहित करीब 41 तरह के प्रोडेक्ट बेचती थी। वर्ष 2017 में कंपनी पिरामिड स्कीम लेकर आई थी। कंपनी देश के विभिन्न राज्यों में लाखों लोगों से करोड़ों रुपयों का निवेश करवाया। कंपनी का फ्रॉड 2018 में सामने आया, जब उस वर्ष तेलंगाना पुलिस ने एफआईआर के आधार पर फ्यूचर मेकर के निदेशक राधेश्याम और अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया। यहीं नहीं, आरोपियों की तलाश में तेलंगाना पुलिस ने हिसार में भी छापेमारी की। इस मामले में ईडी ने जब जांच की तो सामने आया कि प्रांजिल बत्रा फ्यूचर मेकर का सॉफ्टवेयर चलाता था। इसी दौरा उसने फ्यूचर मेकर के खातों से 50 करोड़ से अधिक की हेराफेरी की। हेराफेरी को फर्जी आईडी बनाकर और अपने जानकारों के खाते के जरिए अंजाम दिया। इसके साथ ही शैल कंपनियों के माध्यम से इ रुपयों को घुमाया गया। प्रांजिल बत्रा ने अलग अलग जगह संपत्ति, आभूषण खरीद लिए। अधिक नेटवर्क वाली शैल कंपनियों के शेयर भी खरीदे। पुलिस के अनुसार, जांच में सामने आया कि मामले में अभियुक्त लोगों की बहला-फुसलाकर फ्यूचर मेकर कंपनी में रुपए लगवा देते और इसके बाद अन्य रिश्तेदारों, परिचतों को जोड़ते।आरोप है कि कंपनी ने तो किसी को कोई प्रोडक्ट दिया रुपए दिए। कंपनी के एमडी, प्रमोटर व अन्य के खिलाफ पूरे देश में 20 से अधिक मामले दर्ज है। इसी मामले में ईडी ने संपति अटैच की है।

बेटी के साथ कुएं में कूदे मां-बाप, तीनों की मौत

पाली (हिंस)। रोहट थाना क्षेत्र के सांझी गांव में ती साल के बेटे की मौत का ऐसा सदमा लगा कि मां-बाप ने बेटे के शव और मासूम बेटी के साथ कुएं में छलांग लगा दी। कुछ मिनटों में परिवार के चार सदस्यों की मौत से गांव में हड़कंप मच गया। परिवार में अब केवल आठ साल की बेटी बची है। एसएचओ उदय सिंह ने बताया कि सांझी गांव के रहने वाले किसा भलाराम मेघवाल (30) के 3 साल के बेटे भीमाराम की कुछ दिनों से तबीयत खराब थी। वह अपनी पत्नी मीरा (23) और 4 साल की बेटी नगीना के साथ बुधवार को बेटे को डॉक्टर को दिखाने रोहट गया था। रास्ते में ही 3 साल के बच्चे की तबीयत ज्यादा खराब हो गई और उल्टी करने लगा। थोड़ी देर में ही उसकी मौत हो गई। बेटे की अचानक मौत से पति-पत्नी का हाल बुरा हो गया। बेटे के शव को हाथों में लेकर रोने लगे। छोटे भाई के नहीं उठने पर और माता-पिता को रोते देख बेटी भी माता-पिता से लिपटकर रोने लगी। बेटे की मौत का गम दोनों सह नहीं कर पाए। डिप्रेश में आकर वह बेटे के शव और बेटी को लेकर गांव के पास के कुएं में कूद गए। आस-पास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद चारों के शवों को बाहर निकाला। शवों को रोहट हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

हरियाणा सरकार ने प्राध्यापकों की भी लगाई पीपीपी में ड्यूटी अध्यापक संगठनों ने किया विरोध

चंडीगढ़ (हिंस)। एक तरफ हरियाणा के स्कूलों व कॉलेजों में परीक्षाएं शुरू होने जा रही हैं तो दूसरी तरफ सरकार ने अध्यापकों व प्राध्यापकों को गैर शैक्षणिक कार्यों में झोंक दिया है। अध्यापकों की परिवार पहचा पत्र (पीपीपी) सत्याप के लिए ड्यूटियां लगाए जाने के बाद बुधवार को उच्चतर शिक्षा विभाग के निदेशक ने एक पत्र जारी करके कॉलेज प्राध्यापकों को भी इस काम में लगा दिया है। इम्तिहा के दिनों में शिक्षा विभाग द्वारा यह कार्य सौंपने को लेकर अध्यापकों संगठनों ने विरोध भी शुरू कर दिया है। प्रदेश में शिक्षकों की कमी पहले से है। राज्य की सभी डाइट में अध्यापकों के योगा कैंप चल रहे हैं। हरियाणा स्कूल लेक्चरर्ज एसोसिएश (हसला) ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर पढ़ाई के दिनों में शिक्षकों की ड्यूटी परिवार पहचा पत्र से संबंधित शिविरों में लगने पर रोष जाहिर करते हुए तुरंत प्रभाव से ड्यूटी हटाने की मांग की है। शिक्षा विभाग द्वारा पिछले सप्ताह स्कूली अध्यापकों की पीपीपी वेरीफिकेश के लिए ड्यूटी लगाई गई थी। इस बीच बुधवार को उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी कालेज प्रिंसिपल को एक पत्र जारी करके कालेज स्टाफ की ड्यूटी विद्यार्थियों का पीपीपी पर डाटा अपडेट करने की ड्यूटी लगाई है। प्रदेश सरकार ने राज्य के सभी कालेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का डाटा 31 दिसंबर तक पीपीपी के साथ लिंक करने के निर्देश जारी किए हैं। जिसके चलते कॉलेज प्राध्यापकों को निर्देश जारी किए गए हैं कि वह परिवार पहचा पत्र में विद्यार्थियों के परिजनों का कारोबार, जन्म तिथि, वार्षिक आय आदि के बारे में वास्तविक जानकारी क्रिड विभाग के पोर्टल पर अपलोड करें। इसके लिए कालेज एनएसएस वालंटियरों, यूथ रेडक्रास क्लबों व अन्य संगठनों की मदद ले सकते हैं। इसके अलावा अगर जरूरत पड़ती है तो कॉलेज प्रबंधक घर-घर जाकर भी डाटा वेरीफाई करवाने की व्यवस्था करवाएंगे। इस बीच हसला के राज्य प्रधा सतपाल सिंधु ने बताया कि एक और जहां शिक्षा के अधिकार अधिनियम के अनुसार शिक्षकों से चुनावों जैसे राष्ट्रीय हित के कार्यों के अलावा कोई भी गैर शैक्षणिक कार्य लिए जाने पर जोर दिया गया है। वहीं सरकार विभिन्न गैर शैक्षणिक कार्यों में शिक्षकों को निरंतर झोंक रही है। हाल ही में पूरे हरियाणा में शिक्षकों को परिवार पहचा पत्र की आय सत्याप जैसे कार्यों में विभिन्न शिविरों के माध्यम से लगाया हुआ है।

डीजी बीएसएफ ने जैसलमेर के सम पार्क का किया उद्घाटन

जैसलमेर (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक पंकज कुमार सिंह ने बुधवार को जैसलमेर में सम पार्क का उद्घाटन किया। सम पार्क में पर्यटक बीएसएफ जवानों के जंग की कहानियां सुनने के साथ साथ अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर, सीमा चौकियों और बंकर्स के नजारे देख सकेंगे। इसके अलावा ऊंटों पर गश्त, हथियार प्रदर्शनी, फॉटो गैलरी, ऑडियो-विडियो विजुवल हॉल, फायरिंग सिमुलेटर, चिल्ड्र पार्क, केफेटेरिया, सॉवनियर शॉप आदि गतिविधियों को इस पार्क में आमज के लिए खोला गया है। बॉर्डर नहीं जाने वाले पर्यटक पार्क में बॉर्डर की वास्तविकता से रुबरु हो सकेगें। डीजी पंकज सिंह ने जैसलमेर दौरे के दौरा राजस्था सीमांत के सभी वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर राजस्था फ्रंटियर की वर्तमा सुरक्षा व्यवस्थाओं के बारे में विस्तृत विचार-विमर्श किया।

गरीबों को रसोई गैस के साथ सस्ता आटा, तेल, दालें व मसाले भी उपलब्ध कराएगी राज्य सरकार : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि आज पूरा देश बढ़ती महंगाई से परेशा है। राजस्था की जनता को महंगाई की मार से राहत पहुंचाने और रसोई का खर्च कम करने के लिए राज्य सरकार विभिन्न पहलुओं पर अध्यय करा रही है। साथ ही, आर्थिक रूप से कमजोर और वंचितों के लिए खाद्य किट वितरण की योजना तैयार की जा रही है। इसमें आटा, तेल, दालें व मसाले शामिल किए जाएंगे। राज्य सरकार ऐसे परिवारों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर भी उपलब्ध कराएगी, ताकि मासिक खर्च कम हो सके। गहलोत बुधवार को दौसा में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। गहलोत ने कहा कि राजकीय क्षेत्र के साथ निजी क्षेत्र में भी रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। युवाओं को बेरोजगारी से राहत देने के लिए राज्य सरकार द्वारा लगभग 1.35 लाख सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। सवा लाख पदों पर भर्ती प्रक्रियाधी है। आगामी दिनों में एक लाख नौकरियां देने की घोषणा की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि हाल ही में इन्वेस्ट राजस्था समिट में 11 लाख करोड़ रुपए के एमओयू हुए हैं, जिसमें भी युवाओं को नौकरियां मिलेंगी। इससे पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत बुधवार सुबह दौसा सर्किट हाउस पहुंचे। यहां उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित निराकरण के लिए जिला कलक्टर कमर चौधरी को निर्देश दिए। इसके बाद गहलोत ने खादी बाग का भी अवलोक कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। यहां भी उन्होंने आमज से संवाद किया और स्थानीय समस्याओं के समाधा के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरा राजस्व मंत्री रामलाल जाट, खा एवं पेट्रोलियम मंत्री प्रमोद जै भाया, महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश, कृषि विपण राज्यमंत्री मुरारी लाल मीणा, जिला प्रमुख हीरालाल सैनी, बंजर भूमि एवं चरागाह विकास बोर्ड के अध्यक्ष संदीप चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं आमज उपस्थित थे।

विश्व में युद्ध की नहीं, प्रेम की आवश्यकता : दलाई लामा

गुरुग्राम (हिंस)। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित 14वें दलाई लामा बुधवार को गुरुग्राम पहुंचे। यहां उन्होंने एक निजी स्कूल में पहुंचकर देश-दुनिया के नाम अपना संदेश दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को भी उन्होंने शांत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ धर्म गुरू दलाई लामा द्वारा दीप प्रज्वल एवं तिब्बती बौद्ध धर्म के मूल मंत्र के उच्चारण से हुआ। दलाई लामा ने भाइयों और बहनों से उद्बोध शुरू करते हुए विद्यार्थियों से इस पवित्र धरती को एक शांति और बंधुत्व से पूर्ण बनाने के लिए उनका आह्वान किया। इस विश्व में प्रेम की आवश्यकता है, युद्ध की नहीं, यह कहते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को करुणा, दया, सत्य और अहिंसा आदि भावनाओं को ग्रहण करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा की जड़ें बहुत गहरी हैं। इस देश के हर बच्चे को पाश्चात्य शिक्षा के साथ-साथ पारंपरिक भारतीय शिक्षा को भी ग्रहण करना चाहिए। करुणा पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि करुणा ही हमें आंतरिक शक्ति प्रदा करती है। करुणा और अहिंसा का साथ निभाते हुए ही हमें मानसिक संतोष की प्राप्ति होती है। उन्होंने बताया कि वे सभी धर्मों का सम्मा करते हैं। सभी की शिक्षाओं का मा रखते हुए सत्य, अहिंसा और करुणा का पाल करते हैं। अपनी जिज्ञासाओं को शांत करने के लिए विद्यार्थियों ने दलाई लामा से प्रश्न भी पूछे, जिनका उन्होंने उत्साह और प्रेम के साथ जवाब देते हुए बच्चों की जिज्ञासाओं को शांत किया। इस दौरा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए, जिसमें सम्राट अशोक के जीव पर आधारित नृत्य नाटिका ऐक्यम प्रस्तुत किया गया।

Notice

No. DTGW/DEV/22/2022-23/2

EoIs are invited from reputed legal entities meeting the eligibility criteria for "**Empanelment of Institute/ Organization/ Agency for providing coaching to students of Tea Tribe's community for preparing them on various competitive examinations (Civil Services, Staff Selection Commission Examinations/ Other Govt Job related exams, Medical & Engineering entrance etc.)**"through ***assamtenders.gov.in only.***

Data Sheet –

Sl	Particular	Data
1	Issue Date	22-12-2022 at 2.30 pm
2	Submission Deadline	11-01-2023, upto 4.30 P.M
3	Inviting authority/The intender	Director, Tea Tribes Welfare, Assam
4	Bid Validity	120 Days; Once empanelled validity shall be ruled by empanelment validity.
5	Opening date & time	12-01-2023 at 12.30Noon
6	Empanelment Contract Period	1 years from the date of empanelment with provision for extension.
7	Per-bid Query submission Deadline & address	27-12-2022 upto 12 Noon Email:- directoratetgtoffice00@gmail.com
8	Processing Fee (Non-refundable)	Rs 500/-through online mode.
9	Mode and Venue for Submission	Online through ***assamtenders.gov.in***
10	Mode of Evaluation	EoI Evaluation only for Empanelment.

Detailed document may be downloaded from-***assamtenders.gov.in***
The intender reserves the right to accept/reject any or all EoIs without assigning any reason thereof. No minimum amount of work is guaranteed to any bidder and this Notice is to empanel ready pool of competent agencies for the required services/ work.

Sd/-
Director,
Tea Tribes Welfare,
Assam, Rupnagar, Guwahati-32

-- Janasanyog/C/16598/22

बजट है तो मुफ्त की योजनाओं पर कोई सवाल नहीं उठाता, पर पारदर्शी होनी जरूरी, बोलीं वित्त मंत्री

नई दिल्ली।
केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है सब्सिडी व मुफ्त योजनाओं को प्रासंगिक बनाया जाना चाहिए। उन्होंने इस योजनाओं पर राज्य सरकारों के संबंध में कहा कि यदि आप अपने बजट में इसे रखने और इसके लिए प्रावधान करने में सक्षम हैं, अगर आपके पास राजस्व है और आप पैसा देते हैं, तो किसी को आपत्ति क्यों होगी शिक्षा, स्वास्थ्य व किसानों को दी जाने वाली कई सब्सिडी पूरी तरह से उचित है। उन्होंने कहा कि मीडिया रिपोर्ट्स हैं कि एक राज्य सरकार अपने कर्मचारियों के वेतन का समय पर भुगतान करने में असमर्थ है और कर्मचारी विरोध कर रहे हैं। ऐसा शायद इसलिए है क्योंकि पूरे देश में कई अलग-अलग विज्ञापन देने के लिए धन का उपयोग किया जा रहा है।

यह समझना महत्वपूर्ण है कि जब आप अपने तरीकों में पारदर्शी होते हैं, तो इस पर (मुफ्त योजनाओं) पर कोई बहस नहीं होती है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में कहा, हम केवल पारदर्शिता और वैधानिक राजकोषीय नियमों का अनुपालन चाहते हैं। कोविड महामारी के दौरान सरकार द्वारा लक्षित ढंग से राहत प्रदान करने के कारण भारत की अर्थव्यवस्था के मंदी में नहीं जाने का दावा करते हुए बुधवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कंपनी क्षेत्र को करों में राहत देने की नीति का बचाव किया और कहा कि यह राहत इस क्षेत्र को कोई तोहफा नहीं है, बल्कि विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए है। वित्त मंत्री ने उच्च सदन में अनुदान की अनुपूरक मांगों और अतिरिक्त मांगों पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि सरकार के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों को संसद में लाना कोई असामान्य बात नहीं है। उन्होंने कहा कि कई बार सरकार एक बार, कभी दो बार या तीन बार यह मांग लेकर आती है। वित्त मंत्री ने कहा कि इस बार सरकार मौजूदा वित्त वर्ष में पहली बार अनुपूरक मांगें लेकर आयी है और यह बजट अनुमान के मात्र आठ प्रतिशत के बराबर है। उन्होंने कहा कि पूर्व में यह बीस प्रतिशत तक लाया गया था और उसे देखते हुए तथा वर्तमान में वैश्विक स्तर पर मंदी को देखते हुए यह, मांगों की कोई बहुत बड़ी राशि नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

अब तक 5.62 लाख टन चीनी का निर्यात, फॉक्सकॉन के लिए 357 करोड़ मंजूर

नई दिल्ली। भारत ने चालू विपणन वर्ष 2022-23 में अब तक 5.62 लाख टन चीनी का निर्यात किया है।सरकार ने नवंबर में चालू विपणन वर्ष (अक्तूबर-सितंबर) के लिए 60 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी थी। ऑल इंडिया शुगर ट्रेड एसोसिएशन के मुताबिक, यूएई को सर्वाधिक निर्यात किया गया। बांग्लादेश दूसरे स्थान पर रहा। सरकार ने उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत एपल की आपूर्तिकर्ता फॉक्सकॉन इंडिया के लिए 357.17 करोड़ की मंजूरी दी है।पैजेट इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए भी 58.29 करोड़ की राशि मंजूर की है। यह पहला मौका है, जब सरकार ने देश में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण से जुड़ी किसी वैश्विक कंपनी के लिए योजना को मंजूरी दी है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अक्तूबर में शुद्ध रूप से 12.94 लाख अंशधारक जोड़े हैं। इनमें 7.28 लाख नए सदस्य पहली बार ईपीएफओ के सामाजिक सुरक्षा दायरे में आए हैं। पेरोल आंकड़ों की सालाना आधार पर तुलना से पता चलता है कि अक्तूबर, 2022 में अंशधारकों की संख्या 21,026 बढ़ी है। देश के छह प्रमुख शहरों में बेहतर मांग के कारण इस साल कार्यालय स्थल की कुल मांग 52 फीसदी बढ़कर 5.01 करोड़ वर्ग फुट पर पहुंचने की उम्मीद है। कोलियर्स इंडिया के अनुसार, अगले साल कार्यालय स्थलों की मांग घटकर 3.5 से 3.8 करोड़ वर्ग फुट रह रहने का अनुमान है। चंदामामा पत्रिका के पूर्व मालिकों पर एक साल की पाबंदी सेबी ने चंदामामा पत्रिका के पूर्व मालिकों पर एक साल के लिए शेयर बाजार में शामिल होने पर प्रतिबंध लगाया है।

एयरपोर्ट पर कम होगी भीड़: लैपटॉप, मोबाइल और चार्जर निकाले बिना होगा सिक्योरिटी चेक; जल्द लगेंगे नए स्कैनर

नई दिल्ली। एयरपोर्ट पर पैसेंजर अब जल्द ही अपने बैग से लैपटॉप, मोबाइल और चार्जर निकाले बिना एंट्री कर सकेंगे। लंबी कतारों को खत्म करने के लिए ऐसा किया जा रहा है। आने वाले दिनों में एयरपोर्ट पर नए मॉडर्न स्कैनर्स लगाए जाएंगे, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस को बैग से निकाले बिना ही स्क्रीनिंग हो जाएगी। इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है। एविएशन सिक्योरिटी रेगुलेटर ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी के डायरेक्टर जनरल जुल्फिकार हसन ने कहा कि बेहतर सुरक्षा के साथ-साथ यात्री सुविधा के लिए नई तकनीकों की जरूरत है। उम्मीद की जा रही है कि बीसीएएस एक महीने के भीतर टेक्निकल नॉर्म जारी करेगा। इसके बाद एयरपोर्ट पर बैग स्क्रीनिंग के लिए आधुनिक उपकरण लगाए जाएंगे। रिपोर्ट में सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स के एक अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि दिल्ली एयरपोर्ट सहित सभी एयरपोर्ट को केबिन बैग की स्क्रीनिंग के लिए लगाई गई मशीनों में सुधार करने की आवश्यकता है।

एक महीने के निचले स्तर पर फिसला बाजार, सेंसेक्स 635 अंक टूटा , निफ्टी 18200 के नीचे

नई दिल्ली। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को हरे निशान पर खुलने के बावजूद बाजार में बिकवाली दिखी और दिन का कारोबार खत्म होते-होते यह एक महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया। बुधवार को सेंसेक्स सेंसेक्स 635 अंकों की गिरावट के साथ 61067 पर और निफ्टी 186 अंकों की गिरावट के साथ 18199 पर बंद हुआ। बैंक निफ्टी में 741 अंकों की गिरावट दर्ज की गई और यह 42617 पर बंद हुआ। सबसे अधिक गिरावट मिडकैप शेयरों में दिखी और ये शेयर 1.58 फीसदी तक टूटे। हालांकि बाजार में फार्मा, हेल्थकेयर और आईटी इंडेक्स में मजबूती दिखी। फार्मा इंडेक्स में 2.39 फीसदी, हेल्थकेयर इंडेक्स में 2.67 फीसदी और आईटी इंडेक्स में 0.53 प्रतिशत की तेजी रही। बुधवार के कारोबारी सेशन में बाजार में सनफार्मा, एचसीएल, टीसीएस, टेक महिंद्रा और नेस्ले इंडिया टॉप गेनर्स रहे, जबकि इंडसइंड बैंक, मारुति सुजुकी और अल्ट्राटेक सीमेंट में सबसे ज्यादा गिरावट दिखी।

क्यों खास हैं मिलेट क्रॉप्स

उनका उत्पादन व निर्यात बढ़ाने के लिए क्या कर रही सरकार

नई दिल्ली।
संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट क्रॉप वर्ष घोषित किया है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से यह कदम भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल के बाद उठाया गया है। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह ने कहा है कि वर्ष 2023 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलेट्स का उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे मिलेट्स क्रॉप के उपयोगी प्रसंस्करण और फसल चक्र के बेहतर इस्तेमाल के साथ इसे खाद्य सामग्री का अहम अंग बनाने में मदद मिलेगी। इससे पहले भाजपा संसदीय दल की बैठक के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट इयर मनाने के साथ-साथ इस वर्ष लोगों को इसके बारे में जागरूक करना चाहिए। कृषि मंत्री ने नरेंद्र तोमर ने कहा, कृषि मंत्रालय और किसानों के कल्याणकारी संगठन मिशन मोड में मिलेट का उत्पादन बढ़ाने और उपभोग बनाने के लिए केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और अन्य संबंधित संगठनों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने अप्रैल 2018 में मिलेट को एक पोषणकारी अनाज घोषित किया था। मिलेट्स क्रॉप को पोषण मिशन अभियान में भी शामिल गया है।

हाल ही में विदेशी मंत्री एस जयशंकर ने भी कोरोना महामारी, जलवायु परिवर्तन और अन्य चुनौतियों के बीच मिलेट्स के महत्व को रेखांकित किया था। जयशंकर ने बताया था कि मिलेट्स खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। एशिया और अफ्रीका मिलेट्स के प्रमुख उत्पादक और

उपयोगकर्ता देश हैं। भारत के अलावे नाइजर, सूडान और नाइजीरिया मिलेट्स के प्रमुख उत्पादन देश हैं। मंगलवार को सरकार ने सांसदों के लिए एक लंच का भी आयोजन किया, जिसमें मिलेट्स से बने भोजन ही मीनू का हिस्सा थे। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से वर्ष 2023 को मिलेट इयर की पहचान देने की पहल के तहत मंगलवार को संसद में सांसदों के लिए एक स्पेशल लंच तैयार किया गया जहां रागी, ज्वार व बाजरे से बनी रोटियां परोसी गई। इसके अलावे ज्वार और बाजरे से बनी खिचड़ी भी सांसदों को परोसी गई। इस स्पेशल लंच के लिए शेफ विशेष तौर कर्नाटक से मंगाए गए थे। उन्होंने रागी से इडली और डोसा तैयार किए।

क्या हैं मिलेट क्रॉप्स इन्हें क्यों कहा जाता है सूपर फूड - मोटे अनाज वाली फसलों जैसे ज्वार, बाजरा, रागी, सावां, कंगनी, चीना, कोदो, कुटकी और कुट्टू को मिलेट क्रॉप कहा जाता है। मिलेट्स को सुपर फूड कहा जाता है, क्योंकि इनमें पोषक तत्व अपेक्षाकृत अधिक मात्रा में होते हैं। भारतीय मिलेट्स अनुसंधान संस्थान के अनुसार, रागी यानी फिंगर मिलेट में कैल्शियम की मात्रा अच्छी होती है। प्रति 100 ग्राम फिंगर मिलेट में 364 मिलिग्राम तक कैल्शियम होता है। रागी में आयरन की मात्रा भी गेहूं और चावल से ज्यादा होती है।

क्या है मिलेट क्रॉप्स की खासियत - मिलेट्स क्रॉप को कम पानी की जरूरत होती है। उदाहरण के लिए गन्ने के पौधे को पकाने में 2100 मिलीमीटर पानी की ज़रूरत होती है। वहीं, बाजरा जैसी मोटे अनाज की फसल के एक पौधे को पूरे जीवनकाल में 350 मिलीमीटर पानी चाहिए होता है। रागी को 350 मिलीमीटर पानी की आवश्यकता होती है तो ज्वार को 400 मिलीमीटर पानी चाहिए होता है। जहां दूसरी फसलें पानी की कमी होने पर पूरी तरह बर्बाद हो जाती हैं, वहीं, मोटा अनाज की फसल खराब होने की स्थिति में भी पशुओं के चारे के काम आ सकती हैं।

मिलेट क्रॉप्स को बढ़ावा देने के लिए क्या कर रही है सरकार - बीते 5 दिसंबर को एपीईडीए और सरकार की ओर से नई दिल्ली में मिलेट्स-स्मार्ट न्यूट्रिटिव फूड कान्क्लेव का आयोजन किया गया। इसमें किसान उत्पादक संगठनों, स्टार्टअप्स, निर्यातकों, बाजरा आधारित मूल्य वर्द्धित उत्पादों के उत्पादक जैसे आपूर्ति शृंखला के हितधारक शामिल हुए। कॉन्क्लेव के दौरान भारतीय बाजरा तथा बाजरा आधारित उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए प्रदर्शनी तथा बी2बी बैठकों का भी आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त, लक्षित देशों के भारत में स्थित विदेशी मिशनों के राजदूतों और संभावित आयातकों को भी रेडी टू इट बाजरा उत्पादों सहित विभिन्न बाजरा केंद्रित उत्पादों को प्रदर्शित करने और बी2बी बैठकों को सुगम बनाने के लिए कॉनक्लेव में आमंत्रित किया गया।

भारत के बाजरा निर्यात संवर्धन कार्यक्रम को दुनिया के 72 देशों ने दिया है समर्थन - भारत के बाजरा निर्यात संवर्धन कार्यक्रम को दुनिया के 72 देशों ने समर्थन दिया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने 5 मार्च, 2021 को घोषणा की थी कि वर्ष 2023 अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष (आईवाईओएम) के रूप में मनाया जाएगा। सरकार वर्तमान में भारतीय बाजरा और इसके मूल्य वर्धित उत्पादों को विश्व भर में लोकप्रिय बनाने तथा इसे एक जन आंदोलन बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रयासरत है। बाजरा को बढ़ावा देने की सरकार की सुदृढ़ नीति के अनुसार, विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों को भारतीय बाजरा की ब्रांडिंग व प्रचार, अंतर्राष्ट्रीय शेफों तथा डिपार्टमेंटल स्टोर्स, सुपरमार्केट्स तथा हाइपरमार्केट्स जैसे संभावित खरीदारों की पहचान करने के लिए बी2बी बैठकों और प्रत्यक्ष करारों का आयोजन किया जा रहा है।

बायजू अभिभावकों के नंबर खरीद दे रहा धमकी

कोर्स नहीं खरीदा तो बच्चों का भविष्य होगा बर्बाद

BYJU'S

नई दिल्ली।
एडटेक कंपनी बायजू की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। स्कूली बच्चों और अभिभावकों के साथ गलत व्यवहार को लेकर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने कंपनी के सीईओ बायजू रवींद्रन को नोटिस किया है। अब एनसीपीसीआर के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने बायजूस के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के प्रमुख ने मंगलवार को कहा कि उसे पता चला है कि बायजू कथित तौर पर बच्चों और उनके माता-पिता के फोन नंबर खरीद रहा है और उन्हें धमकी दे रहा है कि अगर उन्होंने उनके पाठ्यक्रम नहीं खरीदे तो उनका भविष्य बर्बाद हो जाएगा।

बायजू के सीईओ को समन किए जाने पर कानूनगो ने मंगलवार को कहा कि हमें 2021 की दिसंबर में शिकायत मिली थी कि कम आय वाले बच्चों के माता-पिता के पास बायजू के सेल्स एग्जीक्यूटिव जाते हैं और ईएमआई बोलकर फाइनेंस कंपनी से माता-पिता की क्षमता से अधिक के लोन दिलवाते हैं।

उन्होंने कहा कि हाल में ही हमने एक रिपोर्ट पढ़ी जिसमें बायजू के काम करने का तरीका नहीं बदला था जिसके बाद हमने बायजू के सीईओ को समन किया है और आयोग के सामने 23 दिसंबर को पेश होने के लिए कहा है जिसके बाद हम आगे की कार्रवाई तय करेंगे। उन्होंने कहा कि हमें पता चला है कि यह बच्चों का साइकोमेट्रिक टेस्ट करते हैं और बच्चों के माता-पिता को डराते हैं कि उनके बच्चों का भविष्य खत्म हो चुका है। वे बच्चों को ऐसा नहीं कह सकते। हमें जहां जैसी त्रुटि मिलेगी हम वैसी कार्रवाई करेंगे।

बायजू रवींद्रन को समन

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने बीते शुक्रवार को बायजू के सीईओ बायजू रवींद्रन को छात्रों के लिए अपने पाठ्यक्रमों की गलत बिक्री में कथित कदाचार को लेकर समन जारी किया और 23 दिसंबर को आयोग के समक्ष पेश होने को कहा है। इससे पहले बाल अधिकार निकाय ने एक मीडिया रिपोर्ट का संज्ञान लिया था, जिसमें दावा किया गया था कि एडटेक कंपनी स्कूली बच्चों के परिवारों को भारी कर्ज लेने के लिए मजबूर कर रही है। इसके लिए छात्रों पर भी मानसिक रूप से दबाव बनाया जाता है।

दावा भुगतान में भारत विकसित देशों से आगे, औसत क्लेम सेटलमेंट 83 फीसदी, सिर्फ इटली आगे

नई दिल्ली।
प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) की समय-समय पर आलोचना होती रहती है, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि इस मामले में भारत का प्रदर्शन कई बड़े देशों की तुलना में बेहतर है। 2016-17 से 2021-22 के बीच यानी 6 साल में इस योजना के तहत किसानों को किए गए दावा भुगतान में भारत का औसत 83.20 फीसदी रहा। इस अवधि में ब्राजील में औसत दावा भुगतान 83.08प्रतिशत, चीन में 59प्रतिशत, थाइलैंड में 76.28प्रतिशत, तुर्किये में 55.73 फीसदी और अमेरिका में 78 फीसदी रहा। इस मामले में सिर्फ इटली ही भारत से आगे रहा, जहां औसत दावा भुगतान 98 फीसदी रहा। चीन, अमेरिका और भारत की वैश्विक फसलों के बीमा प्रीमियम में 70 फीसदी हिस्सेदारी है।

सबसे खराब स्थिति में भी 99 फीसदी भुगतान - सबसे खराब स्थितियों में 2019 में अमेरिका में औसत दावा भुगतान 94 फीसदी रहा। तुर्किये में यह 66 फीसदी व भारत में 2018 में 99 फीसदी रहा। कृषि

बीमा विशेषज्ञ डॉ. कोल्ली एन. राव ने बताया कि लोगों को यही बताया जाता है कि प्रीमियम कितना भरा और कितने दावे का भुगतान हुआ। इन्हीं दो कारकों पर भरोसा करना ठीक नहीं है। इसकी दो वजह हैं। पहला, प्रीमियम सीजन की शुरुआत में किसानों के पंजीकरण के समय ही तय होता है।दूसरा, दावे का पता फसल कटाई के महीनों बाद चलता है। डॉ. कोल्ली बताते हैं कि बीमा से जुड़ी कई लागतें होती हैं। उन्होंने बताया, इस योजना पर नजर रखने के लिए प्रमुख जिलों में 50-100 कर्मचारी तैनात किए जाते हैं। हर ब्लॉक और तहसील में एक कार्यालय में एक कॉल सेंटर व उसकी मार्केटिंग के अपने खर्च होते हैं।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। कंपनियों ने दिल्ली और चेन्नई में तेल के दामों में बदलाव किया है। सरकार ने कुछ महीने पहले पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटाने की घोषणा की थी। देश में तेल के दाम लगभग पिछले चार महीने से ज्यादा समय से स्थिर हैं। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 106.31 रुपये व डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 106.03 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

ट्विटर-फेसबुक-अमेजन के बाद गूगल में भी छंटनी अल्फाबेट 10 हजार कर्मचारियों को निकालेगी

नई दिल्ली।
तमाम टेक कंपनियों की तरह अब गूगल की पितृ कंपनी अल्फाबेट ने भी 10 हजार कर्मचारियों की छंटनी की योजना बनाई है। इसके तहत कमजोर प्रदर्शन वाले कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। इसके पहले मेटा, अमेजन, ट्विटर समेत कई टेक कंपनियां छंटनी शुरू कर चुकी हैं। अब तक गूगल ने छंटनी की मंशा प्रकट नहीं की थी, लेकिन अल्फाबेट के जरिए वह भी ऐसी अन्य कंपनियों में शुमार हो गई है। निकाले जाने वाले 10 हजार कर्मचारी अल्फाबेट के कुल स्टाफ के 6 फीसदी होंगे। जानकारी

के अनुसार गूगल ने कर्मचारियों की नई रैंकिंग व परफार्मेंस योजना बनाई है। इस नए सिस्टम से गूगल के प्रबंधकों को नए साल से हजारों कर्मचारियों की छंटनी करने में मदद मिलेगी। इस योजना के तहत गूगल के प्रबंधक कर्मचारियों की ग्रेडिंग कर उन्हें बोनस व अन्य अनुदान भी रोक सकेंगे। पूर्व में आई रिपोर्ट में कहा गया था कि कंपनी स्टाफ को जॉब कट की दशा में नई भूमिका के लिए आवेदन करने के लिए 60 दिन का वक्त देगी।

नए सिस्टम के तहत प्रबंधकों को अपने स्टाफ के 6 फीसदी या मोटे तौर पर 10 हजार उन कर्मचारियों की पहचान करने को कहा गया है, जिनका प्रदर्शन कमजोर है। अनुमान के अनुसार अल्फाबेट के कुल कर्मचारी 1.87 लाख है। अमेरिकी सिक्युरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन की रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल अल्फाबेट ने अपने कर्मचारी को औसत रूप से करीब 2,95,884 डॉलर वेतन भत्तों के रूप में प्रदान किए थे। जॉब कट की खबरों के बीच कहा गया है कि अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई कंपनी की क्षमता में 20 फीसदी इजाफा चाहते हैं। कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन की बात करें तो अल्फाबेट को तीसरी तिमाही में 13.9 अरब डॉलर का मुनाफा हुआ है।

बैंकों का पैसा डकारने वालों में मेहुल चोकसी सबसे आगे, 50 लोगों के पास 92,570 करोड़ रुपये बकाया

नई दिल्ली।
भगोड़े हीरा कारोबारी और गीतांजलि जेम्स के मालिक मेहुल चोकसी ने विभिन्न बैंकों के 7,848 करोड़ रुपये का कर्ज नहीं चुकाया है। भारत के लोन लेकर नहीं चुकाने वालों की लिस्ट में वह टॉप पर है। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में घोटाला सामने आने से पहले ही 2018 में वह अपने भतीजे नीरव मोदी के साथ भारत से भाग गया था। चोकसी तब से एंटीगुआ में रह रहा है, जहां उसके पास उस देश की नागरिकता है। आंकड़ों के अनुसार, देश के शीर्ष 50 विलफुल डिफॉल्टर्स पर 31 मार्च, 2022 तक भारतीय बैंकों का सामूहिक रूप से 92,570 करोड़ रुपये बकाया था।

वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड द्वारा सोमवार को लोकसभा में साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, गीतांजलि जेम्स के मेहुल चोकसी के बाद अन्य बड़े डिफॉल्टर्स की सूची में एरा इंफ्रा इंजीनियरिंग (5,879 करोड़ रुपये), री एग्रो (4,803 करोड़ रुपये), कॉनकास्ट स्टील एंड पावर (4,596 करोड़ रुपये), एबीजी शिपयार्ड (3,708 करोड़ रुपये), फ्रॉस्ट इंटरनेशनल (3,311 करोड़ रुपये), विनसम डायमंड्स एंड ज्वैलरी (2,931 करोड़ रुपये), रोटोमैक ग्लोबल (2,893 करोड़ रुपये), कोस्टल प्रोजेक्ट्स (2,311 करोड़ रुपये) और जूम डेवलपर्स (2,147 करोड़ रुपये) का नाम है।

आंकड़ों से पता चलता है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) 8.9 लाख करोड़ रुपये से घटकर तीन लाख करोड़ रुपये रह गई हैं। आरबीआई की एसेट क्वालिटी रिव्यू के बाद ग्रॉस एनपीए में 5.41 लाख करोड़ रुपये की कमी आई है।

विलफुल डिफॉल्टर एक वित्तीय शब्द है जिसका उपयोग उन उधारकर्ताओं के लिए किया जाता है जिनके पास ऋणों की देनदारी है पर वे इसे नहीं लौटा रहे हैं। इन उधारकर्ताओं को बैंकों या अन्य वित्तीय संस्थानों की किसी भी सुविधा से वंचित कर दिया गया है। मंत्री ने यह भी कहा कि बैंकों ने 10.1 लाख करोड़ रुपये

का कर्ज बट्टा खाते में डाल दिया है यानी राइट ऑफ कर दिया है।

भारत का सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक भारतीय स्टेट बैंक 2 लाख करोड़ रुपये के लोन राइट ऑफ करने के साथ इस सूची में सबसे ऊपर है, इसके बाद पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) 67,214 करोड़ रुपये के साथ दूसरे स्थान पर है। निजी क्षेत्र के बैंकों में आईसीआईसीआई बैंक ने सबसे अधिक 50,514 करोड़ रुपये का कर्ज राइट ऑफ किया है, जबकि एचडीएफसी ने 34,782 करोड़ रुपये का कर्ज बट्टा खाते में डाला है। पिछले सप्ताह केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में कहा था कि एनपीए के संबंध में चार साल पूरे होने पर पूर्ण प्रावधान किए जाते हैं। उन्हें राइट ऑफ कर संबंधित बैंक की बैलेंस शीट से हटा दिया जाता है। रिजर्व बैंक से मिली जानकारी के अनुसार अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) ने पिछले पांच वित्त वर्ष के दौरान 10,09,511 करोड़ रुपये की राशि राइट ऑफ की है। हालांकि वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि राइट ऑफ किए गए कर्ज के कर्जदार पुनर्भुगतान के लिए उत्तरदायी बने हुए हैं और उनसे बकाया की वसूली की प्रक्रिया जारी है, ऐसे में बट्टे खाते में डाले जाने से कर्जदार को कोई फायदा नहीं होता है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भगोड़े कारोबारी मेहुल चोकसी के खिलाफ बीते शुक्रवार को ही अपना शिकंजा और कस दिया है। एजेंसी ने धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के लिए तीन और एफआईआर दर्ज की हैं। ये मामले पंजाब नेशनल बैंक के उप महाप्रबंधक की शिकायत पर दर्ज किए गए हैं। चोकसी और अन्य आरोपियों पर विभिन्न बैंक संघों से 6747.97 करोड़ रुपये का घपला करने का आरोप है। पहली एफआईआर में मैसर्स गीतांजलि जेम्स लिमिटेड की होल्डिंग कंपनी के निदेशक/प्रवर्तक मेहुल चीनूभाई चोकसी के खिलाफ शिकायत की गई है। इसके अलावा मैसर्स नक्षत्र ब्रांड्स लिमिटेड को क्रेडिट लिमिट को मंजूरी देने के लिए एक गारंटर, मैसर्स नक्षत्र ब्रांड्स लिमिटेड के निदेशक धनेश ब्रजलाल सेठ, अज्ञात सरकारी अधिकारियों को भी नामजद किया गया है। यह एफआईआर पंजाब नेशनल बैंक के नेतृत्व वाले बैंक संघ से 807.72 करोड़ की धोखाधड़ी का है।

दूसरी एफआईआर में गीतांजलि जेम्स लिमिटेड, इसके निदेशक मेहुल चीनूभाई चोकसी और धनेश, ब्रजलाल सेठ, कपिल माली राम खंडेलवाल, चंद्रकांत कानू करकरे, अज्ञात सरकारी अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई। यह शिकायत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के नेतृत्व वाले बैंक संघ से 5564.54 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात की है। शिकायत में कहा गया है कि आरोपी खातों में हेराफेरी करने, फंड को बेईमानी से निकालने और वास्तविक व्यापार लेनदेन के लिए स्वीकृत क्रेडिट सीमा का दुरुपयोग करने में शामिल रहे हैं।

अमिताभ ने दीवार के एक पल को किया याद

-केबीसी की शूटिंग खत्म होते ही पोस्ट की तस्वीरें

मुंबई(ईएमएस)। बालीवुड के बिग बी यानि अमिताभ बच्चन ने केबीसी की शूटिंग खत्म होते ही अपनी दीवार फिल्म को याद किया। बच्चन ने अपने निजी ब्लॉग पर कौन बनेगा करोड़पति सीजन 14 की शूटिंग खत्म होते ही कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने लिखा शो का आखिरी दिन और उनकी ओर से बधाई जो केबीसी को बनाने के लिए इतनी मेहनत करते हैं कि यह क्या है। उम्मीद है कि अगले साल फिर से वापसी करने के लिए विदाई या अलविदा .. और मेरी ओर से रिटर्न गिफ्ट .. एक पल दीवार की.. और भावनाएं। केबीसी का पहला सीजन 3 जुलाई 2000 को प्रसारित हुआ था और यह अमिताभ का टेलीविजन पर पहला कदम/शो था जिसे उन्होंने होस्ट किया था।अभिनेता ने अपने ट्विटर हैंडल को भी लिया और शो को अलविदा कह दिया। उन्होंने कहा टी 4495 - .. और यहाँ पाठ समाप्त होता है .. एक और महा प्रयास समाप्त होने जा रहा है और इस आशा के साथ की एक और न केवल प्राप्ति होगी बल्कि नई शुरूआत। ट्वीट के एक अन्य सेट में अभिनेता ने लिखा टी 4497 - एक को अलविदा और फिर से वापस आने की उम्मीद। टी 4496 - एक और दिन एक और चुनौती .. अपने ट्रेडमिल पर जीवन चलता रहता है ..अमिताभ कोलकाता इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2022 के उद्घाटन में शामिल हुए और भारतीय सिनेमा के इतिहास के बारे में बात की। जानकारी के अनुसार अभिनेता ने कहा शुरूआती समय से सिनेमा सामग्री में कई बदलाव हुए हैं। पौराणिक फिल्मों और समाजवादी सिनेमा से लेकर एंग्री यंग मैन के आगमन तक और ऐतिहासिकता के मौजूदा ब्रांड काल्पनिक राष्ट्रवाद में लिपटे हुए नैतिक पुलिसिंग के साथ इस श्रेणी ने दर्शकों को उस समय की राजनीति और सामाजिक सरोकारों को प्रतिबिंबित किया है।

कमाई में चौथे स्थान पर फिसला बॉलीवुड, रणबीर-आलिया की ब्रह्मास्त्र पार्ट वन : शिवा ने बचाई इज्जत

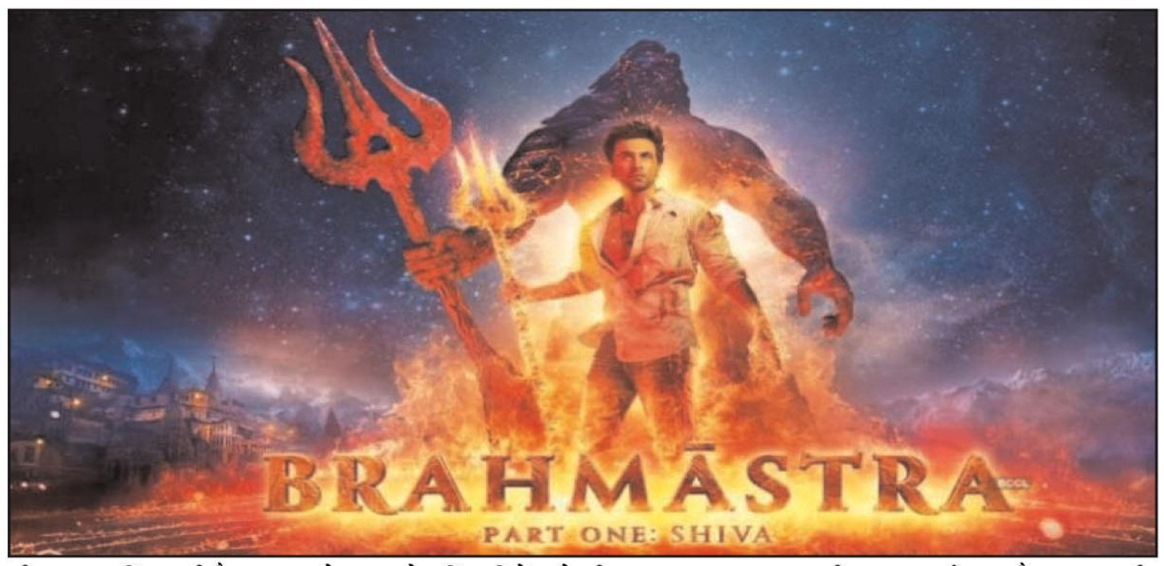

मुंबई (ईएमएस)। सन 2022 बॉलीवुड के लिए खास नहीं रहा। इस दौरान बॉलीवुड की कुछ ही फिल्में कमाल कर पाईं हैं। हॉलीवुड के बाद दुनिया की सबसे ज्यादा पॉपुलर इंडस्ट्री मानी जानी वाली बॉलीवुड की कमाई इस साल बेहद निराशाजनक रही है। बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। जबकि रीजनल सिनेमा ने इस साल जबर्दस्त प्रदर्शन किया। बाहुबली के शुरू हुआ साउथ फिल्मों का ट्रेंड इस साल भी जारी रहा। दक्षिण भारतीय फिल्मों ने इस साल बॉलीवुड को पीछे छोड़ ताबड़तोड़ कमाई की है। क्षेत्रीय सिनेमा ने इस साल कमाई के मामले में नंबर वन रहा है। कन्नड़ सिनेमा की फिल्में ने इस साल जमकर समां बांधा। संडलवुड के नाम से भी जाना जाने वाने कन्नड़ सिनेमा की फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 ने कमाई के मामले में सारे रिकार्ड तोड़ दिए। इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में केजीएफ चैप्टर 2 शामिल रही। इस फिल्म ने कन्नड़ सिनेमा को कमाई के मामले में पहले पायदान पर ला खड़ा कर दिया है। इस फिल्म ने दुनियाभर में कुल 1278 करोड़ रुपए कमाकर रिकॉर्ड कायम किया है। तेलुगू की फिल्में कई सालों से देखी जा रही थीं। हिंदी में डब होने के बाद टीवी पर तेलुगू फिल्मों की खास अहमियत रही है। इस साल तेलुगू सिनेमा ने कमाई के मामले में खास मुकाम हासिल कर लिया है। तेलुगू सिनेमा की फिल्म आरआरआर फिल्म ने कमाई के नए रिकॉर्ड बनाया है। भारत से लेकर अमेरिका तक इस फिल्म के संगीत और एक्शन पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं। एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 1155 करोड़ रुपए का व्यापार किया है। वहीं कमाई की दृष्टि से देखा जाए तो तमिल सिनेमा ने भी इस साल कमाल किया है। तमिल भाषा की फिल्म पोन्नियिन सेल्वन-1 लोगों को काफी पसंद आई है। साउथ के साथ इस फिल्म को पूरे देश में काफी देखा गया। साथ ही इस फिल्म ने कमाई के मामले में भी काफी कमाल कर दिया है। इस फिल्म ने वर्ल्ड वाइड 523.70 करोड़ रुपये की कमाई की है। इतनी कमाई करने वाली यह इस साल की तीसरी फिल्म बन गई है। इस साल बॉलीवुड के लिए काफी खराब प्रदर्शन रहा है। अगर रणबीर कपूर की फिल्म ब्रह्मास्त्र पार्ट वन : शिवा को छोड़ दिया जाए तो कोई भी फिल्म खास कमाल नहीं कर पाई है। हालांकि अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित यह फिल्म लोगों को काफी पसंद आई और बॉक्स ऑफिस पर कैश रजिस्टर भी जमकर दौड़ा। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट स्टारर इस फिल्म ने दुनियाभर में कुल 436.40 करोड़ रुपये की कमाई की है।

पाखी अपने पति को भेजती है धमकी भरा मैसेज

- अनुपमा और वनराज कर रहे झगड़े सुलझाने की कोशिश

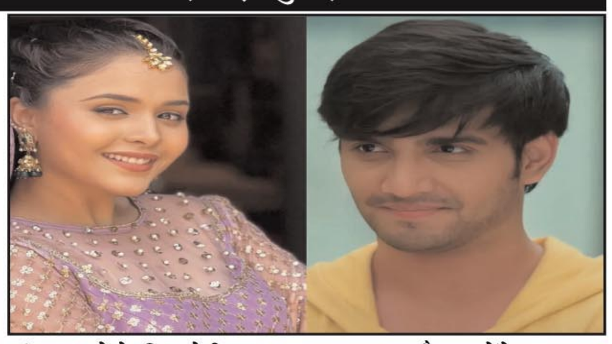

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म अनुपमा में दिलचस्प मोड़ आने वाला है। फिल्म में पाखी एक बड़ा कदम उठाने का फैसला करती है। पाखी अपने पति अधिक मेहता को धमकी भरा वॉयस मैसेज भेजती है कि अगर उसने उसे छोड़ा तो वह उसकी जान ले लेगी। यह देखा गया कि पाखी और अधिक दोनों लड़ रहे हैं वहीं अनुपमा और वनराज (सुधांशु पांडे) झगड़े को सुलझाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। मालूम हो कि फिल्म अनुपमा रूपाली गांगुली अभिनीत है। हालांकि ऐसा लगता है कि कुछ भी काम नहीं कर रहा है यहां तक कि अनुपमा को अनुज (गौरव खन्ना) द्वारा उन्हें और उनकी बेटी अनु (असमी देव) को नजरअंदाज करने के लिए दोषी ठहराया गया था। अब अनुपमा ने अपने वैवाहिक जीवन और अपनी छोटी बेटी अनु पर ध्यान देना शुरू करने का फैसला किया। वह उसे एक यात्रा के लिए बाहर ले जाती है और वे दोनों खेल खेलते हैं और एक साथ नृत्य करते हैं। दूसरी ओर पाखी के वॉइस मैसेज से अधिक डरा हुआ है। उन्होंने कहा तुम मुझसे दूर रहना चाहते हो तो ठीक है लेकिन मैं तुम्हारे बिना नहीं रह सकती। वह जोर देकर कहती हैं अगर मुझे कुछ होता है और मैं अपनी जान लेती हूं तो केवल आप ही जिम्मेदार होंगे। अधिक और उसका परिवार चिंतित हैं कि पाखी आगे क्या करेगी।

गणेश के साथ दोबारा काम करने को लेकर उत्साहित कियारा

कोरियोग्राफर गणेश आचार्य के साथ अभिनेत्री कियारा आडवाणी दोबारा काम करने को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जारिए इस खुशी को फैंस के साथ साझा किया है। दूसरी बार उनके साथ कार्तिक आर्यन अभिनीत आगामी फिल्म सत्यप्रेम की कथा में काम करेंगी। कियारा ने गोविंदा नाम मेरा की प्रतिक्रिया का जश्न मनाते हुए बिजली पर डांस करते हुए अपना और गणेश का एक वीडियो साझा किया। अभिनेत्री ने कहा द लेजेंड के साथ मैं बिजली के लिए मास्टरजी द्वारा कोरियोग्राफ किए जाने को लेकर बहुत उत्साहित थी। अब बस हम सत्य प्रेम की कथा के सेट पर कुछ बिजली जोड़ रहे हैं और हम साथ में अगले गाने की शूटिंग कर रहे हैं। कियारा ने अब अपनी आगामी फिल्म सत्यप्रेम की कथा की शूटिंग फिर से शुरू कर दी है जो समीर विदवान्स द्वारा निर्देशित एक म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। फिल्म 2023 में रिलीज होने वाली है। बता दे कि पहली बार कियारा ने गोविंदा नाम मेरा की बिजली में गणेश आचार्य के साथ काम किया था।

अर्जुन कपूर की फिल्म कुत्ते का मोशन पोस्टर जारी

-दर्शकों को मिलेगा एक्शन का तगड़ा डोज

मुंबई (ईएमएस)। मलाइका अरोड़ा के साथ के चलते हुए लगातार चचाओं में रह रहे अर्जुन कपूर की मकर संक्रांति के अवसर पर प्रदर्शित होने वाली फिल्म कुत्ते का मोशन पोस्टर जारी किया गया है। मोशन पोस्टर के साथ इसकी प्रदर्शन तिथि से भी पर्दा उठ गया है। इस फिल्म में अर्जुन कपूर के साथ तब्बू कोंकणा सेन शर्मा कुमुद मिश्रा राधिका मदान शार्दुल भारद्वाज और नसीरुद्दीन शाह मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन विशाल भारद्वाज के बेटे आसमान भारद्वाज कर रहे हैं। यह उनकी पहली बॉलीवुड डेब्यू फिल्म है। फिल्म में संगीत विशाल भारद्वाज का है और इसके बोल गुलजार ने लिखे हैं। अर्जुन कपूर ने फिल्म का मोशन पोस्टर शेयर करते हुए लिखा 1 हड्डी और 7 कुत्ते भसड़ शुरू होने दो। अर्जुन ने दूसरे पोस्ट में लिखा कमीनों की दुनिया के लालची कुत्ते.. फिल्म 13 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म के मोशन पोस्टर में जबरदस्त संवादों के साथ ही गोलियों की भी आवाज सुनाई दे रही है जिससे लगता है फिल्म में जबरदस्त एक्शन भी देखने को मिलने वाला है।आसमान भारद्वाज ने स्कूल ऑफ विजुअल आर्ट्स एनवाईसी से फिल्म मेकिंग का कोर्स किया है। पहली फिल्म निर्देशित करने से पहले आमसान भारद्वाज ने बतौर सहायक निर्देशक अपने पिता की फिल्मों सात खून माफ मटरू की बिजली का मंडोला और पटाखा में काम किया है। वहीं नायक बनने से पहले अर्जुन कपूर ने करण जौहर के बैनर की फिल्मों कल हो न हो और सलाम-ए-इश्क सरीखी फिल्मों में बतौर सहायक निर्देशक काम किया था। इन दोनों फिल्मों को निखिल आडवानी ने निर्देशित किया था जो उन दिनों करण जौहर के साथ जुड़े हुए थे। बता दें कि बालीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर की इस वर्ष एक मात्र फिल्म एक विलेन रिर्टन्स प्रदर्शित हुई थी जिसे दर्शकों ने सिरे से नकार दिया था।

जूही चावला की बेटी जाह्नवी मेहता भी लूट रही फैन्स का दिल

-एक्टिंग नहीं क्रिकेट में है ज्यादा दिलचस्पी

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड की सुपरस्टार जूही चावला के बाद उनकी बेटी जाह्नवी मेहता भी फैन्स का दिल लूट रही हैं। यह अलग बात है कि जाह्नवी को ग्लैमर की दुनिया ज्यादा पसंद नहीं है। जाह्नवी ने ग्लैमर की चमक धमक से दूरी बनाई हुई है। लेकिन जाह्नवी का दिल क्रिकेट के लिए धड़कता है। जाह्नवी करीब 12 साल की उम्र से ही क्रिकेट की दीवानी हैं। दिखने में जाह्नवी मेहता बिल्कुल मां की तरह ही खूबसूरत हैं। जाह्नवी की स्माइल 80 और 90 के दशक की जूही की याद दिलाती हैं। जूही कई बार दिए इंटरव्यूज में खुद यह बात बता चुकी हैं कि उनकी बेटी जाह्नवी को एक्टिंग में कोई दिलचस्पी नहीं है। जाह्नवी को किताबों का काफी शौक है और वो राइटर बनना चाहती हैं। जूही ने एक अपनी बेटी जाह्नवी के साथ खुद की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा था कि जाह्नवी जब छोटी बच्ची थी तभी से क्रिकेट पर जान छिड़कती हैं। एक वाकया याद करते हुए जूही ने बताया कि मुझे याद है कि जब जाह्नवी करीब 12 साल की थी तभी हम सभी लोग घूमने गए थे। जहां हम रुके थे उस होटल के कमरे में रखी टेबल पर क्रिकेट की ढेर सारी मैग्जीन्स पड़ी हुई थीं। इन मैग्जीन्स को जाह्नवी ने पूरा पढ़ डाला था। जूही ने लिखा कि मुझे ये देखकर हैरत होती थी कि कोई इतनी कम उम्र में क्रिकेट में ऐसी दिलचस्पी कैसे हो सकती है। हाल ही में जाह्नवी मेहता आईपीएल के ऑक्शन में नजर आईं थीं। जाह्नवी ने साथ शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान भी मौके पर मौजूद थे। आईपीएल ऑक्शन में जाह्नवी मेहता की खूबसूरती की भी जमकर तारीफ हुई थी। साथ ही आर्यन खान को जूनियर शाहरुख और जाह्नवी मेहता को जूनियर जूही भी कहा गया था। फैन्स ने सोशल मीडिया पर भी इसकी काफी चर्चा की थी। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेत्री और अपने समय की सुपरस्टार जूही चावला आज भी पर्दे पर अपनी एक्टिंग स्किल्स से लोहा मनवा रही हैं। एक समय था जब जूही की खूबसूरती के लाखों दीवाने हुआ करते थे। अब उनकी बेटी बालीवुड में हाथ आजमाने आ रही है।

कापा में भी साथ काम करेंगे पृथ्वीराज-कैलास

मलयालम सिनेमा स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन और जाने-माने निर्देशक शाजी कैलास आगामी एक्शन थ्रिलर कापा के लिए साथ-साथ काम करेंगे। कडुवा के शानदार प्रदर्शन के बाद दोनों की जोड़ी को दर्शक एक बार फिर से साथ में देखना चाहते हैं अब दर्शकों की ख्वाहिश पूरी हो गई। दोनों कापा में साथ में काम कर रहे हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन के अलावा कापा में आसिफ अली अपर्णा बालमुरली इंद्रांस और अन्ना बेन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को अपने धमाकेदार ट्रेलर के लिए खूब सराहना मिल रही है। कापा की पटकथा जीआर इंदुगोपन द्वारा लिखी गई है।

सोशल मीडिया पर ऐश्वर्या और रणवीर का वीडियो छाया

बॉलीवुड स्टार रणवीर और ऐश्वर्या राय बच्चन का एक वीडियो इंटरनेट पर छाया हुआ है। यह वीडियों प्रो कबड्डी लीग के फाइनल के वक्त का बताया जा रहा है। प्रो कबड्डी चैंपियनशिप मुंबई में आयोजित की गई थी। फीफा विश्व कप फाइनल के लिए कतर रवाना होने से पहले रणवीर भारत में पीकेएल फाइनल में अभिषेक बच्चन ऐश्वर्या और उनकी बेटी आराध्या बच्चन के साथ शामिल हुए थे। इस दौरान वह उससे बात करते समय उसकी नाक पर प्यारी सी चिकोटी काटती है। जिस पर रणवीर अपनी प्रतिक्रिया देते हैं इस क्लिप में ऐश्वर्या आराध्या और रणवीर की हंसी मजाक कर रहे हैं।

इसे एक चर्चा वेबसाइट में भी पोस्ट किया गया था। काले रंग की फ्लोरल जैकेट और टोपी पहने रणवीर बहुत अच्छे दिख रहे हैं वहीं अभिनेत्री ने पिंक पैंथर्स की सफेद जर्सी पहनी हुई है।

विवेक ओबेराय ने कहा, ''घर जैसा है पोखरा''

महराजगंज, (हि.स.)। बॉलीवुड फिल्म अभिनेता विवेक ओबेरॉय का परिवार इस समय एक सप्ताह के लिए नेपाल के पोखरा में है। वह गुरुवार को यहाँ पहुंचा था। परिवार यहाँ आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुआ और मंगलवार को सारंगकोट से पैराग्लाइडिंग की। स्काईलाइन पैराग्लाइडिंग की भुवनगहा मागर की टीम ने विवेक ओबेरॉय व उनके परिवार के 10 सदस्यों को पैराग्लाइडिंग कराई। वहां से उनका परिवार मझेरीपाटन में हिमालय गोल्फ कोर्स गया। यहाँ अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने पत्रकारों से बातचीत की और पोखरा को घर जैसा बताया। उन्होंने यहां के खाने की तारीफ करते हुए कहा कि भारत और नेपाल के बीच सदियों से ''रोटी और बेटी'' का रिश्ता है। हमारे सांस्कृतिक संबंध, नेपालियों के साथ सैकड़ों वर्षों से हैं, जिनके प्यार और विश्वास ने भी हमें सहज बना दिया है। मैं इस आतिथ्य के लिए नेपाली जनता का आभारी हूं। विवेक ने स्काईलाइन पैराग्लाइडिंग के मालिक भुवनगहा मागर के साथ पैराग्लाइडिंग का प्रशिक्षण लेने के लिए भविष्य में पोखरा आने की इच्छा जताई। ओबेरॉय के परिवार ने पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का भी दौरा किया। यहाँ से घोरपानी-पुनील और मुक्तिनाथ तक हेलीकॉप्टर से पहुंचने की योजना थी लेकिन खराब मौसम के कारण यह योजना सफल नहीं हो पाई।

सूडोकु नवताल- 6555

★★★✯☆ मध्यम

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6554 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्द पहेली -7619

1	2		3	■	4		5	6
7		■	8			■	9	
	■	■		■	10	11	■	
12		13	■	14				
■	■		■		■		■	■
15			16		■	17		18
	■	19		■	20	■	■	
21	22	■	23			■	24	
25				■	26			

बाएँ से दाएँ

1. तमाशा करने वाला-4
4. शेविंग, दाढ़ी बनाना-4
7. बेल, लतिका-2
8. मामला-3
9. स्तर, परत-2
10. भागना (अंग्रेजी-2)
12. गिरवी रखी वस्तु-2
14. सजदे में झुका हुआ-5
15. असंभव-5
17. खुदा की इबादत-3
19. फायदा, लाभ-2
21. क्रिकेट खिलाड़ी युवराज की प्रेमिका-2
23. मुस्लिम, यवनी-3
24. मोल, कीमत-2
25. स्वभाव, आदत-4
26. करतब, करिश्मा-4

ऊपर से नीचे

1. शमशीर, कृपाण-4
2. मां, मम्मी-3
3. नीयत, चरित्र-4
4. ज्वरताप-2
5. राय, वोट-2
6. आंदोलन, संग्राम-4
11. क्षारीय, चटपटा-4
13. आशियां, नीड़-4
14. नेत्र, आंखें-3
15. अनभिज्ञ-4
16. बचत, रिआयत-4
18. आवश्यकता-4
20. उन्माद-2
22. वोट-2
24. अस्थमा, श्वास संबंधी रोग-2

शब्द पहेली -7618 का हल

■	म	नु	हा	र	■	नी	■	■
■	हा	■	नि	■	म	र	घ	ट
भं	व	र	■	म	नो	ज	■	क
■	र	ज	त	■	का	■	ता	रा
म	■	नी	ल	क	म	ल	■	व
हा	ल	■	ब	■	ना	ह	क	■
व	■	आ	गा	र	■	र	वा	ना
त	क	रा	र	■	रा	■	य	■
■	■	म	■	त	ह	म	द	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि को राज्य में विधेयकों पर ईमानदार रुख को मिली सराहना

चेन्नई।

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के राज्य में कुछ विधेयकों पर सहमति रोकने के फैसले को संवैधानिक विशेषज्ञों और शिक्षाविदों का पूरा समर्थन मिला है। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली और एनएएलएसएआर यूनिवर्सिटी आफ लॉ के फाउंडर वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ रणबीर सिंह ने कहा, राज्यपाल का परम कर्तव्य संविधान को बनाए रखना है जबकि उनके पास सीमित विवेकाधिकार है और उन्हें आमतौर पर मंत्रिपरिषद की सलाह का पालन करना चाहिए, संविधान भारत के राष्ट्रपति और राज्यपाल को अनुमति देने या यहां तक कि विचार के लिए इसे सुरक्षित रखने की शक्ति देता है। एक विधेयक जो सीधे तौर पर सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के निर्णयों का खंडन करता है, संविधान की योजना से अलग है और संभावित रूप से असंवैधानिक है, राज्यपाल के लिए अनुच्छेद 200 के तहत शक्तियों का उपयोग करने के लिए असाधारण मामले का उदाहरण है।

विशेषज्ञों ने बताया है कि अतीत में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं, जहां राज्यपाल के हस्तक्षेप और उनके साहसी रुख के कारण कई विधेयक रुके हुए हैं।

2017 में, झारखंड की तत्कालीन राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू ने छोटानागपुर टेनेंसी एक्ट और संथाल परगना टेनेंसी एक्ट में विवादास्पद संशोधनों को सरकार को वापस लौटा दिया, क्योंकि इसे जनविरोधी माना गया था। तत्कालीन भाजपा राज्य सरकार ने बिल दोबारा न रखकर उनकी भावनाओं का सम्मान किया।

जुलाई 2022 में, जब वह भारत के राष्ट्रपति के रूप में चुनी गईं, तो द्रौपदी मुर्मू को मीडिया द्वारा दबाव में काम करने से इनकार करने वाली राज्यपाल के रूप में सम्मानित किया गया। 2016 में, जल्दबाजी में पारित कानून के कारण, कर्नाटक अपने शहरी क्षेत्रों में पार्कों, खेल के मैदानों और हरियाली को कम करने के गंभीर खतरे में था। तत्कालीन कर्नाटक के राज्यपाल वजुभाई वाला ने शहरी क्षेत्रों में आरक्षित हरित स्थान को कम करने की मांग करने वाले विधेयक को अपनी सहमति देने से इनकार कर दिया। गवर्नर वाला ने प्रसिद्ध रूप से कहा कि बिल नागरिक के आवश्यक बुनियादी अधिकारों को प्रभावित करता है। जिन विधेयकों को तमिलनाडु के राज्यपाल ने स्वीकृति नहीं दी है। उनमें टीएन विश्वविद्यालय विधेयक शामिल हैं, जो राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्तियों में राज्यपाल की भूमिका को कम करने का प्रयास करता है और तमिलनाडु आनलाइन गेमिंग और आनलाइन गेम विनियमन 2022 का निषेध विधेयक है।

वैध भारतीय गेमिंग प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए विवादास्पद गेमिंग बिल विदेशी सट्टेबाजी और जुआ आपरेटरों के खतरे को नियंत्रित करने के तरीके पर चुप है। यह अगस्त 2021 के मद्रास हाईकोर्ट के फैसले की पृष्ठभूमि में भी आता है, जिसने तमिलनाडु गेमिंग अधिनियम में किए गए एक संशोधन को रद्द कर दिया था, जिसने वैध घरेलू कंपनियों द्वारा पेश किए जाने वाले रम्मी और पोकर के आनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगा दिया था।

न्यूज ब्रीफ

बॉक्सिंग डे टेस्टः गाबा में दो दिन में मैच खत्म होने के बाद एमसीजी पर होंगी नजरें

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) में क्रिकेट आपरेशंस और शेड्यूलिंग के प्रमुख पीटर रोच ने कहा कि विशेष रूप से ब्रिस्बेन में गाबा में आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो दिन में मैच खत्म होने के बाद बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए पिच की प्रकृति को लेकर मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में क्यूरेटर को गवर्निंग बॉडी से कोई निर्देश नहीं मिला है। छह सत्रों में 34 विकेट गिरने के बाद आस्ट्रेलिया ने गाबा में अत्यधिक सीमिंग पिच पर छह विकेट से जीत दर्ज की, मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने पिच को औसत से नीचे की रेटिंग दी और स्थल को एक डिमेरिट अंक दिया, जिसे सीए द्वारा स्वीकार किया गया। रोच ने कहा, हम अपने सभी मैचों को यह देखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं कि हम चौथे दिन तक कैसे सही संतुलन बनाते हैं। हम कहते हैं कि जब मैच पांचवें दिन में जाता है तो निराश नहीं होना चाहिए, चौथे दिन मैच को देर तक जाने से मैच को लम्बा खींचने का मौका मिलता है। गाबा की पिच पर हुए विवाद का मतलब है कि बॉक्सिंग डे से शुरू होने वाली आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच एक समान प्रतियोगिता के लिए स्पॉटलाइट एमसीजी पर मजबूती से टिकी हुई है। एमसीजी की ड्रॉप-इन पिच पर पिछले साल का बॉक्सिंग डे टेस्ट तीन दिनों के भीतर खत्म हो गया था, क्योंकि आस्ट्रेलिया ने एशेज बरकरार रखने के लिए एकतरफा अंदाज में इंग्लैंड को हरा दिया था। उन्होंने कहा, आस्ट्रेलिया की सुंदरता में से एक यह है कि हम क्यूरेटर को नियुक्त नहीं करते हैं। स्थल, या राज्य, कुछ मामलों में क्यूरेटर नियुक्त करते हैं। हम मार्गदर्शन देते हैं और चर्चा करते हैं कि हम टेस्ट क्रिकेट को कैसा देखना चाहते हैं। रोच ने खुलासा किया कि आस्ट्रेलियाई मैच कैलेंडर में सबसे बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंटों में से एक माने जाने वाले टेस्ट मैच से पहले एमसीजी पिच क्यूरेटर से बातचीत होनी बाकी थी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि बॉक्सिंग डे पर टेस्ट क्रिकेट के साथ हम आश्वस्त हो सकते हैं, क्यूरेटर के लिए हमेशा दबाव होता है। टेस्ट क्रिकेट, किसी भी मौसम में, हमेशा क्यूरेटर के लिए दबाव होता है।

पीसीबी के चेयरमैन रमीज राजा की छुट्टीः नजम सेठी संभालेंगे जिम्मेदारी, इसकी वजह इंग्लैंड से घर में क्लीन स्वीप तो नहीं

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन रमीज राजा को बर्खास्त कर दिया गया है। उनकी जगह

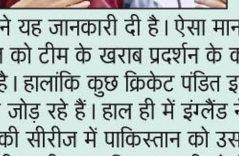

नजम सेठी को बोर्ड की जिम्मेदारी मिलने वाली है। पाकिस्तान क्रिकेट से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी है। ऐसा माना जा रहा है कि रमीज को टीम के खराब प्रदर्शन के कारण हटाया गया है। हालांकि कुछ क्रिकेट पंडित इसे तख्तापलट से भी जोड़ रहे हैं। हाल ही में इंग्लैंड ने तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में पाकिस्तान को उसके घर में 3-0 से क्लीन स्वीप कर दिया था। तीसरे टेस्ट को मेहमान टीम ने 8 विकेट से जीता था। पाकिस्तान का प्रधानमंत्री वहां के क्रिकेट बोर्ड का पैट्रन होता है। आम तौर पर सरकार बदलने के साथ पीसीबी का चेयरमैन भी बदल दिया जाता है। इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पास होने के बाद उनकी सरकार गिर गई थी। इसके बाद शहबाज शरीफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने थे। उसी समय से आशंका जताई जा रही थी कि रमीज राजा के बतौर पीसीबी चेयरमैन गिने-चुने दिन ही बचे हैं। हालांकि तब रमीज कुर्सी बचाने में कामयाब रहे थे।

कोहली नहीं चले तो भारत शतक में 5वें स्थान परः 2016-19 के बीच भारत के 127 शतक, पिछले 3 सालों में सिर्फ 28

दुबई। भारतीय टीम इन दिनों बांग्लादेश दौरे पर हैं। पांच मैचों (3 वनडे, 2 टेस्ट) वाले इस दौरे पर भारत की ओर

से 4 बल्लेबाज शतक जमा चुके हैं। हालांकि, पिछले आंकड़ों पर नजर डालें तो शतक जमाने के मामले में भारतीय बल्लेबाज बाकी दुनिया से पिछड़ते नजर आ रहे हैं। साल 2022 में भारतीय बल्लेबाजों ने 70 मैचों में 15 शतक लगाए हैं, जो कि इंग्लैंड (27), न्यूजीलैंड (19), पाकिस्तान (18) और ऑस्ट्रेलिया (17)से कम है। इस साल लगे 15 शतकों में से 7 शतक सितंबर के बाद आए हैं। इस दौरान कोहली ने अफगानिस्तान के खिलाफ एशिया कप टी20 में शतक लगाकर 3 साल के शतकों के सूखे को खत्म किया। तब से भारत की ओर से लगे 7 शतकों में 2 कोहली के हैं। यानि कोहली के फॉर्म और भारतीय बल्लेबाजों के शतकों की संख्या में सीधा कनेक्शन है। साल 2016 से लेकर 2019 का समय कोहली के इंटरनेशनल करियर का पीक माना जाता है, इस दौरान भारतीय टीम की ओर से 204 मैचों में सर्वाधिक 127 शतक लगे।

आईपीएल मिनी ऑक्शन के बारे में सब कुछ

87 स्लॉट्स पर 405 प्लेयर्स बिकेंगे ; कैसी हैं नीलामी प्रक्रिया, 10 टीमों का पर्स और उनकी जरूरतें

नई दिल्ली।

इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें सीजन के लिए 23 दिसंबर 2022 को मिनी ऑक्शन होगा। केरल के कोच्चि में दोपहर 2.30 बजे से बोली लगेगी। घरेलू और इंटरनेशनल क्रिकेट के 405 प्लेयर्स पर आईपीएल की 10 फ्रेंचाइजी टीमें बोली लगाएंगी। टीमों के पास कुल 87 प्लेयर्स के लिए जगह खाली हैं। ये ऑक्शन कई युवा प्लेयर्स का भविष्य तय कर सकता है।

ऐसे में 2 दिन बाद होने वाले मिनी ऑक्शन से पहले हम ऑक्शन की पूरी प्रक्रिया जानेंगे। साथ ही जानेंगे कि सभी टीमों के पास खर्च करने के लिए कितने रुपए हैं, टीमों के कप्तान कौन हैं, अभी टीमों में कितने प्लेयर्स हैं, ऑक्शन कितने सेट में होगा और कौन से प्लेयर्स पर सबसे पहले बोली लगेगी। कुल मिलाकर कहें तो आईपीएल मिनी ऑक्शन के बारे में वह सब कुछ जानेंगे जो जानना जरूरी है।

मिनी ऑक्शन क्यों – इस बार मिनी ऑक्शन होगा क्योंकि पिछले आईपीएल से पहले मेगा ऑक्शन हुआ था। जिसमें 2 नई टीमों लखनऊ सुपरजायंट्स और गुजरात टाइटंस को भी ऐड किया गया था। इस कारण सभी टीमों को बराबर मौके देने के लिए 2 दिन का मेगा ऑक्शन हुआ। इस बार एक दिन का मिनी ऑक्शन होगा। मेगा ऑक्शन से पहले टीमें 3-3 खिलाड़ी ही रिटेन कर सकी थीं। तब 10 टीमों को 220 प्लेयर्स की जरूरत थी। लेकिन, इस बार ऑक्शन से पहले टीमों ने कई प्लेयर्स को रिटेन कर अपने साथ रख लिया है। ऐसे में 10 टीमों को 87 प्लेयर्स की ही जरूरत है।

कौन कराएगा ऑक्शन – बीसीसीआई और आईपीएल कमेटी मिलकर इस ऑक्शन को कंडक्ट कराएंगी। ऑक्शन के होस्ट ब्रिटेन के ह्यूज एडमीड्स ही रहेंगे। उन्होंने पिछले मेगा ऑक्शन को भी होस्ट किया था। उनसे पहले रिचर्ड मैडली ऑक्शन कराते जब टीमें खिलाड़ी पर बोली लगाती हैं, तो जैसे-जैसे खिलाड़ी की कीमत बढ़ती जाती है, नीलामीकर्ता उसे अनाउंस करता जाता है। आखिर में सबसे ऊंची बोली लगने पर नीलामीकर्ता हैमर को डेस्क पर पटककर सोल्ड कहते

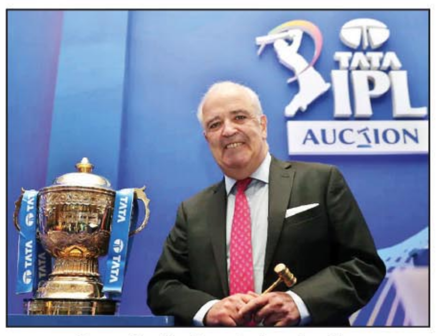

हुए उस खिलाड़ी को टीम को बेच देता है। इस तरह नीलामी का प्रोसेस कम्प्लीट होता है।

सभी टीमों के पास 95 करोड़ का पर्स – मेगा ऑक्शन में टीमों के पास 90 करोड़ रुपए का पर्स था। लेकिन, इस बार पर्स में 5 करोड़ रुपए बढ़ाए गए हैं। यानी कि टीमें अपने 25 प्लेयर्स का स्क्वॉड बनाने के लिए ज्यादा से ज्यादा 95 करोड़ रुपए तक खर्च कर सकती हैं। मेगा ऑक्शन के बाद टीमों के पास कुछ पैसा बचा था। इस ऑक्शन के पहले टीमों ने अपने कुछ प्लेयर्स निकाल भी दिए। रिलीज किए गए प्लेयर्स की कीमत और मेगा ऑक्शन का बचा हुआ अमाउंट ही मिनी ऑक्शन में टीमों का पर्स होगा। साथ ही उसमें अब 5 करोड़ रुपए और जुड़ जाएंगे।

8 विदेशी प्लेयर्स की लिमिट – आईपीएल में इस वक्त 10 टीमें हैं। सभी फ्रेंजाइजी अपनी टीमों में 18 से 25 प्लेयर्स रख सकती हैं। इनमें ज्यादा से ज्यादा 8 विदेशी प्लेयर्स हो सकते हैं। इस वक्त सनराइजर्स हैदराबाद कोलकाता नाइटराइडर्स और लखनऊ सुपरजायंट्स के पास सबसे कम प्लेयर्स हैं। ऐसे में ऑक्शन के दौरान यही टीमें सबसे ज्यादा प्लेयर्स पर बोली लगाते नजर आएंगी।

कोलकाता के पास सबसे कम पर्स – टीमों के पर्स की बात करें तो कोलकाता के पास सबसे कम 7.05 करोड़ रुपए हैं। उन्हें अपना स्क्वॉड पूरा करने के लिए इतनी रकम में कम से कम 4 प्लेयर्स खरीदने हैं। एसआरएच के पास सबसे ज्यादा 42.25 करोड़ रुपए का पर्स है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पास भी महज 8.75 करोड़ रुपए ही हैं। लेकिन, इन पैसों से वह अपने 18 प्लेयर्स के स्क्वॉड को आसानी से लंबा कर सकेंगे।

991 प्लेयर्स ने कराया था रजिस्ट्रेशन – आईपीएल मिनी ऑक्शन के लिए 991 प्लेयर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इनमें 714 भारतीय और 277 विदेशी प्लेयर्स शामिल थे। सभी 991 प्लेयर्स के नाम फ्रेंचाइजी टीमों को भेजे गए। 10 टीमों ने 991 में से 405 प्लेयर्स को खरीदने में इंटरेस्ट दिखाया। इस कारण ऑक्शन में 405 प्लेयर्स पर बोली लगेगी। 405 में से 273 भारतीय और 132 विदेशी प्लेयर्स हैं। विदेशी प्लेयर्स में 4 खिलाड़ी असोसिएट देशों के भी हैं। इनमें 123 इंटरनेशनल और 282 अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। अनकैप्ड यानी वो खिलाड़ी जिन्होंने अब तक इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू नहीं किया। इनमें अंडर-19 और घरेलू क्रिकेट के प्लेयर्स शामिल रहते हैं।

43 सेट में बांटे गए 405 प्लेयर्स – 405 प्लेयर्स को 43 अलग-अलग सेट में बांटा गया है। एक सेट में 5 से 8 प्लेयर्स रखे गए हैं। शुरुआती 5 सेट में कुल 31 इंटरनेशनल प्लेयर्स हैं। बैटर, बॉलर, विकेटकीपर, फास्ट बॉलर और स्पिनर के सीक्वेंस से प्लेयर्स निकाले जाएंगे। यानी सबसे पहले बैटर, फिर बॉलर, उसके बाद विकेटकीपर और इनके बाद फास्ट बॉलर और स्पिनर के नामों पर बोली लगेगी। सेट नंबर 6 से 10 तक कुल 35 अनकैप्ड प्लेयर्स रहेंगे। इनके सीक्वेंस भी शुरुआती 5 सेट के सीक्वेंस की तरह ही हैं। शुरुआती 10 सेट के बाद सभी सेट रिपीट होंगे। सेट तब तक रिपीट होंगे, जब तक उस कैटेगरी के प्लेयर्स खत्म नहीं हो जाते। पहले सेट में इंटरनेशनल बैटर और आखिरी सेट में अनकैप्ड ऑलराउंडर्स पर बोली लगेगी।

सबसे पहले किस नाम पर बोली लगेगी – सेट-1 में भारत के मयंक अग्रवाल और अजिंक्य रहाणे, इंग्लैंड के हैरी ब्रूक और जो रूट, साउथ अफ्रीका के राइली रुसो और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन के नाम हैं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

करियर के सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर पहुंचे बाबर; कुलदीप, अक्षर ने लगाई बड़ी छलांग

दुबई।

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने जारी बल्लेबाजों की ताजा आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में करियर का सर्वश्रेष्ठ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने भी गेंदबाजों की श्रेणी में अपनी-अपनी रैंकिंग में छलांग लगाई। बाबर ने कराची में इंग्लैंड के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) श्रृंखला के अंतिम टेस्ट में दो अर्धशतक (78 और 54) बनाए, लेकिन पाकिस्तान घर में 3-0 से श्रृंखला हार गया। उनकी पारी ने उन्हें स्टीव स्मिथ से आगे निकलने में मदद की, जिन्होंने ब्रिस्बेन में आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच कम स्कोर वाले मैच में 36 और छह रन बनाए। पाकिस्तान के कप्तान, जो वनडे में पहले और टी20 में चौथे स्थान पर हैं, टेस्ट रैंकिंग में मार्नस लाबुशेन से 61 अंकों से पीछे हैं। ब्रिसबेन टेस्ट की पहली पारी में सर्वाधिक 92 रन बनाने वाले आस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंचने के लिए तीन स्लॉट प्राप्त किए हैं क्योंकि वह अपने करियर में पहली बार 800 रेटिंग अंक के आंकड़े को पार कर गए हैं। उनका पिछला सर्वश्रेष्ठ इस साल जनवरी में पांचवां स्थान था। नए अपडेट में, जिसमें बांग्लादेश और भारत के बीच चटगांव में डब्ल्यूटीसी श्रृंखला के पहले टेस्ट में प्रदर्शन को भी ध्यान में रखा गया है। चेतेश्वर पुजारा की 90 और 102 रनों की पारी ने उन्हें 10 स्थान उठाकर 16वें स्थान पर पहुंचा दिया है, जबकि श्रेयस अय्यर (11 स्थान ऊपर चढ़कर 16वें

स्थान पर) और शुभमन गिल (10 पायदान के फायदे से 54वें स्थान पर) को भी मैच में कुछ अच्छे प्रदर्शन के बाद फायदा हुआ है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (दो स्थान के फायदे के साथ 23वें स्थान), दक्षिण अफ्रीका के तेम्बा बावुमा (आठ पायदान के फायदे से 24वें स्थान पर) और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन (चार पायदान के फायदे से 37वें स्थान पर) बल्लेबाजों की सूची में ऊपर आए हैं। इंग्लैंड के हैरी ब्रूक पाकिस्तान में तीनों टेस्ट मैचों में शतक लगाकर पहली बार शीर्ष 50 में शामिल हुए हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में, दक्षिण अफ्रीका के तेज कगिसो रबाडा गाबा में प्रत्येक पारी में चार विकेट लेने के बाद चार पायदान की छलांग लगाकर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। रबाडा इस साल अगस्त में तालिका में नीचे खिसकने से पहले तीसरे स्थान पर थे। चटगांव टेस्ट जीतने में मदद करने के बाद भारत के स्पिनर कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने तेजी से प्रगति की है। कुलदीप के प्लेयर आफ द मैच के प्रयास ने उन्हें 19 पायदान की छलांग लगाने में मदद की और 49वें स्थान पर पहुंचा दिया, जबकि पटेल के पांच विकेट की मदद से वह 10 स्थान की बढ़त के साथ करियर के सर्वश्रेष्ठ 18वें स्थान पर पहुंच गए।

जब तेंदुलकर भड़के दोबारा ऐसा किया तो सीधा भारत भेजूंगाः पहली बार विदेश गए प्लेयर का ध्यान दर्शकों पर था...तब कप्तान सचिन ने डांटा

मुंबई।

इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन और शतक का रिकॉर्ड अपने नाम रखने वाले सचिन तेंदुलकर अपने शांत स्वभाव के कारण भी जाने जाते हैं। उन्हें गुस्सा करते हुए और साथी खिलाड़ियों पर नाराज होते हुए बहुत कम देखा गया है। हालांकि 23 साल पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सचिन टीम इंडिया के एक युवा खिलाड़ी पर नाराज हो गए थे। सचिन ने सॉफ्टवेयर कंपनी इन्फोसिस के एक कार्यक्रम में इस वाकये का जिक्र किया। सचिन ने बताया, हम ऑस्ट्रेलिया में थे और मैं टीम का कप्तान था। हमारे साथ एक जूनियर खिलाड़ी भी था। वह पहली बार विदेशी दौरा कर रहा था और वह थोड़ा लापरवाह हो गया। फील्डिंग करते वक्त वो क्राउड पर ज्यादा ध्यान दे रहा था। जहां एक रन होता था, वो दो रन दे देता था। मैंने उसे बुलाया और उसके ऊपर अपना कंधा

रखा। किसी को नहीं पता था कि मैं उस प्लेयर से क्या कह रहा था। मैंने उससे कहा कि अगर तुम ये दोबारा करोगे तो फिर मैं तुम्हें घर भेज दूंगा। तुम होटल नहीं जाओगे, वापस इंडिया जाओगे। सचिन ने कहा, मैंने उसे समझाया कि जब आप अपने देश के लिए खेलते हैं तो फिर किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। ये एक काफी बड़ा सम्मान होता है। करोड़ों लोग हैं जो आपकी जगह होना चाहते हैं और इसी वजह से इसे हल्के में मत लीजिए। हालांकि सचिन ने उस खिलाड़ी का नाम नहीं बताया। भारत के उस ऑस्ट्रेलिया दौरे पर ऋषिकेश कानितकर, विजय भारद्वाज, एमएसके प्रसाद जैसे युवा खिलाड़ी टीम में शामिल थे। 3-0 से क्लीन स्वीप हुई थी टीम इंडिया उस दौरे पर टीम इंडिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया था। दौरा 1999-2000 में हुआ था। ऑस्ट्रेलिया टीम के कप्तान स्टीव वॉ थे। टेस्ट सीरीज के बाद ट्रायंगुलर वनडे सीरीज भी हुई थी। इसमें भारत और ऑस्ट्रेलिया के अलावा पाकिस्तान ने भी हिस्सा लिया था। भारतीय टीम फाइनल में नहीं पहुंच पाई थी। सचिन की कप्तानी में 31प्रतिशत मैच ही जीते हैं सचिन की कप्तानी में टीम इंडिया की जीत का प्रतिशत बहुत कम रहा है। वे अपनी कप्तानी में टीम को करीब 31प्रतिशत मैच ही जिता सके हैं। सचिन ने 1996 में पहली बार टीम इंडिया की कमान संभाली थी। वे कुछ ही साल टीम के कप्तान रहे। उनके बाद सौरव गांगुली टीम के कप्तान बने थे। तेंदुलकर ने 25 टेस्ट और 73 वनडे मैचों में भारत की कप्तानी की है। उनकी कप्तानी में टीम ने 4 टेस्ट जीते हैं। 9 हारे हैं। जबकि 12 ड्रॉ रहे हैं। उनकी कप्तानी में टीम की जीत का प्रतिशत सबसे कम 31 रहा। वहीं, वनडे की बात करें तो उनकी लीडरशिप में टीम ने 23 मैच जीते हैं। 43 गंवाए हैं। एक टाई रहा। जबकि 6 मैचों में नो रिजल्ट रहा।

अंडर19 महिला टी20 विश्व कप के बाद यूएसए के कोच चंद्रपॉल के अपने अनुबंध को बढ़ाने की संभावना नहीं

नई दिल्ली।

यूएसए क्रिकेट में एक बड़े घटनाक्रम के तहत देश की सीनियर महिला और अंडर-19 टीमों के मुख्य कोच शिवनारायण चंद्रपॉल के दक्षिण अफ्रीका में 14 से 29 जनवरी तक होने वाले आईसीसी अंडर-19 महिला विश्व कप के बाद अपने अनुबंध को आगे ना बढ़ाने की उम्मीद है। यूएसए क्रिकेट द्वारा 14 दिसंबर को अंडर-19 महिला विश्व कप के पहले सीजन के लिए अंडर-19 महिला टीम की घोषणा करने के बाद, गीतिका कोडाली को कप्तानी दी गयी है। चंद्रपॉल और यूएसए क्रिकेट हॉल आफ फेमर, मल्टी-डिसिप्लिन कोच जतिन पटेल अटलांटा क्रिकेट लीग (एसीएल) के वार्षिक डिनर में उपस्थित थे और उन्होंने यूएसए क्रिकेट कोचिंग और भविष्य के बारे में बातचीत की। पटेल ने कहा, नए बोर्ड के आने के बाद से हमारे पास पहले से ही आधा दर्जन प्रसिद्ध मुख्य कोच राष्ट्रीय टीमों से अलग हो चुके हैं और मुझे संदेह है कि चंद्रपॉल दक्षिण अफ्रीका में अंडर-19 विश्व

कप के बाद अपने अनुबंध को नवीनीकृत करेंगे या नहीं। उन्होंने कहा, मैंने शिवनारायण चंद्रपॉल के मैनेजर जेरिन चाको से स्पष्ट करने के लिए बात की थी और चाको ने पुष्टि की है कि वह दक्षिण अफ्रीका में महिला अंडर-19 विश्व कप के बाद चंद्रपॉल के अनुबंध को बढ़ाने या नवीनीकृत करने पर विचार नहीं करेंगे। चंद्रपॉल को जुलाई 2022 में भूमिकाओं के लिए नियुक्त किया गया था और सफलता के साथ अपनी यात्रा शुरू की। यूएसए अंडर-19 टीम को कैरेबियन में एक खिताब (अपराजित) तक पहुंचाया जब यूएसए ने फाइनल में गत चैंपियन त्रिनिदाद और टोबैगो को हराया। दिग्गज पूर्व वेस्टइंडीज क्रिकेटर ने 30 सितंबर को जॉर्जटाउन के गयाना नेशनल स्टेडियम में 2022 कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के मुख्य कोच के रूप में जमैका तालावास का नेतृत्व किया। वह अपने देश के दर्शकों के सामने सीपीएल खिताब जीतने वाले गयाना के पहले कोच बने। यह उनका घरेलू मैदान भी था, जहां उन्होंने अपने शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरूआत करने के लिए वेस्टइंडीज के लिए डेब्यू किया था। वह आस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप के दौरान आईसीसी हॉल आफ फेम में शामिल होने वाले तीन लोगों में से एक थे।

उन्होंने कहा, यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है कि चंद्रपॉल ने अंडर19 विश्व कप के बाद मुख्य कोच के रूप में वर्तमान भूमिका से अलग होने का इरादा किया है। एक खिलाड़ी के रूप में उनका अनुभव और एक कोच के रूप में उनकी विशेषज्ञता बहुत मायने रखती है। यूएसए महिला टीम के कोच के रूप में शुरूआती कार्यकाल में इसने परिणाम दिखाना शुरू कर दिया था।

वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना के ओपन परेड में बस पर कूदे फैन्स, सभी प्लेयर्स को हेलीकॉप्टर से निकालना पड़ा

ब्यूनस आयर्स।

अर्जेंटीना में फीफा वर्ल्ड कप की जीत का जश्न मनाया जा रहा है। कप्तान लियोनल मेसी समेत सभी खिलाड़ी ओपन बस परेड का हिस्सा बने। अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में हजारों की संख्या में लोग अपनी टीम के जीत के जश्न में पहुंचे। अर्जेंटीना की सरकारी ब्यूनस आयर्स के स्मारक स्थल में लाखों लोग मौजूद थे। अर्जेंटीना की सरकार ने जीत का जश्न मनाने के लिए सरकारी छुट्टी घोषित की थी। इसी बीच ब्यूनस आयर्स से कुछ ऐसे वीडियो भी सामने आए हैं जिसमें जश्न के दौरान दुर्घटनाएं घटी हैं। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई और अर्जेंटीना के खिलाड़ियों को हेलीकॉप्टर के जरिये लिफ्ट करना पड़ा। विश्व कप के फाइनल में डिफेंडिंग

चैंपियंस फ्रांस को हराने के बाद अर्जेंटीना ने ओवरऑल तीसरी बार और 1986 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप जीता। टीम के खिलाड़ियों ने जीत का जश्न मनाने के लिए ओपन बस परेड किया। फैन्स अपनी टीम के वर्ल्ड चैंपियंस बनने से इतने उत्साहित थे कि जीत के जश्न को छोटा यानी कम समय में निपटाना पड़ा। साथ ही अर्जेंटीना के खिलाड़ियों को अपनी टीम की बसों को छोड़कर हेलीकॉप्टर से लिफ्ट करना पड़ा।

ओपन परेड में बस पर कूदे फैन्स – फीफा वर्ल्ड कप के बाद ओपन परेड में जश्न अलग बात है, लेकिन अर्जेंटीना की टीम का यह परेड किसी भी परेड से अलग थी। इस तरह का माहौल कभी किसी ने नहीं देखा था। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में दिखा कि दो फैन्स ने अर्जेंटीना की टीम बस पर कूदने का प्रयास किया। ऐसे में खिलाड़ियों की सुरक्षा का मुद्दा भी उठता है। पहला फैन एक ब्रिज से बस पर कूदता हुआ दिखाई पड़ा और बस पर गिरा। वहीं, दूसरा फैन बस के पिछले हिस्से से टकराकर नीचे सड़क पर गिर गया। इसके बाद बस को रोका गया। वहीं, पीछे से आ रही भारी भीड़ ने उसे उठाया।

अर्जेंटीना में फुटबॉल का जुनून – यह वीडियो दर्शाता है कि अर्जेंटीना के प्रशंसकों के लिए यह वर्ल्ड कप जीत कितना मायने रखती है। इस परेड को कई वर्षों तक याद किया जाएगा। वहीं, मेसी के भी कई फोटोज वायरल हो रहे हैं, जिसमें वह वर्ल्ड कप ट्रॉफी को सीने से लगाकर सोते हुए दिख रहे हैं। मेसी ने अपने पांचवें विश्व कप में टीम को जीत दिलाई। साथ ही वर्ल्ड कप से 16 साल के यूरोप के दबदबे को भी खत्म किया। 2002 (ब्राजील) के बाद पहली बार कोई लैटिन अमेरिकी टीम वर्ल्ड कप जीती है। कुछ फैन्स तो बस स्टॉप से नीचे गिरते नजर आए।

मेसी ने वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया – मेसी का इस वर्ल्ड कप में प्रदर्शन शानदार रहा और उन्होंने कुल सात गोल दागे। पोलैंड के खिलाफ ग्रुप स्टेज मैच को छोड़कर मेसी ने हर मैच में गोल किए। फ्रांस के खिलाफ फाइनल में मेसी ने कुल दो गोल दागे। साथ ही अपने कुल वर्ल्ड कप गोल्स की संख्या 13 कर ली। उन्होंने इस मामले में ब्राजील के पूर्व महान फुटबॉलर पेले को पीछे छोड़ दिया। पेले ने 12 गोल दागे थे।

चिराग के साथ करियर की सर्वश्रेष्ठ बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग हासिल करने के बाद सात्विक ने कहा, यहां से सफर और मुश्किल

नई दिल्ली। बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में अपने साथी चिराग शेट्टी के साथ अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने के बाद सात्विक साईराज रंकीरेड्डी ने कहा कि यहां से यात्रा और मुश्किल होती है लेकिन वह यहां तक पहुंचने के लिए खुश हैं। सात्विक साईराज और चिराग की भारतीय पुरुष युगल बैडमिंटन जोड़ी ने बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व नंबर 5 रैंकिंग हासिल करने के लिए दो स्थान की छलांग लगाई। सात्विकसाईराज ने ट्विटर पर लिखा, दुनिया के शीर्ष 5 में आना खुशी की बात है। लेकिन यहां से शिखर तक पहुंचने के लिए यात्रा कठिन हो जाती है! उन्होंने कहा, इतनी दूर आकर बहुत खुशी हो रही है! हमेशा की तरह सुधार करते रहने के लिए प्रतिबद्ध और संकल्पित हूं।

सुझाव

इन बातों के लिए बच्चों को कहना चाहिए ना

पैरेंट्स बनना अपने आप में कई तरह की जिम्मेदारियां लेकर आता है वहीं बच्चों को न कहना सबसे मुश्किल काम है। लेकिन कभी-कभी उनकी भलाई के लिए आपको ऐसा कहना पड़ता है खासकर मामला जब उनकी हेल्थ का हो। यहां कुछ ऐसी ही सिचुएशंस हैं जब उनकी इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए आपको उनको न कह देना चाहिए...

टाइम से सोना और जागना

चाहे छुट्टियां हों या स्कूल के दिन, सोने के समय को लेकर आपको सख्त होने की जरूरत है। अगर आपका बच्चा आधी रात के बाद काफी एनर्जी में दिख रहा है तो आपको ये बताने की जरूरत है कि खेलने का वक्त निकल चुका है ताकि वह टाइम से सो और जाग सके। आखिरकार इनफेक्शंस से बचने के लिए पर्याप्त नींद की भी जरूरी है।

न छोड़ने दें खाना

नियमित अंतराल पर खाना खाना डाइजेशन और शरीर को मजबूत करने के लिए जरूरी होता है। अगर आपका बच्चा कुछ खाने से परहेज करता है तो उसे आराम से मनाएं। नाश्ता खासतौर पर बहुत जरूरी है। इसे न लेने पर शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं मिलता।

हाइजीन का रखें ध्यान

खाने से पहले साफ-सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। वॉशरूम जाने के बाद भी हाथ धोने की आदत डालें। खेलने के बाद बच्चा सीधे खाने के लिए बैठ जाए तो न कहने पर अपराध बोध न करें।

विडियो गेम कम एक्सर्साइज ज्यादा

बच्चे को आईपैड देने और विडियो गेम खेलने का समय निश्चित कर दें। इसके साथ ही उन्हें बाहर निकलकर फिजिकल एक्टिविटी या कोई खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित करें।

इन सर्दियों में ठंड से बचें और स्टाइलिश भी दिखें

अगर आपको लगता है कि सर्दियां आते ही सारा फैशन खत्म हो जाता है और स्वेटर-जैकेट के नीचे स्टाइल दब जाता है तो आप गलत हैं। आज हम आपको बता रहे हैं 6 टिप्स ऐंड ट्रिक्स जिनका इस्तेमाल कर आप बिना ज्यादा पैसे खर्च किए और स्टाइल से कॉम्प्रमाइज किए बिना ठंड से भी बचेंगी और स्टाइलिश भी दिखेंगी। आगे की स्लाइड्स में जानें कैसे...

हर वक्त काम आते हैं मोजे

अब वो जमाना नहीं रहा जब मोजा सिर्फ जूते के साथ पहनने के लिए एक सहायक वस्तु हुआ करता था। अब मार्केट में एक से बढ़कर एक क्यूट और फंकी मोजे आ गए हैं इसलिए इन्हें न पहनने की आपके पास कोई वजह नहीं है। इस तरह के फंकी मोजे आपकी खूबसूरती भी बढ़ाएंगे और आपके पैरों को भी गर्म रखेंगे। सिर्फ जूते ही क्यों आप चाहें तो सैंडल्स के साथ भी मोजे पहन सकती हैं। हाई फैशन रनवे मॉडल्स से लेकर स्ट्रीट स्टाइल स्टार्स तक इस बात के सबूत हैं कि अगर ढंग से स्टाइल किया जाए तो सैंडल के साथ भी मोजे का कॉम्बिनेशन अच्छा लगता है।

टर्टलनेक है बेस्ट

इन सर्दियों में टर्टलनेक को अपना बेस्ट फ्रेंड बनाएं। आपके वॉर्ड्रोब में टर्टलनेक वाले कपड़े होने ही चाहिए क्योंकि ये आपको सर्दियों में गर्म रखने के साथ-साथ स्टाइलिश लुक भी देते हैं। आप चाहें तो इसे अपने हिसाब से सैकड़ों तरीकों से स्टाइल कर सकती हैं।

ब्लैंकेट स्कार्फ

शायद आपको यकीन नहीं होगा लेकिन यह सच है कि आप ब्लैंकेट यानी कंबल ओढ़कर भी स्टाइलिश दिख सकती हैं। इन दिनों ब्लैंकेट स्कार्फ फैशन में बना हुआ है। इनके इस्तेमाल से आपको काफी गर्मी महसूस होगी। कई बार हम सर्दियों में यह सोचकर पुराने कपड़े पहन लेते हैं कि ऊपर से तो स्वेटर या जैकेट पहनना ही है। अगर आपने भी ऐसा कुछ प्लान किया है तो यह ब्लैंकेट स्कार्फ आपके पुराने आउटफिट को छिपाने में मदद करेगा। साथ ही अगर आपको नींद आ रही हो तो आप इसे ओढ़ भी सकती हैं।

डेनिम के नीचे टाइट्स

अगर आपने गर्मी के मौसम में कटी-फटी, रग्ड या डिस्ट्रेस्ड जींस खरीदी थी तो यकीन मानिए यह जींस सर्दी के मौसम में भी बर्बाद नहीं होगी। बस आपको करना यह है कि एक अच्छा सा वॉर्म टाइट्स खरीद लें और इसे जींस के नीचे पहनें। ये टाइट्स न सिर्फ आपको ठंड से बचाएंगे बल्कि आपके आउटफिट को अलग अंदाज भी देंगे।

स्वास्थ्य

माथे के इस प्वाइंट को दबाएं, हैल्थ प्रॉब्लमसे राहत पाएं

महंगाई के दौर में हर कोई अपने काम में मशरूफ है। रोजाना दफ्तर में घंटों स्क्रीन के सामने बैठकर काम कर पाना काफी मुश्किल है। ऐसे में हम लोग अपने खान-पान की तरफ भी ठीक से ध्यान नहीं देते, जिस वजह से अक्सर सिर दर्द और अन्य शिकायत रहती है। इससे छुटकारा पाने के लिए लोग अक्सर कई दवाइयों का सहारा लेते है, जिनके लगातार सेवन से अपनी ही सेहत को नुकसान पहुंचता है। आज हम आपको साधारण तरीका बताएंगे, जिसको ट्राई करने से सिर दर्द से लेकर सभी छोटी-मोटी प्रॉबल्म दूर होती है।

बेहतर रक्तसंचार

भौहों को दबाने से टेंशन, गैस्ट्रिक समस्या जैसी समस्या दूर होती है। ब्लड सकरुलेशन भी बेहतर रहता है। भौहों को दबाने से शरीर में हैप्पी हर्मोन्स रिलीज होता है, जिससे तनाव दूर रहता है।

याददाश्त तेज

ऐसा करने से याददाश्त तेज होती है। इस प्रक्रिया को बच्चों से भी करवाए, क्योंकि यह उनके लिए काफी फायदेमंद हो सकती है।

थकान कम होना

भौहों के बीच से माथे को दबाने से थकान की समस्या भी दूर होती है। अगर आपको ऑफिस के कारण थकान रहती है तो आप इस प्रक्रिया को ऑफिस में बैठे-बैठे भी कर सकते है।

आंखों को आराम

लगातार किसी काम पर आंखे गढ़ाए रखने से आंखों पर काफी बोझ बढ़ जाता है, जिससे आंखे दर्द होने लगती है। आंखों आराम देने के लिए अपने माथे को उंगलियों की मदद से दबाएं। काफी आराम मिलेगा।

भौहों के बीच वाला प्वाइंट दबाएं

अगर आप अक्सर सिर दर्द से परेशान रहते है तो दोनों भौहों के बीच मौजूद प्वाइंट को उंगलियों की मदद से लगभग 45 सैकेंड तक दबाएं। भौहों के बीच वाले हिस्से को दबाने से अलग किस्म की ऊर्जा पैदा होती है, जिससे सिर दर्द की समस्या झट से गायब हो जाती है। इसके अलावा इससे कई प्रकार की समस्याएं दूर होती है।

एलोवेरा लगा सकता है आपकी खूबसूरती में चार चांद, जानें कैसे

दिल्ली और एनसीआर में हर तबका एयर पोल्यूशन और धुंध की समस्या से परेशान है. ऐसे में अगर एलोवेरा, स्पाइडर प्लांट जैसे पौधों की संख्या बढ़ाई जाए तो कुछ हद तक धुंध से निजात मिल सकती है. शांति आश्रम के प्रमुख स्वामी पद्मा प्रकाश ने कहा, 'एलोवेरा कार्बनडाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड को अवशोषित करता है और ऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाता है. ऐसा माना जाता है कि एलोवेरा का एक पौधा नौ एयर प्यूरीफायर के बराबर होता है.

एलोवेरा को आयुर्वेद में संजीवनी कहा जाता है. इसमें अमीनो एसिड की मात्रा भरपूर रहती है और विटामिन 12 की मौजूदगी से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बनी रहती है. एलोवेरा त्वचा की देखभाल से लेकर बालों की खूबसूरती तक और घावों को भरने से लेकर कैंसर से निजात पाने तक, हर परेशानी से राहत देता है.

एलोवेरा कुछ समस्याओं में ज्यादा कारगर है. यहां एलोवेरा के कुछ उपाय बताए जा रहे हैं.

आंखो की जलन को करें छू-मंतर: ज्यादातर देखा गया है कि कंप्यूटर के सामने घंटों बैठे रहने पर, टीवी को लगातार देखने पर या नींद पूरी न होने पर आंखों की समस्या पैदा हो जाती है. ऐसे में दो चम्मच एलोवेरा जेल को पानी में मिलाएं और इससे आंखों को धो लें. ऐसा करने से आंखों को आराम मिलेगा, साथ ही जलन से छुटकारा मिलेगा.

पिंपल्स और टैनिंग को करें दूर: आप अगर एलोवेरा के ज्यूस का सेवन करते हैं तो आप पिंपल्स व पिंपल्स के दागों से दूर रहते हैं. साथ ही टैनिंग की समस्या से भी मुक्ति पा सकते हैं.

जख्म भरे: अगर आपको कोई चोट लगी हुई है, या कोई घाव है, या फिर किसी कीड़े ने काट लिया है, तो होने वाली जलन से राहत पाने के लिए एलोवेरा का सेवन जरूर करें. ऐसा करने से आपके जख्म जल्दी भरेंगे.

झड़ते बाल व डैंड्रफ से छुटकारा: आजकल अधिकर लोग कम उम्र में ही गंजेपन का शिकार हो रहे हैं, वहीं कई ऐसे भी होंगे जो झड़ते बाल से निजात पाने के लिए रास्ता ढूंढ़ रहे होंगे. ऐसे में आप अपने कंडिशनर में केवल दो चम्मच एलोवेरा जेल मिला कर अगर बालों में लगाते हैं तो आप देखेंगे कि बालों में चमक के साथ-साथ मजबूती भी आ जाएगी.

जोड़ों के दर्द होंगे बंद: अगर आप जोड़ों के दर्द से परेशान हैं तो आप ताजा एलोवेरा जेल को जोड़ों पर लगाएं. आपको दर्द से राहत जरूर मिलेगी.

मोटापे से छुटकारा- कसरत व डाईट चार्ट को फालो करते-करते थक गए हैं तो अब आप एलोवेरा का सेवन करें. यह औषधि आपको प्राकृतिक रूप से वजन घटाने में आपकी सहायता करेगी.

साइनस से रहे दूर : अधिकांश लोगों को इस तरह की समस्या सर्दियों में बढ़ जाती है. ऐसे में दवाई लेना मजबूरी हो जाती है. यदि आप एलोवेरा का सेवन करते हैं तो साइनस की समस्या से दूर रह सकते हैं.

दांतों की देखभाल: दातों में होने वाली समस्या जैसे कैविटी, दाग-धब्बे, मसूड़ों में दर्द आदि को एलोवेरा से दूर किया जा सकता है. सबसे बड़ी बात यह कि आप हमेशा फ्रेश रहते हैं.

एलोवेरा एक एंटी-ऑक्सीडेंट है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत कर शरीर में होने वाली बीमारियों के खिलाफ एक कवच प्रदान करता है.

चिंताओं से छुटकारा मिल जाएगा जब उठाएंगे ये कदम

हर किसी के जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। ऐसे हर उतार के साथ आती हैं उससे जुड़ी चिंताएं। कुछ लोग इन चिंताओं से बच निकलते हैं, जबकि कई इन चिंताओं में ही घुले जाते हैं। कई बार तो ऐसा भी होता है कि मूल समस्या आपका उतना नुकसान नहीं करती, जितना कि उसे लेकर की गई चिंता कर देती है। माना कि चिंता से पूरी तरह दूर रहना लगभग असंभव है मगर कुछ बातों का खयाल रखकर आप अपनी चिंताओं पर लगाम लगा सकते हैं। इनमें तीन बातें प्रमुख हैं....

सूची बनाकर विश्लेषण करें

आपने सुना होगा कि अगर कोई बच्चा इस बात से डरा हुआ है कि उसके बिस्तर के नीचे राक्षस है, तो उसे एक बार बिस्तर के नीचे झांककर देखने के लिए राजी करना चाहिए। जब वह देख लेगा कि वहां ऐसा कुछ नहीं है, तो उसका डर और चिंता जाती रहेगी। यही सिद्धांत बड़ों पर भी लागू होता है। क्यों न आप कागज-कलम लेकर सूची बना डालें कि आपको आखिर कौन-सी चीजों की चिंता खाए जा रही है? फिर, उसे गौर से पड़े और विश्लेषण करें कि क्या वाकई ये इतनी चिंता करने लायक बातें हैं? हो सकता है कि इस प्रकार विश्लेषण करने पर आपको लगे कि इसमें चिंता करने लायक कोई बात ही नहीं थी। और अगर बात वाकई गंभीर है, तो फिर ठंडे दिमाग से समस्या का समाधान सोचें।

लिख डालें

अपनी चिंता के बारे में लिख लेने से एक फायदा यह होता है कि आपका दिमाग लगातार उसके बारे में सोचते रहने से मुक्त हो जाता है। कई मनोवैज्ञानिक बता चुके हैं किसी डर या चिंता को कागज पर लिख लेने से उसे दूर करने में मदद मिलती है। इससे तनाव कम होता है।

अपने दिमाग को पहचानें

यह सच है कि हमारे मस्तिष्क की कार्यशैली बड़ी जटिल है लेकिन इसे समझने की कोशिश हम नहीं करेंगे, तो भला कौन करेगा? इसलिए, यदि आप चिंता करने के आदी हैं, तो पहले यह समझने का प्रयास करें कि आपका दिमाग कब, किस तरह से काम करता है और क्यों। दिमाग की चिंता करने की फितरत पर काबू पाना है, तो इसकी कार्यशैली को समझना बहुत जरूरी है। याद रहे, यदि आप अपने दिमाग के काम करने के तरीकों को समझ लेंगे, तो खुश व तनावमुक्त रहने के तरीके भी खोज सकेंगे। वह यूं कि यदि आपने अपने दिमाग की कार्यशैली को समझ लिया, तो जैसे ही वह चिंता करना शुरू करेगा, आप उस पर काबू पाने की कोशिश शुरू कर सकते हैं।

कई बार हमें पता ही नहीं चलता कि कब चिंता का कीड़ा हमारे मस्तिष्क में प्रवेश कर गया और जब तक पता चलता है, तब तक बात बहुत आगे बढ़ चुकी होती है। इसलिए बात बढ़ने से पहले ही यदि समस्या को रोकना चाहते हैं, तो समय निकालकर अपने मस्तिष्क को जानने-समझने की कोशिश करें।

जींस खरीदते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप हर दिन जींस पहनना पसंद करती हैं आपको एक ऐसी जींस चाहिए जो कंफर्टेबल होने के साथ ही टिकाऊ भी हो। साथ ही जींस का लुक भी अच्छा होना बेहद जरूरी है। कई बार जींस खरीदते वक्त हम कंफ्यूजन में रहते हैं कि हमें जींस में कंफर्ट लेवल देखना चाहिए या लुक... हम आपको बता रहे हैं कि जींस खरीदते वक्त आपको किन 5 बातों का ध्यान रखना चाहिए...

कपड़े की क्वॉलिटी

जींस खरीदते वक्त फैब्रिक पर खास ध्यान दें। जींस खरीदते वक्त जल्दबादी बिलकुल न करें बल्कि जींस को अच्छी तरह से छूकर देख लें ताकि आपको कपड़े की क्वॉलिटी के बारे में पता चल जाए। साथ ही जींस खरीदते वक्त उसके ब्रैंड के बारे में भी जरूर जान लें।

कितनी मात्रा में है कॉटन

जींस खरीदने से पहले लेबल जरूर जांचना चाहिए ताकि जींस में डेनिम यानी कॉटन की मात्रा पता कर सकें। कई बार जींस में खिंचाव बढ़ाने के लिए उसमें डेनिम के साथ लाइक्रा भी मिला दिया जाता है। यदि आपकी जींस में डेनिम का प्रतिशत 90 से 100 न हो, तो वो आरामदायक नहीं होगी और उसकी फिटिंग भी अच्छी नहीं होगी।

कुछ नया ट्राई करें

अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर हमेशा एक जैसी जींस खरीदने की बजाए कुछ नया ट्राई करने की कोशिश करें। बहुत से लोग ऐसे होते हैं जो हमेशा एक जैसी जींस ही पहनते और खरीदते हैं जिससे उन्हें नए फैशन के बारे में पता नहीं चलता।

अकेजन का रखें ध्यान

जींस खरीदने से पहले आपको इस बात का ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि आप किस उद्देश्य से जींस खरीद रहे हैं। ऑफिस में कैजुअल थीम के तौर पर पहनने के लिए या दोस्तों के साथ आउटिंग पर जाने के लिए। अगर ऑफिस के लिए जींस खरीद रही हैं तो आपकी जींस सिंपल और क्लासी होनी चाहिए और अगर घूमने फिरने के मकसद से खरीद रही हैं तो आप स्लिम फिट या डिजाइनर जींस भी खरीद सकती हैं।

रेसिपी

मुरमुरे के लड्डू

सामग्री

गुड़- 250 ग्राम

पफ्ड राइस- 100 ग्राम

पानी- जरूरत अनुसार

विधि

एक बर्तन में 250 ग्राम गुड़ डालकर धीमी आंच पर पकाएं। एक बार जब गुड़ पिघल जाए, तो गैस को तेज करके गुड़ को उबाल लें। इसमें 100 ग्राम पफ्ड राइस डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसके बाद गैस बंद कर लें। फिर अपने हाथों पर थोड़ा सा पानी लगाएं और तैयार मिश्रण की छोटी-छोटी गेदें बना लें। आपके मुरमुरे के लड्डू तैयार है, इसे ठंडा करके सर्व करें।

मैंगो केक

सामग्री

250 ग्राम मैदा, 250 ग्राम बटर, 4-5अंडे,2 चम्मच बेकिंग पाउडर, 200 ग्राम चीनी, 1 कप मैंगो प्यूरी,1 चम्मच मैंगो एसेंस, 2-3 आम, 3 कप क्रीम ।

विधि

सबसे पहले ओवन को 150 डिग्री पर गर्म करें। अब 1 बॉउल में अंडा और बटर अच्छे से फेंट लें फिर इसमें 5 चम्मच चीनी, नमक, मैंगो प्यूरी और मैंगो ऐसेंस मिला कर 5 मिनट के लिए रख दें। अब एक बर्तन में मैदा और बेकिंग पाउडर लें और उसमें तैयार अंडे की पूरी सामग्री को मिला कर 2 मिनट के लिए अलग रखें। फिर बेकिंग पैन में केक की तैयार सामग्री डालें और गरम ओवन में रखें। इसको 35 से 40 मिनट तक के लिये बेक होने दें। अब चीनी और क्रीम को 1 बॉउल में अच्छे से फेंट लें। जब केक बन जाए तब उसकी पूरी साइड को क्रीम से कवर करें और केक को आम के टुकड़ों से सजाएं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**